शुभ दीपावली

एस्ट्रोसेज पत्रिका

सितारों के आइने में महाराष्ट्र-हरियाणा चुनाव

कलर थेरेपी से करें रोगों का उपचार

51 शक्तिपीठों का महत्व

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा की विधि

अक्टूबर, 2019 (वर्ष-1, अंक 1) बीटा

• मासिक राशिफल • मांगलिक दोष • वास्तु दोष • करवा चौथ व्रत • ज्योतिष सीखें • कोग्निएस्ट्रो-करियर काउंसलिंग

संपादकीय

मित्रो,

पिछले पंद्रह वर्षों से अधिक समय से आपकी ऑनलाइन साथी रही एस्ट्रोसेजडॉटकॉम इस दीपावली पर एक और नया प्रयोग कर रही है। हम 'एस्ट्रोसेज पत्रिका' के रुप में ई–मैग्जीन का प्रयोगात्मक अंक आपके बीच लेकर आए हैं। ज्योतिष का बृहद संसार कई विषयों पर विश्लेषण की मांग करता है। हमने एस्ट्रोसेजडॉटकॉम के माध्यम से सदैव यह कोशिश की है कि ज्योतिष प्रेमियों को न सिर्फ उन्नत सॉफ्टवेयर मिलें बल्कि गुणवत्तापूर्ण आलेख भी मिलें। अनेक पाठक प्राय: कई विश्लेषणात्मक आलेखों को एक साथ पाने की गुजारिश करते हैं। इसी कोशिश के तहत हमने 'एस्ट्रोसेज पत्रिका' का बीटा अंक निकाला है। आपकी प्रतिक्रियाओं के बाद हम इसके भविष्य का निर्धारण करेंगे। आप हमें

magazine@ojassoft.com

पर अपनी प्रतिक्रियाएं भेज सकते हैं।

आपके लिए दीपावली और नया वर्ष शुभ हो..

मंगलकामनाओं के साथ

पुनीत पांडे (एडिटर–इन–चीफ)

महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों का लेखा जोखा

एस्ट्रो गुरु मृगांक

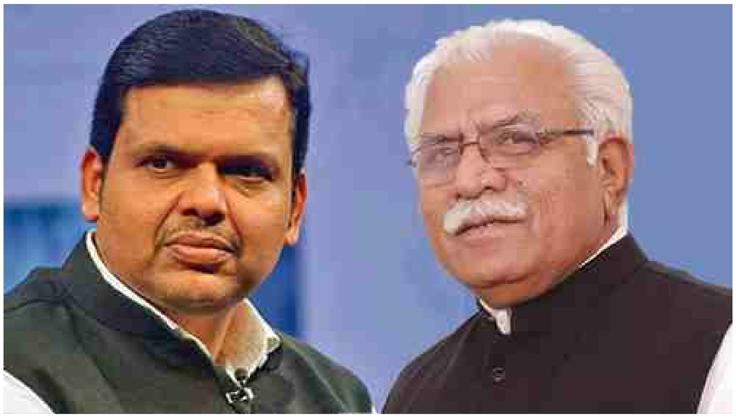

भारत के 2 राज्यों हरियाणा और महाराष्ट्र में अक्टूबर 2019 में विधानसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। इलेक्शन कमीशन द्वारा जारी किए गए विवरण के अनुसार महाराष्ट्र और हरियाणा के लोग 21 अक्टूबर को 14 वीं विधानसभा के लिए वोट डालेंगे और उसके 3 दिन बाद अर्थात 24 अक्टूबर 2019 को मत–गणना होगी और शाम तक साफ हो जाएगा कि इन दोनों राज्यों में कौन सी पार्टी सत्ता पर काबिज होगी और किसे हार का मुंह देखना पड़ेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा के अनुसार 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 9 नवंबर को समाप्त हो रहा है और 90 सदस्यों वाली हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 2 नवंबर को समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में दोनों ही राज्यों में चुनाव तय समय पर होंगे।

2014 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था और भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दल शिवसेना के साथ सत्ता में आई थी और भारतीय जनता पार्टी के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने। इस वर्ष महाराष्ट्र में कांग्रेस ने शरद पवार के नेतृत्व वाली नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानि कि एन सी पी से गठजोड़ किया है। ग़ौरतलब है कि शरद पवार परिधि का शिकंजा कसता जा रहा है।

यदि हरियाणा की बात की जाए तो वहां भी भारतीय जनता पार्टी ने पिछली बार सरकार बनाई थी और कांग्रेस और ओमप्रकाश चौटाला के नेतृत्व वाली आईएनएलडी को घेरने का पूरा प्रयास किया। वर्तमान समय में बीजेपी के मनोहर लाल खट्टर हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं। पंजाब के चुनावों में बीजेपी का साथ देने वाली प्रकाश सिंह बादल की अकाली दल ने अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।
इस बार के विधान सभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एक प्रबल दावेदार के रूप में तैयार हैं और विपक्ष विभिन्न प्रकार के खेमों में बंटा हुआ नजर आ रहा है। इन चुनावों में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी अपने हाथ आजमाने के बाद कह चुकी है। ऐसे में मुकाबला काफी दिलचस्प होगा क्योंकि जहां बीजेपी की साख दाँव पर होगी और वह सभी सीटों को कब जाने का प्रयास करेगी वहीं विभिन्न भागों में बटा हुआ विपक्ष का एकजुट होकर वह को चुनौती दे पाएगा।

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हमने यह जानने का प्रयास किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में किस पार्टी के सिर जीत का सेहरा सजेगा और किसे हार का मुंह देखना पड़ेगा। इसके लिए हमने वैदिक ज्योतिष का सहारा लिया है और ग्रहों और नक्षत्रों के आधार पर कुछ बातें काफी दिलचस्प तरीके से हमारे सामने आई हैं, जिन्हें हम यहां व्यक्त करने जा रहे हैं:

अक्टूबर के महीने में ग्रहों का गोचर

4 अक्टूबर को शुक्र तुला राशि में प्रवेश करेगा जोकि इसकी अपनी राशि है और इसके बाद 18 अक्टूबर को सूर्य भी तुला राशि में ही प्रवेश करेगा। 8 महीने की शुरूआत से ही इस राशि में विराजमान रहेगा और 23 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में प्रवेश कर जाएगा। इसी राशि में शुक्र का गोचर 28 अक्टूबर को होगा।

आइए अब वैदिक ज्योतिष के अनुसार मुख्य पार्टियों भाजपा और कांग्रेस की कुंडलियों का अध्ययन करते हैं और डालते हैं ग्रहों के प्रभाव पर एक नजरः

भारतीय जनता पार्टी

(6–4–1980: 11:40:00: नई दिल्ली)

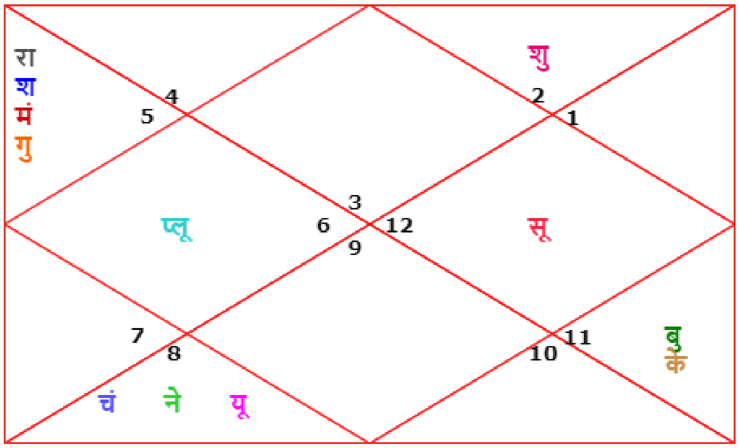

(बीजेपी की कुंडली)

मुख्य बिंदु

- बीजेपी की लग्न राशि मिथुन है और चंद्र राशि वृश्चिक है।
- मंगल, बृहस्पति और शनि तीनों मुख्य ग्रह वक्री हैं।
- कुंडली के तीसरे भाव में अर्थात सिंह राशि में राहु, मंगल, बृहस्पति और शनि की युति है।
- शनि की साढ़ेसाती अंतिम दौर में चल रही है।
- लग्नेश बुध और केतु की युति नवम भाव में है।

चुनाव के दौरान ग्रह दशा:

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान बीजेपी की कुंडली में:

- चंद्र–मंगल–चंद्र की दशा 9 अक्टूबर 2019 तक रहेगी।
- इसके बाद चंद्र–राहु – राहु की दशा शुरू होगी जो 1 जनवरी 2020 तक चलेगी।

चुनाव के दौरान ग्रहों का गोचर:

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान बीजेपी की कुंडली में:

- शनि जन्मकालीन चंद्र से दूसरे भाव में होगा।
- गुरु बृहस्पति जन्म कालीन चंद्र राशि में ही स्थित होंगे और दूसरे भाव की ओर अग्रसर होंगे।
- राहु जन्म कालीन चंद्रमा से अष्टम भाव में होगा।
- मंगल महाराज चंद्र राशि से ग्यारहवें भाव में विराजमान रहकर अपना प्रभाव देंगे।

विधान सभा चुनावों में बीजेपी का प्रदर्शन एवं स्थिति

जिस समय महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होंगे और उनकी गिनती होगी, उस समय बीजेपी की कुंडली में चंद्रमा की महादशा में राहु की अंतर्दशा चल रही होगी। चंद्रमा ज्येष्ठा नक्षत्र में है जो कि गंड मूल नक्षत्र है लेकिन लग्न का स्वामी बुध है जो नवम भाव में बैठकर राजयोग बना रहा है और चंद्रमा उसी चतुर्थ भाव और लग्न के स्वामी बुध के नक्षत्र में है। राहु मघा नक्षत्र में विराजमान हैं जो कि केतु का नक्षत्र है जो कि उन्हें नवम भाव में बैठकर राज योग बना रहा है। हालांकि राहु शनि मंगल और बृहस्पति के साथ बैठकर प्रभावित हो रहा है स्थिति में कहा जा सकता है कि यह चुनाव बीजेपी को सत्ता प्राप्ति में सफलता तो दिला सकते हैं और उनकी सहयोगी पार्टी शिवसेना जहां एक ओर खुले तौर पर उनका साथ देगी वहीं दूसरी ओर अपनी कुछ ऐसी माँगें भी रख सकती है जिसके लिए बीजेपी को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। चंद्र राशि से दूसरे भाव में गोचर कर रहा

शनि और चंद्र राशि में बैठे गुरु बृहस्पति महाराज ऐसी स्थितियां बना रहे हैं जो सत्ता में वापसी की ओर तो संकेत कर रही हैं लेकिन फिर भी कुछ स्थितियों में सावधान रहने की आवश्यकता होगी। ऐसी संभावना है कि भारतीय जनता पार्टी सहयोगी दलों के साथ मिलकर अपनी सरकार बना ले, लेकिन मतदान प्रतिशत में कमी हो सकती है तथा कुछ सीटें पहले के मुकाबले हाथ से निकल सकती हैं।

कांग्रेस

(02–01–1978: 11:59:00: नई दिल्ली)

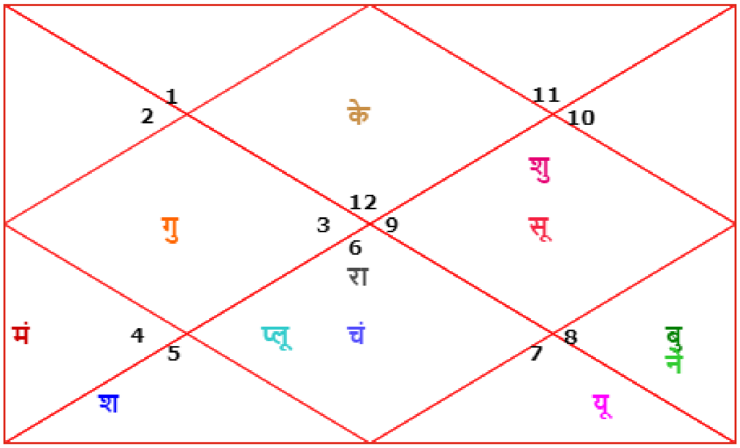

(कांग्रेस की कुंडली)

मुख्य बिंदु

- कांग्रेस की लग्न राशि मीन और चंद्र राशि कन्या है।
- शनि, बृहस्पति और मंगल तीनों मुख्य ग्रह वक्री हैं।
- शुक्र अस्त होकर दशम भाव में सूर्य के साथ धनु राशि में स्थित है।
- मंगल कर्क राशि (नीच) में पंचम भाव में है।
- राहु – चंद्र की युति सप्तम भाव में है।

चुनाव के दौरान ग्रह दशा

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान कांग्रेस की कुंडली में:

- बृहस्पति की महादशा में शनि की अंतर्दशा और शुक्र की प्रत्यंतर दशा चल रही होगी जो कि 1 जनवरी 2020 तक रहेगी।

चुनाव के दौरान ग्रहों का गोचर:

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान बीजेपी की कुंडली में:

- शनि का गोचर जन्मकालीन चंद्रमा से चतुर्थ भाव में होगा और यह गोचर जन्म कालीन सूर्य और शुक्र के ऊपर होगा।
- गुरु बृहस्पति का गोचर जन्म कालीन चंद्र राशि तीसरे भाव में होगा और चौथे भाव की और देव गुरु बृहस्पति आगे बढ़ रहे होंगे।
- राहु जन्म कालीन चंद्रमा से दशम भाव में होगा और जन्म कालीन बृहस्पति के ऊपर का।
- मंगल महाराज चंद्र राशि में ही भाव में विराजमान रहकर अपना प्रभाव देंगे।

विधान सभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन एवं स्थिति

महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी बृहस्पति की महादशा, शनि की अंतर्दशा और शुक्र की प्रत्यंतर दशा से गुज़र रही होगी। बृहस्पति कुंडली के लग्न और दशम भाव के स्वामी होकर चतुर्थ भाव में विराजमान हैं और दशम भाव को पूर्ण दृष्टि से देखते हैं। शनि देव की आरती और बारहवें भाव के स्वामी होकर छठे भाव में बैठे हैं तथा शुक्र महाराज तीसरे और आठवें भाव के स्वामी होकर दशम भाव में विराजमान हैं। देव गुरु बृहस्पति मंगल के नक्षत्र में है जो कि कुंडली में नवम भाव का स्वामी होकर पंचम भाव में नीच राशि में विराजमान है और शनि महाराज केतु के नक्षत्र में है जो कि लग्न में है तथा शुक्र देव

अवस्था में केतु के ही नक्षत्र में विराजमान हैं। शनि का गोचर जन्म राशि से चतुर्थ भाव में होने के कारण ऐसी संभावना बन रही है कि कांग्रेस अपनी जोड़–तोड़ की नीति का कुछ लाभ उठाने में अवश्य ही सफल हो सकती है, हालांकि सरकार बनाने में उनकी सफलता की संभावना कम ही दिखाई देती है। पार्टी को अंतर का सामना करना पड़ सकता है और अपने ही कुछ नेता पार्टी बदल कर दूसरी पार्टी में शामिल भी हो सकते हैं। जिस प्रकार कांग्रेस ने शरद पवार की एनसीपी से तालमेल बिठाने का प्रयास किया है उसे कुछेक स्थानों पर उन्हें लाभ हो सकता है लेकिन सत्ता प्राप्ति से दूरी रहने की संभावना अधिक दिखाई देती है।

क्या कहती है देवेंद्र फडणवीस की कुंडली?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और बीजेपी–शिव सेना के मुख्य दावेदार देवेंद्र फडणवीस के लिए विधानसभा चुनाव में कई चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। सीटों के बंटवारे के लिए शिवसेना से तालमेल बिठाना इनके लिए सबसे पहली चुनौती होगी।

(22–07–1970: 6:00: नागपुर)

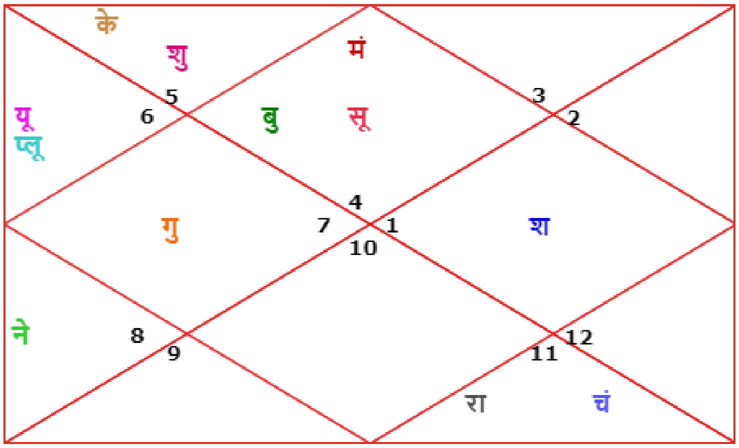

(देवेंद्र फडणवीस की कुंडली)

मुख्य बिंदु

- इनकी लग्न राशि कर्क और चंद्र राशि कुम्भ है।
- लग्न में मंगल अपनी नीच राशि में अस्त अवस्था में सूर्य और बुध के साथ बैठा है।
- शुक्र और केतु की युति द्वितीय भाव में है।
- देव गुरु बृहस्पति चतुर्थ राशि में विराजमान हैं।
- राहु और चंद्र की युति अष्टम भाव में है।
- शनि अपनी नीच राशि मेष में दशम भाव में मौजूद हैं।

चुनाव के दौरान ग्रह दशा

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान देवेंद्र फडणवीस की कुंडली में:

- अक्टूबर के महीने में बुध–बृहस्पति–राहु की अंतर्दशा चल रही होगी जो 12 अक्टूबर तक चलेगी।
- इसके बाद बुध–शनि–शनि ऐसा प्रारंभ होगी जो 15 मार्च 2020 तक प्रभावी रहेगी।

चुनाव के दौरान ग्रहों का गोचर:

विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2019 के दौरान बीजेपी की कुंडली में:

- शनि देव जन्मकालीन चंद्र से एकादश भाव में स्थित रहेंगे।
- गुरु बृहस्पति जन्म कालीन चंद्र राशि से दशम भाव में स्थित होंगे और एकादश भाव की ओर बढ़ेंगे।
- राहु जन्म कालीन चंद्रमा से पंचम भाव में होगा।
- मंगल महाराज चंद्र राशि से अष्टम भाव में विराजमान रहेंगे।

विधानसभा चुनावों के लिए कुंडली विश्लेषण:

श्री देवेंद्र फडणवीस की कुंडली में विधानसभा चुनावों के दौरान और जब चुनाव का परिणाम आएगा उस दौरान की महादशा में शनि की अंतर्दशा शनि की प्रत्यंतर दशा चल रही होगी। इनकी कुंडली में शनि सप्तम और अष्टम भाव का स्वामी होकर दशम भाव में विराजमान है तथा तृतीय और द्वादश भाव का स्वामी होकर लग्न में विराजमान है। जन्म कालीन चंद्र राशि कुंभ से शनि और बृहस्पति का

गोचर इन के पक्ष में स्थिति का निर्माण कर रहा है। इन्हें निजी तौर पर अनेक प्रयास करने होंगे और साथ ही साथ अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करना होगा। कुंडली में ग्रहों की दशा के आधार पर कहा जा सकता है कि आने वाली स्थितियां इनके पक्ष में रहेंगी और यह सत्ता बरकरार रख पाने में सफल हो सकते हैं। हालांकि सहयोगी दलों से कुछ समस्याएं बनी रहेंगी और आगामी समय में जब जनवरी में शनि का गोचर बदलेगा तो इन की साढ़ेसाती की दशा प्रारंभ होगी जो इनके लिए मानसिक तनाव के साथ–साथ विरोधियों को भी जन्म देगी जो संभवत: उनके सहयोगी दलों से संबंधित हो सकते हैं।

हरियाणा के वर्तमान मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की जन्म संबंधी पूरी जानकारी ना होने के कारण उनकी कुंडली पर चर्चा कर पाना संभव नहीं है लेकिन नाम के अनुसार सिंह राशि की कुंडली बनती है जिसमें पंचम भाव में शनि देव गोचर कर रहे हैं और चतुर्थ भाव में देव गुरु बृहस्पति। इससे ऐसा ज़रूर प्रतीत होता है कि काफी लोगों उन्हें मुख्यमंत्री के तौर पर नापसंद करते हों, लेकिन केंद्र में बीजेपी की सरकार होने का और निकट तो राज्य होने का लाभ ने अवश्य मिलेगा और वे सत्ता में वापस लौट सकते हैं।

निष्कर्ष: उपरोक्त व्यक्तियों और पार्टियों की कुंडलियों के अतिरिक्त अन्य कुछ पार्टियों जिनमें आम आदमी पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, तथा कुछ अन्य प्रमुख पार्टियों और दावेदारों पर ध्यान देते हुए यह निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि महाराष्ट्र और हरियाणा की सभी सत्तासीन भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष के एकजुट ना रहने का अधिक लाभ हो सकता है और वे सत्ता में वापसी कर सकते हैं लेकिन उन्हें कुछ सीटों का नुकसान होने की संभावना रहेगी तथा कुछ परंपरागत सीटें भी उनके हाथ से निकल सकती हैं। उनके वोट प्रतिशत में कमी आने की संभावना हो सकती है हालांकि हरियाणा में विशेष रूप से केंद्र की बीजेपी सरकार का प्रभाव चुनावों में देखने को मिलेगा और हाल ही में भारत की पाकिस्तान के प्रति नीतियों को ध्यान में रखते हुए भी यह कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में वापसी कर सकती है, लेकिन कुछ सीटों का नुकसान उठाना पड़ेगा। कुछ सीटों पर असामान्य रूप से सत्ताधारी पार्टी को हार का सामना करना पड़ सकता है। इसके विपरीत शरद पवार की मुश्किलें अभी और बढ़ सकती हैं तथा कांग्रेस को भी अपनी कमजोर रणनीति की वजह से कोई खास लाभ होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है।

AstroSage
World's No. 1 Astrology Portal & App
ज्योतिषी से प्रश्न पूछें
हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषी से लें परामर्श
के.पी. सिस्टम
लाल किताब
नाड़ी ज्योतिष
ताजिक ज्योतिष
अभी खरीदें >>
संपर्क करें
+91-7683076700,
0120-4208916
Email:- galaxy@astrosage.com
www.astrosage.com
स्पेशल कीमत:- ₹299/-
GEMINI
CANCER
TAURUS
LEO
VIRGO
LIBRA
SCORPIO

क्या आपकी कुंडली में है मांगलिक दोष, जानें कारण और निवारण

आपने अक्सर मांगलिक दोष या मंगल दोष के बारे में तो ज़रूर सुना होगा। इस दोष को लेकर अमूमन लोगों के मन में बहुत सी भ्रांतियाँ हैं। आज इस लेख के ज़रिये हम आपको मंगल दोष के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। इस दोष के होने पर खासतौर से विवाह के समय बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंगल दोष को दूर करने के लिए वैसे तो लोग बहुत से उपाय करते हैं लेकिन समझने वाली बात ये है की उसका प्रभाव किस प्रकार से पड़ता है। आईये विस्तार से जानते हैं इस दोष के बारे में और इसे दूर करने के सरल उपायों के बारे में।

क्या है मांगलिक दोष

मांगलिक दोष के उपायों के बारे में जानने से पहले ये जानना बेहद आवश्यक है की आखिर मांगलिक दोष होता क्या है। ज्योतिषीय आधार पर कहें तो जब किसी व्यक्ति की कुंडली के लग्न भाव यानि की पहला भाव, चौथा भाव, सातवाँ भाव, आठवां भाव और बारहवें भाव में मंगल ग्रह उपस्थित हो तो, उस व्यक्ति को मांगलिक माना जाता है यानि की उसकी कुंडली में मंगल दोष होता है। इस दोष को विशेष रूप से शादी के लिए ख़ासा हानिकारक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष का किसी व्यक्ति की कुंडली में होना उसके वैवाहिक जीवन में मुसीबतें पैदा कर सकता है। विवाह के बाद जीवन में आने वाली मुसीबतों से बचने के लिए इस दोष का बेहतर उपाय ज़रूर कर लेना चाहिए।

इस प्रकार से लगाएँ मंगल दोष का पता

हमारे समाज में मंगल दोष को लेकर लोगों के मन में विभिन्न प्रकार की भ्रांतियाँ हैं। अधिकाँश लोग ऐसा भी मानते हैं की जिनका जन्म मंगलवार के दिन होता है वो विशेष रूप से मांगलिक ही होते हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि ये महज एक मिथक है, जरूरी नहीं की मंगलवार के दिन पैदा होने वाले सभी लोग मांगलिक ही हों। विवाह के वक़्त लड़के लड़की की कुंडली मिलान के वक़्त इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाता है की, दोनों में से किसी की कुंडली में मंगल दोष तो नहीं है। होने वाले वर या वधु में से यदि किसी की कुंडली में भी मंगल दोष पाया जाता है तो उसे वैवाहिक जीवन के लिए नुकसानदेह माना जाता है। इस दोष को लेकर लोगों में ये भ्रम है कि यदि कुंडली में ये दोष हो तो विवाह के बाद शादीशुदा जोड़े को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन वास्तविकता की बात करें तो शादी के बाद जीवन में आने वाली मुसीबतों के लिए केवल मंगल दोष ही एक मात्र कारण नहीं है। आईये ज्योतिषीय आधार पर जानते हैं की

कुंडली में मंगल दोष का होना कब आपके लिए मुसीबत का कारण बन सकता है।

- अब यदि किसी व्यक्ति की कुंडली के सातवें भाव में मंगल स्थित हो तो इसका प्रभाव उस व्यक्ति की आजीविका के साधनों और दांपत्य जीवन पर परस्पर रूप से पड़ता है।
- यदि व्यक्ति के आठवें भाव में मंगल की स्थिति हो तो, ऐसी स्थिति में विवाह के बाद पति पत्नी में से किसी एक की मृत्यु भी हो सकती है।
- यदि व्यक्ति की कुंडली के बारहवें भाव में मंगल स्थित हो तो, ऐसे में मंगल का बुरा प्रभाव व्यक्ति के दांपत्य जीवन के साथ ही साथ उसके आर्थिक जीवन पर भी पड़ता है।

मंगल दोष किसी की कुंडली में होना चिंता का विषय तब बन जाता है जब मंगल ग्रह की उपस्थिति व्यक्ति की कुंडली के आठवें भाव में हो। इस भाव में मंगल ग्रह का होना मांगलिक दोष को विशेष रूप से सशक्त बना देता है क्योंकि इसके प्रभाव से विवाह के बाद शादीशुदा जोड़े में से किसी एक की मृत्यु भी हो सकती है।

इस प्रकार से करें मांगलिक दोष का निवारण

- मंगल दोष के प्रभाव को कम करने के लिए प्रतिदिन गणेश जी को लाल फूल चढ़ाते हुए "ॐ गं गणपतये नमः" मंत्र का 108 बार जाप करें और प्रसाद के रूप में गुड़ चढ़ाएं।
- यदि आप शारीरिक तौर पर स्वस्थ्य हों तो मंगल दोष के निवारण के लिए कम से कम चार महीने में एक बार रक्तदान ज़रूर करें। ध्यान रखें की जिस दिन आप रक्तदान कर रहे हों वो दिन मंगलवार का ही हो।
- मंगल दोष निवारण के लिए और मंगल ग्रह की शान्ति के लिए मंगल यंत्र की स्थापना करना भी लाभकारी साबित हो सकता है।
- मांगलिक दोष से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से मंगल चंडिका श्रोत का पाठ करें।
- रोज़ाना नियमित रूप से हनुमान चालीसा का जाप करें और चिड़ियों को दाना डालें।
- इस दोष से मुक्ति के लिए मंगलवार के दिन व्रत रखें और खाने में केवल दूध और केले का ही सेवन करें।
- ज्योतिष शास्त्र की मानें तो 28 वर्ष की उम्र के बाद मंगल दोष का निवारण स्वयं हो जाता है।
- मांगलिक दोष को दूर करने के लिए नियमित रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी किया जा सकता है।

मांगलिक दोष से जुड़े कुछ मिथक इस प्रकार हैं

- मंगलवार के दिन पैदा होने वाला हर व्यक्ति मांगलिक नहीं होता। बहुत से लोगों के मन में इस बात को लेकर भ्रम है की जिन लोगों का जन्म मंगलवार के दिन होता है वो विशेष रूप मांगलिक होते ही हैं।
- मांगलिक दोष के निवारण के लिए पेड़ से शादी करवाना लाभदायक होता है। हमारे समाज में मंगल दोष के निवारण के लिए लोग पेड़ से शादी करवाना लाभकारी मानते हैं। लेकिन असल में ये नियम उन लोगों के लिए ही लाभकारी होता है जिनकी फिर से शादी होती है और पहली शादी में मंगल दोष के दुष्परिणाम मिलते हैं।

- मांगलिक व्यक्ति की शादी अमांगलिक से नहीं हो सकती। जिस व्यक्ति में मांगलिक दोष विद्यमान होते हैं उसके लिए विशेष रूप से मांगलिक जीवनसाथी की ही तलाश की जाती है। हालाँकि इसका मतलब ये बिलकुल भी नहीं है की उनकी शादी अमांगलिक से नहीं हो सकती।

विवाह से पूर्व मंगल दोष निवारण के लिए करें ये उपाय

जैसा की आप सभी जानते हैं की मंगल दोष का सीधा संबंध व्यक्ति के वैवाहिक जीवन से है, लिहाजा मंगल दोष का निवारण विवाह से पहले कर लेना चाहिए। मांगलिक लड़के लड़कियों के लिए शादी से पहले मांगलिक दोष को लेकर बहुत से विचार लोगों के मन मस्तिष्क में आते हैं जिनमें से कुछ सच भी होते और कुछ झूठ भी। आज हम आपको शादी से पहले मंगल दोष निवारण के लिए कुछ विशेष उपाय बताने जा रहे हैं जिसे आज़मा कर मंगल दोष से निजात पाया जा सकता है।

मांगलिक लड़कियों के लिए विवाह से पहले निम्नलिखित उपाय किया जाना चाहिए :

- शादी से पहले यदि मांगलिक लड़की का विवाह पीपल के पेड़ से करवाया जाए तो ऐसा माना जाता है की इससे मंगल दोष का निवारण होता है। इस तरह के विवाह को शास्त्रों में अश्वत्थ विवाह भी कहा जाता है। मंगल दोष को दूर करने के लिए पीपल या बरगद के पेड़ से विवाह करवाकर उस पेड़ को कटवा दिया जाता है।
- अक्सर ऐसा भी देखा जाता है की मंगल दोष को दूर करने के लिए लोग विशेष रूप से लड़की की शादी केले, तुलसी या अन्य पेड़ से भी करवा देते हैं। लेकिन ये हमारे शास्त्र में वर्णित नियमों के खिलाफ है। इस दोष के निवारण के लिए केवल पीपल या फिर बरगद के पेड़ का ही प्रयोग किया जाता है।
- इस दोष को दूर करने के लिए शादी से पहले लड़की का विवाह भगवान विष्णु की सोने की प्रतिमा से करवाई जाती है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार इस विवाह के लिए विष्णु जी की स्वर्ण प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि विधान के साथ संकल्प लेते हुए विवाह प्रक्रिया संपन्न करवाई जाती है।
- मंगल दोष निवारण के लिए विष्णु विवाह को एक और तरीके से संपन्न किया जाता है, जिसमें भगवान विष्णु की प्रतिमा को किसी कलश या कुंभ में स्थापित किया जाता है। इस प्रकार के विवाह को कुंभ विवाह भी कहा जाता है।

मांगलिक लड़कों के लिए विवाह से पहले निम्नलिखित उपाय किया जाना चाहिए :

मांगलिक लड़कों के मंगल दोष दूर करने के लिए शादी से पहले उनका विवाह अर्क के पौधे से करवाया जाता है। अर्क विवाह शनिवार, रविवार और हस्त नक्षत्र में करवाया जाना बेहद प्रभावशाली माना जाता है।

Know when your
Destiny will shine!
Brihat
Horoscope
Buy Now >
Brihat Horoscope
The most comprehensive, elegant, and accurate Kundli
AstroSage
World's No. 1 Astrology Portal & App
Price @Just ₹ 999/-

दुर्गा अष्टमी, जानें इस दिन का महत्व

हिंदू धर्म को मानने वाले लोग दुर्गा अष्टमी के दिन मॉ दुर्गा के महागौरी स्वरुप की पूजा करते हैं। साल 2019 में शारदीय नवरात्रि 29 सितंबर से शुरु होंगी और 6 अक्टूबर को महाअष्टमी यानि दुर्गाअष्टमी का त्योहार मनाया जाएगा। आपको बता दें कि नवरात्रि के दौरान मॉ दूर्गा के 9 रुपों की पूजा की जाती है। नवरात्र के पावन मौके पर भक्तों द्वारा मॉ दुर्गा की श्रद्धा तथा भक्ति के साथ पूजा की जाती है। मुख्य रुप से नवरात्रि का त्यौहार साल में दो बार मनाया जाता है हालांकि इनके अलावा गुप्त नवरात्रि भी साल में दो बार आती हैं तो कुल मिलाकर देखा जाए तो एक साल में चार बार नवरात्रि का त्यौहार आता है। । भक्तों द्वारा नवरात्रि के दौरान हर दिन यदि दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाए तो इससे मनावांछित फलों की प्राप्ति होती है।

दुर्गा अष्टमी का महत्व

मॉ दुर्गा अपने हर भक्त की मनोकामनाएं पूरी करती हैं और इसीलिये भक्तों द्वारा नवरात्रि के दौरान माता के हर रुप श्रद्धापूर्वक पूजा जाता है। वहीं दुर्गाअष्टमी के दिन भक्तों द्वारा यदि पूरे विधि विधान हवन किया जाए तो ऐसा माना जाता है कि उनके सारे पाप धुल जाते हैं। इस दिन माता की पूजा करने के बाद ब्राह्मणों और कन्याओं की पूजा की जानी चाहिये। कन्याओं को भोजन कराने और उनकी सेवा करने से मॉ दूर्गा प्रसन्न होती हैं।

साल 2019 में नवरात्रि की तारीख

नवरात्र का पहला दिन 29 सितंबर 2019	शैलपुत्री
नवरात्र का दूसरा दिन 30 सितंबर 2019	ब्रह्मचारिणी
नवरात्र का तीसरा दिन 01 अक्टूबर 2019	चंद्रघंटा
नवरात्र का चौथा दिन 02 अक्टूबर 2019	कूष्माण्डा
नवरात्र का पांचवां दिन 03 अक्टूबर 2019	स्कंदमाता
नवरात्र का छठा दिन 04 अक्टूबर 2019	कात्यायनी
नवरात्र का सातवां दिन 05 अक्टूबर 2019	कालरात्रि
नवरात्र का आठवां दिन 06 अक्टूबर 2019	महागौरी, दुर्गा अष्टमी
नवरात्र का नवां दिन 07 अक्टूबर 2019	सिद्धिदात्री

दुर्गा अष्टमी अक्टूबर 2019 का समय

अक्टूबर 5, 2019	09:53:11 से अष्टमी आरंभ
अक्टूबर 6, 2019	10:56:51 पर अष्टमी समाप्त

दुर्गा अष्टमी व्रत विधि

इस दिन व्रत रखने वालों को सुबह जल्दी उठकर स्नान–ध्यान करना चाहिये और घर में गंगाजल का छिड़काव करना चाहिये।

स्नान आदि के बाद माॅ महागौरी की पूजा करनी चाहिये।

व्रत के दिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिये और इसके साथ ही धार्मिक पुस्तकों का भी अध्ययन करना चाहिये।

इस दिन विवाहित महिलाओं द्वारा सुहाग की रक्षा के लिये भी व्रत रखा जाता है।

महागौरी को प्रसन्न करने के लिये इस दिन कन्याओं को भोजन करवाया जाना चाहिये।

कन्याओं को भोजन कराने से पहले उनके पैर धुलाएं फिर उन्हें भोजन कराने के बाद उन्हें कुमकुम का तिलक लगाएं और प्रसाद देने के बाद उन्हे दक्षिणा देकर विदा करें।

दुर्गा अष्टमी के दिन करें कुमारी पूजा

माॅ दूर्गा को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिये महाष्टमी या दुर्गा अष्टमी के दिन छोटी बच्चियों का श्रृंगार करके उनकी पूजा माँ दूर्गा की तरह की जाती है। हालांकि भारत के कई हिस्सों में नौ दिनों तक कुमारी पूजा का विधान है। इस अवसर पर व्रतधारियों द्वारा बालिकाओं को अपने घर बुलाया जाता है।

कुमारी पूजा में जो भी कन्याएँ शामिल होती हैं उनकी आयु 10 वर्ष से कम होती है। भारत में कुमारी पूजा को कहीं–कहीं कुमारिका पूजा भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि कन्याओं में माता के नीचे दिये रुप विराजमान होते हैं।

1. कुमारिका
2. त्रिमूर्ति
3. कल्याणी
4. रोहिणी
5. काली
6. चंडिका
7. शांभवी
8. दुर्गा
9. भद्रा या सुभद्रा

संधि पूजा

संधि काल अष्टमी तिथि के समाप्त होने के अंतिम 24 मिनट और नवमी तिथि शुरु होने के शुरुआती 24 मिनटों को कहा जाता है। इस काल में संधि पूजा की जाती है और यह पूजा अष्टमी और नवमी दोनों दिन चलती है। ऐसा माना जाता है कि संधि काल में दुर्गा पूजा करना अत्यंत शुभ होता है।

दशहरा 2019 मुहूर्त और पूजा विधि

8
अक्टूबर, 2019 (मंगलवार)
दशहरा

दशहरा पर्व अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपराह्न काल में मनाया जाता है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। इसी दिन पुरूषोत्तम भगवान राम ने रावण का वध किया था। कुछ स्थानों पर यह त्यौहार विजयादशमी,के रूप में जाना जाता है। पौराणिक मान्यतानुसार यह उत्सव माता विजया के जीवन से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा कुछ लोग इस त्योहार को आयुध पूजा (शस्त्र पूजा) के रूप में मनाते हैं।

दशहरा मुहूर्त

- **दशहरा पर्व** अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपराह्न काल में मनाया जाता है। इस काल की अवधि सूर्योदय के बाद दसवें मुहूर्त से लेकर बारहवें मुहूर्त तक की होती।
- यदि दशमी दो दिन हो और केवल दूसरे ही दिन अपराह्नकाल को व्याप्त करे तो विजयादशमी दूसरे दिन मनाई जाएगी।
- यदि दशमी दो दिन के अपराह्न काल में हो तो **दशहरा त्यौहार** पहले दिन मनाया जाएगा।
- यदि दशमी दोनों दिन पड़ रही है, परंतु अपराह्न काल में नहीं, उस समय में भी यह पर्व पहले दिन ही मनाया जाएगा।

श्रवण नक्षत्र भी दशहरा के मुहूर्त को प्रभावित करता है जिसके तथ्य नीचे दिए जा रहे हैं:

- यदि दशमी तिथि दो दिन पड़ती है (चाहे अपराह्ण काल में हो या ना) लेकिन श्रवण नक्षत्र पहले दिन के अपराह्न काल में पड़े तो **विजयदशमी** का त्यौहार प्रथम दिन में मनाया जाएगा।
- यदि दशमी तिथि दो दिन पड़ती है (चाहे अपराह्न काल में हो या ना) लेकिन श्रवण नक्षत्र दूसरे दिन के अपराह्न काल में पड़े तो विजयादशमी का त्यौहार दूसरे दिन मनाया जाएगा।
- यदि दशमी तिथि दोनों दिन पड़े, लेकिन अपराह्ण काल केवल पहले दिन हो तो उस स्थिति में दूसरे दिन दशमी तिथि पहले तीन मुहूर्त तक विद्यमान रहेगी और श्रवण नक्षत्र दूसरे दिन के अपराह्न काल में व्याप्त होगा तो दशहरा पर्व दूसरे दिन मनाया जाएगा।
- यदि दशमी तिथि पहले दिन के अपराह्न काल में हो और दूसरे दिन तीन मुहूर्त से कम हो तो उस स्थिति में विजयादशी त्यौहार पहले दिन ही मनाया जाएगा। इसमें फिर श्रवण नक्षत्र की किसी भी परिस्थिति को ख़ारिज कर दिया जाएगा।

दशहरा पूजा एवं महोत्सव

अपराजिता पूजा अपराह्न काल में की जाती है। इस पूजा की विधि नीचे दी जा रही है:

- घर से पूर्वोत्तर की दिशा में कोई पवित्र और शुभ स्थान को चिन्हित करें। यह स्थान किसी मंदिर, गार्डन आदि के आस–पास भी हो सकता है। अच्छा होगा यदि घर के सभी सदस्य पूजा में शामिल हों, हालाँकि यह पूजा व्यक्तिगत भी हो सकती है।
- उस स्थान को स्वच्छ करें और चंदन के लेप के साथ अष्टदल चक्र (आठ कमल की पंखुडियाँ) बनाएँ।

- अब यह संकल्प लें कि देवी अपराजिता की यह पूजा आप अपने या फिर परिवार के खुशहाल जीवन के लिए कर रहे हैं।
- उसके बाद अष्टदल चक्र के मध्य में **अपराजिताय नमः** मंत्र के साथ माँ देवी अपराजिता का आह्वान करें।
- अब माँ जया को दायीं ओर **क्रियाशक्त्यै नमः** मंत्र के साथ आह्वान करे।
- बायीं ओर माँ विजया का **उमायै नमः** मंत्र के साथ आह्वान करें।
- इसके उपरांत अपराजिताय नमः, जयायै नमः, और **विजयायै नमः** मन्त्रों के साथ शोडषोपचार पूजा करें।
- अब प्रार्थना करें, हे देवी माँ! मैनें यह पूजा अपनी क्षमता के अनुसार संपूर्ण की है। कृपया जाने से पूर्व मेरी यह पूजा स्वीकार करें।
- पूजा संपन्न होने के बाद प्रणाम करें।
- **हारेण तु विचित्रेण भास्वत्कनकमेखला। अपराजिता भद्ररता करोतु विजयं मम।** मंत्र के साथ पूजा का विसर्जन करें।

अपराजिता पूजा को विजयादशमी का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है, हालाँकि इस दिन अन्य पूजाओं का भी प्रावधान है जो नीचे दी जा रही हैं:

- जब सूर्यास्त होता है और आसमान में कुछ तारे दिखने लगते हैं तो यह अवधि विजय मुहूर्त कहलाती है। इस समय कोई भी पूजा या कार्य करने से अच्छा परिणाम प्राप्त होता है। कहते हैं कि भगवान श्रीराम ने दुष्ट रावण को हराने के लिए युद्ध का प्रारंभ इसी मुहुर्त में किया था। इसी समय शमी नामक पेड़ ने अर्जुन के गाण्डीव नामक धनुष का रूप लिया था।
- दशहरे का दिन साल के सबसे पवित्र दिनों में से एक माना जाता है। यह साढ़े तीन मुहूर्त में से एक है (साल का सबसे शुभ मुहूर्त – चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, अश्विन शुक्ल दशमी, वैशाख शुक्ल तृतीया, एवं कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा (आधा मुहूर्त))। यह अवधि किसी भी चीज़ की शुरूआत करने के लिए उत्तम है। हालाँकि कुछ निश्चित मुहूर्त किसी विशेष पूजा के लिए भी हो सकते हैं।
- क्षत्रिय, योद्धा एवं सैनिक इस दिन अपने शस्त्रों की पूजा करते हैं; यह पूजा आयुध/शस्त्र पूजा के रूप में भी जानी जाती है। वे इस दिन शमी पूजन भी करते हैं। पुरातन काल में राजशाही के लिए क्षत्रियों के लिए यह पूजा मुख्य मानी जाती थी।
- ब्राह्मण इस दिन माँ सरस्वती की पूजा करते हैं।
- वैश्य अपने बहीखाते की आराधना करते हैं।
- कई जगहों पर होने वाली नवरात्रि रामलीला का समापन भी आज के दिन होता है।
- रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ का पुतला जलाकर भगवान राम की जीत का जश्न मनाया जाता है।
- ऐसा विश्वास है कि माँ भगवती जगदम्बा का अपराजिता स्त्रोत करना बड़ा ही पवित्र माना जाता है।
- बंगाल में माँ दुर्गा पूजा का त्यौहार भव्य रूप में मनाया जाता है।

दशहरा की कथा

- पौराणिक मान्यता के अनुसार इस त्यौहार का नाम दशहरा इसलिए पड़ा क्योंकि इस दिन भगवान पुरूषोत्तम राम ने दस सिर वाले आतातायी रावण का वध किया था। तभी से दस सिरों वाले रावण के पुतले को हर साल दशहरा के दिन इस प्रतीक के रूप में जलाया जाता है ताकि हम अपने अंदर के क्रोध, लालच, भ्रम, नशा, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अमानवीयता एवं अहंकार को नष्ट करें।

दशहरा पर्व

- महाभारत की कथा के अनुसार दुर्योधन ने जुए में पांडवों को हरा दिया था। शर्त के अनुसार पांडवों को 12 वर्षों तक निर्वासित रहना पड़ा, जबकि एक साल के लिए उन्हें अज्ञातवास में भी रहना पड़ा। अज्ञातवास के दौरान उन्हें हर किसी से छिपकर रहना था और यदि कोई उन्हें पा लेता तो उन्हें दोबारा 12 वर्षों का निर्वासन का दंश झेलना पड़ता। इस कारण अर्जुन ने उस एक सालके लिए अपनी गांडीव धनुष को शमी नामक वृक्ष पर छिपा दिया था और राजा विराट के लिए एक बृहन्नला का छद्म रूप धारण कर कार्य करने लगे। एक बार जब उस राजा के पुत्र ने अर्जुन से अपनी गाय की रक्षा के लिए मदद मांगी तो अर्जुन ने शमी वृक्ष से अपने धनुष को वापिस निकालकर दुश्मनों को हराया था।

- एक अन्य कथानुसार जब भगवान श्रीराम ने लंका की चढ़ाई के लिए अपनी यात्रा का श्रीगणेश किया तो शमी वृक्ष ने उनके विजयी होने की घोषणा की थी।

- यदि आप इस त्यौहार का असल में स्वाद चखना चाहते हैं तो मैसूर जाएँ। मैसूर दशहरा पर्व बहुत ही बृहद रूप में मनाया जाता है जो कि बहुत प्रसिद्ध है। दशहरा त्यौहार से लोग दिवाली उत्सव के लिए अपनी तैयारियाँ शुरु कर देते हैं।

दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई!

विजयदशमी मुहूर्त New Delhi, India के लिए

विजय मुहूर्त :14:05:40 **से** 14:52:29 **तक**

अवधि :0 **घंटे** 46 **मिनट**

अपराह्न मुहूर्त :13:18:52 **से** 15:39:18 **तक**

शरद पूर्णिमा

13
अक्टूबर, 2019 (रविवार)
अश्विन पूर्णिमा

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। यह रास पूर्णिमा के नाम से भी जानी जाती है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार पूरे वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा सोलह कलाओं का होता है और इससे निकलने वाली किरणें अमृत समान मानी जाती है। उत्तर और मध्य भारत में शरद पूर्णिमा की रात्रि को दूध की खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखी जाती है। मान्यता है कि चंद्रमा की किरणें खीर में पड़ने से यह कई गुना गुणकारी और लाभकारी हो जाती है। इसे कोजागर व्रत माना गया है, साथ ही इसको कौमुदी व्रत भी कहते हैं।

आश्विन पूर्णिमा व्रत और पूजा विधि

शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में विशेष सेवा–पूजा का आयोजन किया जाता है। इस दिन होने वाले धार्मिक कर्म इस प्रकार हैं–

- प्रातःकाल उठकर व्रत का संकल्प लें और पवित्र नदी, जलाशय या कुंड में स्नान करें।
- आराध्य देव को सुंदर वस्त्र, आभूषण पहनाएँ। आवाहन, आसन, आचमन, वस्त्र, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, तांबूल, सुपारी और दक्षिणा आदि अर्पित कर पूजन करें।
- रात्रि के समय गाय के दूध से बनी खीर में घी और चीनी मिलाकर आधी रात के समय भगवान भोग लगाएँ।
- रात्रि में चंद्रमा के आकाश के मध्य में स्थित होने पर चंद्र देव का पूजन करें तथा खीर का नेवैद्य अर्पण करें।
- रात को खीर से भरा बर्तन चांदनी में रखकर दूसरे दिन उसका भोजन करें और सबको प्रसाद के रूप में वितरित करें।
- पूर्णिमा का व्रत करके कथा सुननी चाहिए। कथा से पूर्व एक लोटे में जल और गिलास में गेहूं, पत्ते के दोने में रोली व चावल रखकर कलश की वंदना करें और दक्षिणा चढ़ाएँ।

- इस दिन भगवान शिव–पार्वती और भगवान कार्तिकेय की भी पूजा होती है।

अश्विन पूर्णिमा व्रत मुहूर्त
New Delhi, India के लिए

अक्टूबर 13, 2019 **को** 00:38:45
से पूर्णिमा आरम्भ

अक्टूबर 14, 2019 **को** 02:39:58
पर पूर्णिमा समाप्त

शरद पूर्णिमा का महत्व

शरद पूर्णिमा से ही स्नान और व्रत प्रारंभ हो जाते हैं। माताएँ अपनी संतान की मंगल कामना के लिए देवी–देवताओं का पूजन करती हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के बेहद करीब आ जाता है। शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस समय में आकाश में न तो बादल होते हैं और नहीं धूल के गुबार। शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्र किरणों का शरीर पर पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है।

फेस रीडिंग– चेहरा देखकर व्यक्ति का स्वभाव जानने की कला

दीप्ति जैन

चेहरा व्यक्ति के व्यक्तित्व का आईना होता है। ईश्वर ने हर व्यक्ति को अलग–अलग रूप रंग से संजोया है। ईश्वर की कला का तो कोई तोड़ ही नहीं है। इतने लोग और सब के भिन्न–भिन्न चेहरे।

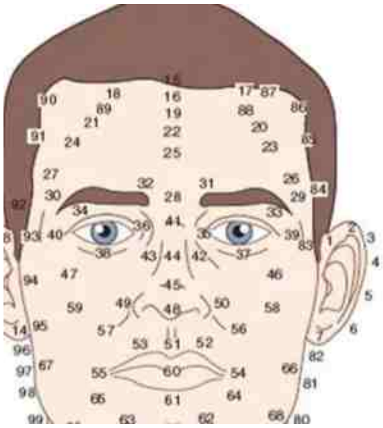

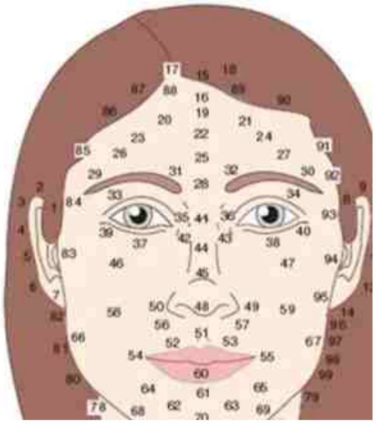

क्या आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति के चेहरे को देखकर आप उसके स्वभाव के विषय में जान सकते हैं? जी, हाँ जिस प्रकार हाथ देखना एक कला है उसी प्रकार चेहरा पढ़ना भी एक तरह की कला ही है। बस इसमें व्यक्ति के हाथ की जगह उसका चेहरा पढ़ा जाता है। चेहरा पढ़ने की इस कला को "फेस रीडिंग" कहते हैं।

आजकल प्रायः व्यापार संबंध ऑफिस टेबल में होने के बजाए गोल्फ कोर्स या क्लबों में हो रहे हैं। व्यक्ति एक दूसरे से मिलता है और बड़ी से बड़ी योजनाएं वहीं बन जाती हैं। अगर हम सामने वाले का चेहरा पढ़ना जान जाए, तो सामने वाले की रुचि अनुसार अपनी बातों को सही ढंग से पेश कर सकते हैं। किस व्यक्ति से कहां मिलना है, यह सामने वाले की रूचि और अरुचि अनुसार करें तो हमें उत्तम परिणाम मिलेंगे। फेस रीडिंग एक ऐसी कला है जो आज के समय में हर व्यक्ति को आनी चाहिए। चाहे वह व्यापारी हो या सामाजिक या फिर घर गृहस्थी वाला।

ज़रा सोचिये कि जब एक सेल्समैन ग्राहक के चेहरे को पढ़कर उसकी रुचि व आवश्यकता अनुसार वस्तु पेश करेगा तो इसे दोनों के समय व ऊर्जा की बचत होगी। एक अग्नि तत्व वाले व्यक्ति को महंगी से महंगी चीज भाती है। इसके विपरीत पृथ्वी तत्व वाला व्यक्ति कम दाम मे टिकाऊ वस्तु का चयन करता है।

यदि कोई पिता अपनी बेटी के रिश्ते के लिए जाये और उसे लड़के का चेहरा पढ़ना आ जाए तो अपनी बेटी के लिए सही जीवनसाथी की तलाश आसान हो जाएगी। वह जान पाएगा कि सामने वाला व्यक्ति उसकी पुत्री के लिए उचित है या नहीं। आकाश तत्व वाले व्यक्ति सामाजिक दायित्व को सर्वोपरि रखते हैं। उनके लिए स्वार्थ से बढ़कर परमार्थ सर्वोपरि है। ऐसे में अगर जल तत्व वाली लड़की उसके जीवन में आ जाए तो जीवन कलह से भर जाएगा। जल तत्व वाला व्यक्ति प्रेम का भूखा होता है। उसे हर समय प्रेम व अवधान की आवश्यकता रहती है, जो ना मिलने पर वह अवसाद का शिकार हो जाता है।

जैसे प्रकृति पांच तत्वों से निर्मित होती है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य पंचतत्वो से बना होता है। हर व्यक्ति में यह पंच तत्व अलग–अलग अनुपात में मौजूद होते हैं। किसी व्यक्ति के चेहरे को देख हम जान सकते हैं कि उसके व्यक्तित्व मे कौन सा तत्व मौजूद है। इसे जानने के बाद हमारी राह आसान हो जाती है। उसके गुण व अवगुण, रुचि व अरुचि का लगभग आंकलन करना संभव हो जाता है।

विभिन्न तत्वों के अनुसार व्यक्ति का व्यवहार

- पृथ्वी तत्व– पृथ्वी तत्व वाला व्यक्ति सहनशील, धैर्यवान, पारिवारिक व परंपराओं से बंधा होता है। वह बचत करने में व योजना बनाकर कार्य करने में विश्वास रखता है।

- **अग्नि तत्व**– अग्नि तत्व वाला व्यक्ति महंगी चीजों से जल्दी प्रभावित हो जाता है। उसे भव्यता, तेज़ रफ्तार, उच्च जीवन स्तर की लालसा रहती है। प्रायः ऐसे व्यक्ति क्रोधी होते हैं। ऐसे व्यक्तियों में नेतृत्व करने की शक्ति भरपूर मात्रा में होती है।
- **वायु तत्व**– वायु तत्व वाले व्यक्ति को विविधता अति प्रिय होती है। वह नयापन, विकास व विस्तार के लिए जगह–जगह जाता है। टिक कर बैठना उसे नापसंद होता है। अच्छे पत्रकार, नेता व सेल्समैन वायु तत्व से भरपूर होते हैं।
- **जल तत्व**– जल तत्व वाले व्यक्ति सौंदर्य प्रिय, भावुक, खुशदिल व मन के मालिक होते हैं। उन्हें बड़ी ही आसानी से प्रेम द्वारा प्रभावित किया जा सकता है। धोखा पाने पर वह जल्द ही अवसाद का शिकार हो जाते हैं।
- **आकाश तत्व**– आकाश तत्व वाला व्यक्ति प्रबल विचार शक्ति का मालिक होता है। अध्यात्म, दर्शन शास्त्र व समाज सेवा में उसकी अधिक रुचि होती है। पारिवारिक दायित्व में उलझना उन्हें नापसंद होता है। भौतिकता से उसका लगाव शून्य व सामाजिक सोच उच्च बिंदु तक होती है।

तो कुल मिलाकर अगर देखा जाये तो फेस रीडिंग एक ऐसी कला है जो हमें सच्चे मित्र की भांति जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिला सकती है। इस कला के अनुसार बस देखने मात्र से ही हम किसी भी व्यक्ति के पूरे व्यक्तित्व का आंकलन कर सकते हैं।

फेस रीडिंग विषय को और बारीकी से समझने के लिए चलिए हम बात करते हैं जाने माने बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की।

अगर इस अभिनेता को हम बारीकी से देखें तो उनके चेहरे का आकार अग्नि तत्व का है। ऐसा व्यक्ति राजसी प्रकृति का होता है। खुली जगह, पहाड़, ऊंचाई, रफ्तार व भव्यता ऐसे व्यक्ति को अधिक भाती है। महंगा जीवन स्तर व नेतृत्व शक्ति जैसे गुण इनमें जन्म काल से ही मौजूद होते हैं। ऐसे व्यक्ति को प्रायः क्रोध जल्द आ जाता है। किंतु **रणबीर कपूर** का चौड़ा माथा उन्हें अपनी पुरानी परंपराओं से जोड़े रखता है। वह पुरानी बातों को याद रख नई सोच को विविधता के साथ प्रस्तुत करते हैं।

उनके बालों से उनका उत्साही, मेहनती, आशावादी, संतुलित व विवेकी व्यक्तित्व दिखता है। रणबीर कपूर के कमल नयन में शांति, स्वपन, रहस्य व जानने की उत्सुकता छिपी है। वह दूसरों की तारीफ करना भी अच्छे से जानते हैं। उनकी घनी भवे उनके स्वभाव में दृढ़ता व विविधता दर्शाती है। वह जो काम प्रारंभ करते उसे पूरी दृढ़ता से पूर्ण करते हैं। उनकी लंबी नाक उनके एक अच्छे मैनेजर होने की ओर संकेत करती है। वह दूसरों का मान रखने के साथ–साथ स्वमान की भी इच्छा रखते हैं। वह कहने से ज्यादा करने में विश्वास रखते हैं। उनके पूरे जीवन में उनको परिवार का सहयोग अवश्य ही मिलेगा, उनके नाक की चौड़ाई यह दर्शाती है।

रणबीर कपूर के पतले होठ उन्हें मित व्ययी, मीठा व्यवहार, बुद्धिमत्ता व सही अवसर का सही लाभ उठाना दर्शाते हैं। उनके गुलाबी होंठ उनका संतुलित विनम्र व उच्च स्वास्थ्य का प्रतिनिधित्व करता है। रणबीर के कान का आकार बड़ा

गुण हैं। रणबीर कपूर की कान की लौ काफी बड़ी है जो कि उनके उदार स्वभाव, सेवाभाव व बुद्धिमत्ता को दर्शाती है।

उनके दांत संतुलित हैं जो कि उनके शांत स्वभाव को दर्शाते हैं। किसी से उलझना उन्हें कदापि पसंद नहीं। उनके लंबी चौड़ी गर्दन उनके शारीरिक व मानसिक रूप से बलिष्ठता व मजबूती को दर्शाती है। वह एक दूरदर्शी, संतुलित व सौंदर्य प्रेमी व्यक्ति हैं। रणबीर कपूर एक न्याय प्रिय, उच्च नैतिक मूल्यों वाले व खुश मिजाज़ व्यक्ति है। ऐसा व्यक्ति जीवन में सफलता अवश्य पाता है। सब कुछ जान समझ कर भी शांति अपनाना उनमें छिपे गुण हैं। आत्मविश्लेषण कर आगे बढ़ने वाले व्यक्ति को कभी कोई हरा नहीं सकता। हम सब की शुभकामनाएं रणबीर के साथ हैं।

मोटे तौर पर किसी भी व्यक्ति का आंकलन उसके चेहरे से किया जा सकता है। यह विषय बहुत ही वृहद है। इसको एक लेख में बांधना गागर में सागर भरने के समान है। पूर्ण ज्ञान अर्जित कर हम अपने जीवन को आसान बनाकर विजयी भव का आशीष प्राप्त कर सकते हैं। इससे जीवन की राह आसान हो जाती हैं।

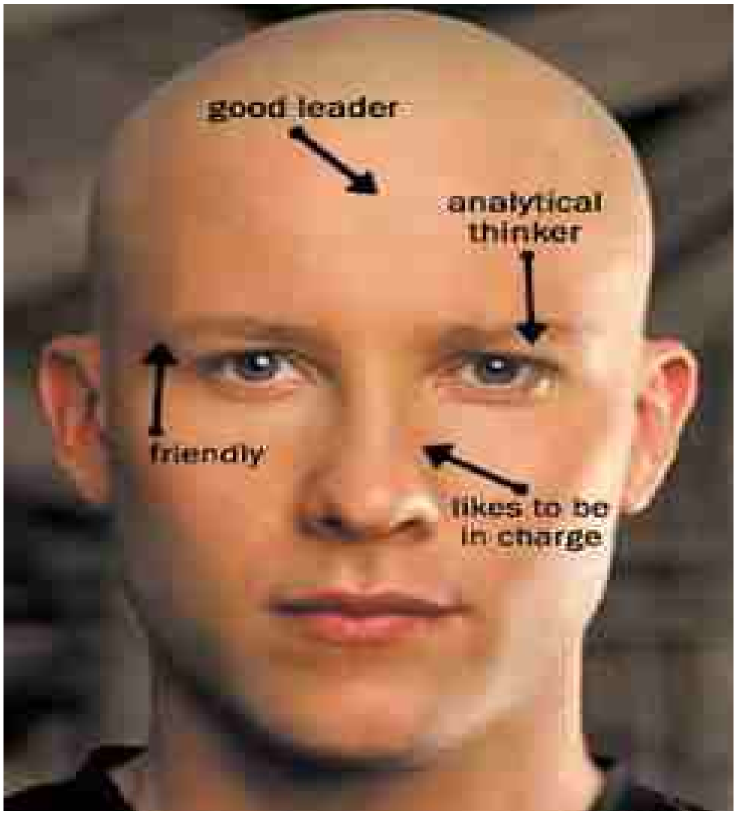

करवा चौथ व्रत

17

अक्टूबर, 2019 (गुरुवार)
करवा चौथ व्रत

करवा चौथ का त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस दिन विवाहित स्त्रियाँ अपने पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती है। साथ ही अच्छे वर की कामना से अविवाहिता स्त्रियों के करवा चौथ व्रत रखने की भी परम्परा है। यह पर्व पूरे उत्तर भारत में ज़ोर–शोर से मनाया जाता है।

करवा चौथ व्रत के नियम

- यह व्रत सूर्योदय से पहले से शुरू कर चांद निकलने तक रखना चाहिए और चन्द्रमा के दर्शन के पश्चात ही इसको खोला जाता है।
- शाम के समय चंद्रोदय से 1 घंटा पहले सम्पूर्ण शिव–परिवार (शिव जी, पार्वती जी, नंदी जी, गणेश जी और कार्तिकेय जी) की पूजा की जाती है।
- पूजन के समय देव–प्रतिमा का मुख पश्चिम की तरफ़ होना चाहिए तथा स्त्री को पूर्व की तरफ़ मुख करके बैठना चाहिए।

करवा चौथ कथा

करवा चौथ व्रत कथा के अनुसार एक साहूकार के सात बेटे थे और करवा नाम की एक बेटी थी। एक बार करवा चौथ के दिन उनके घर में व्रत रखा गया। रात्रि को जब सब भोजन करने लगे तो करवा के भाइयों ने उससे भी भोजन करने का आग्रह किया। उसने यह कहकर मना कर दिया कि अभी चांद नहीं निकला है और वह चन्द्रमा को अर्घ्य देकर ही भोजन करेगी। अपनी सुबह से भूखी–प्यासी बहन की हालत भाइयों से नहीं देखी गयी। सबसे छोटा भाई एक दीपक दूर एक पीपल के पेड़ में प्रज्वलित कर आया और अपनी बहन से बोला – व्रत तोड़ लो; चांद निकल आया है। बहन को भाई की चतुराई समझ में नहीं आयी और उसने खाने का निवाला खा लिया। निवाला खाते ही उसे अपने पति की मृत्यु का समाचार मिला। शोकातुर होकर वह अपने पति के शव को लेकर एक वर्ष तक बैठी रही और उसके ऊपर उगने वाली घास को इकट्ठा करती रही। अगले साल कार्तिक कृष्ण चतुर्थी फिर से आने पर उसने पूरे विधि–विधान से करवा चौथ व्रत किया, जिसके फलस्वरूप उसका पति पुनः जीवित हो गया।

करवा चौथ व्रत की पूजा–विधि

- सुबह सूर्योदय से पहले स्नान आदि करके पूजा घर की सफ़ाई करें। फिर सास द्वारा दिया हुआ भोजन करें और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।
- यह व्रत उनको संध्या में सूरज अस्त होने के बाद चन्द्रमा के दर्शन करके ही खोलना चाहिए और बीच में जल भी नहीं पीना चाहिए।
- संध्या के समय एक मिट्टी की वेदी पर सभी देवताओं की स्थापना करें। इसमें 10 से 13 करवे (करवा चौथ के लिए ख़ास मिट्टी के कलश) रखें।

- पूजन–सामग्री में धूप, दीप, चन्दन, रोली, सिन्दूर आदि थाली में रखें। दीपक में पर्याप्त मात्रा में घी रहना चाहिए, जिससे वह पूरे समय तक जलता रहे।

- चन्द्रमा निकलने से लगभग एक घंटे पहले पूजा शुरू की जानी चाहिए। अच्छा हो कि परिवार की सभी महिलाएँ साथ पूजा करें।

- पूजा के दौरान करवा चौथ कथा सुनें या सुनाएँ।

- चन्द्र दर्शन छलनी के द्वारा किया जाना चाहिए और साथ ही दर्शन के समय अर्घ्य के साथ चन्द्रमा की पूजा करनी चाहिए।

- चन्द्र–दर्शन के बाद बहू अपनी सास को थाली में सजाकर मिष्ठान, फल, मेवे, रूपये आदि देकर उनका आशीर्वाद ले और सास उसे अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दे।

करवा चौथ में सरगी

पंजाब में करवा चौथ का त्यौहार सरगी के साथ आरम्भ होता है। यह करवा चौथ के दिन सूर्योदय से पहले किया जाने वाला भोजन होता है। जो महिलाएँ इस दिन व्रत रखती हैं उनकी सास उनके लिए सरगी बनाती हैं। शाम को सभी महिलाएँ श्रृंगार करके एकत्रित होती हैं और फेरी की रस्म करती हैं। इस रस्म में महिलाएँ एक घेरा बनाकर बैठती हैं और पूजा की थाली एक दूसरे को देकर पूरे घेरे में घुमाती हैं। इस रस्म के दौरान एक बुजुर्ग महिला करवा चौथ की कथा गाती हैं। भारत के अन्य प्रदेश जैसे उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गौर माता की पूजा की जाती है। गौर माता की पूजा के लिए प्रतिमा गाय के गोबर से बनाई जाती है।

करवा चौथ मुहूर्त
New Delhi India के लिए

पूजा मुहूर्त :17:50:03 **से** 18:58:47 **तक**
अवधि :1 **घंटे** 8 **मिनट**
करवा चौथ चंद्रोदय समय : 20:15:59
चंद्रोदय कैल्कुलेटर

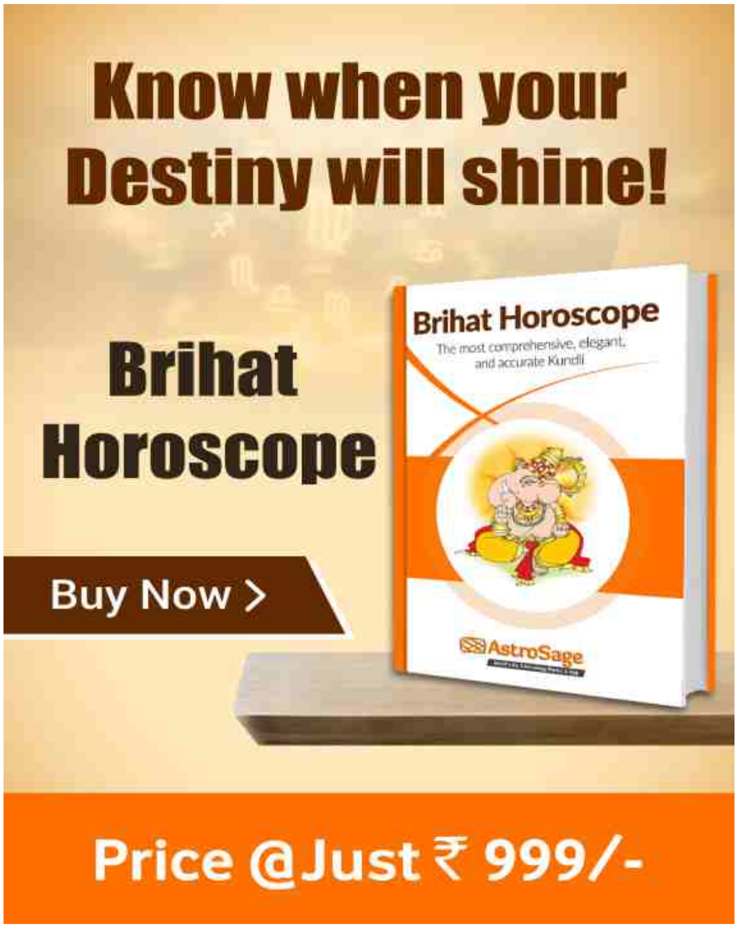

धनतेरस की पूजा विधि और धार्मिक कर्म

25
अक्टूबर, 2019 (शुक्रवार)
धनतेरस

धनतेरस कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाने वाला त्यौहार है। धन तेरस को धन त्रयोदशी व धन्वंतरि जंयती के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए धन तेरस को धन्वंतरि जयंती भी कहा जाता है। धन्वंतरि देव जब समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे उस समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। इसी वजह से धन तेरस के दिन बर्तन खरीदने की परंपरा है। धनतेरस पर्व से ही दीपावली की शुरुआत हो जाती है।

धन तेरस का शास्त्रोक्त नियम

- धनतेरस कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की उदयव्यापिनी त्रयोदशी को मनाई जाती है। यहां उदयव्यापिनी त्रयोदशी से मतलब है कि, अगर त्रयोदशी तिथि सूर्य उदय के साथ शुरू होती है, तो धनतेरस मनाई जानी चाहिए।
- धन तेरस के दिन प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त) में यमराज को दीपदान भी किया जाता है। अगर दोनों दिन त्रयोदशी तिथि प्रदोष काल का स्पर्श करती है अथवा नहीं करती है तो दोनों स्थिति में दीपदान दूसरे दिन किया जाता है।

धनतेरस की पूजा विधि और धार्मिक कर्म

- मानव जीवन का सबसे बड़ा धन उत्तम स्वास्थ है, इसलिए आयुर्वेद के देव धन्वंतरि के अवतरण दिवस यानि धन तेरस पर स्वास्थ्य रूपी धन की प्राप्ति के लिए यह त्यौहार मनाया जाना चाहिए।
- धनतेरस पर धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा का विधान है। षोडशोपचार यानि विधिवत 16 क्रियाओं से पूजा संपन्न करना। इनमें आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन (सुगंधित पेय जल), स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध (केसर–चंदन), पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन (शुद्ध जल), दक्षिणायुक्त तांबूल, आरती, परिक्रमा आदि है।
- धनतेरस पर पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। मान्यता है कि बर्तन खरीदने से धन समृद्धि होती है। इसी आधार पर इसे धन त्रयोदशी या धनतेरस कहते हैं।
- इस दिन शाम के समय घर के मुख्य द्वार और आंगन में दीये जलाने चाहिए। क्योंकि धनतेरस से ही दीपावली के त्यौहार की शुरुआत होती है।
- धनतेरस के दिन शाम के समय यम देव के निमित्त दीपदान किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से मृत्यु के देवता यमराज के भय से मुक्ति मिलती है।

एस्ट्रोसेज की ओर से सभी पाठकों को धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम आशा करते हैं कि धन्वंतरि देव की कृपा आप पर बनी रहे और आप निरोगी व स्वस्थ रहें।

धनतेरस मुहूर्त New Delhi, India के लिए

धनतेरस मुहूर्त :19:10:19 से 20:15:35 तक
अवधि :1 घंटे 5 मिनट
प्रदोष काल :17:42:20 से 20:15:35 तक
वृषभ काल :18:51:57 से 20:47:47 तक

नरक चतुर्दशी 2019

27

अक्टूबर, 2019 (रविवार)
नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाने वाला एक त्यौहार है। इसे नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है। दीपावाली से ठीक एक दिन पहले मनाये जाने की वजह से नरक चतुर्दशी को छोटी दिवाली भी कहा जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन शाम के समय दीये जलाए जाते हैं। इस दिन यमराज की पूजा कर अकाल मृत्यु से मुक्ति और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की जाती है। इसके अलावा नरक चौदस के दिन प्रातः काल सूर्य उदय से पहले शरीर पर तिल्ली का तेल मलकर और अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियां पानी में डालकर स्नान करने से नरक के भय से मुक्ति मिलती है और मनुष्य को स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

नरक चतुर्दशी का शास्त्रोक्त नियम

दो विभिन्न परंपरा के अनुसार कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी मनाई जाती है।

- कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन चंद्र उदय या अरुणोदय (सूर्य उदय से सामान्यतः 1 घंटे 36 मिनट पहले का समय) होने पर नरक चतुर्दशी मनाई जाती है। हालांकि अरुणोदय पर चतुर्दशी मनाने का विधान सबसे ज्यादा प्रचलित है।
- यदि दोनों दिन चतुर्दशी तिथि अरुणोदय अथवा चंद्र उदय का स्पर्श करती है तो नरक चतुर्दशी पहले दिन मनाने का विधान है। इसके अलावा अगर चतुर्दशी तिथि अरुणोदय या चंद्र उदय का स्पर्श नहीं करती है तो भी नरक चतुर्दशी पहले ही दिन मनानी चाहिए।
- नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले चंद्र उदय या फिर अरुणोदय होने पर तेल अभ्यंग(मालिश) और यम तर्पण करने की परंपरा है।

नरक चतुर्दशी पूजन विधि

- नरक चतुर्दशी के दिन प्रातःकाल सूर्य उदय से पहले स्नान करने का महत्व है। इस दौरान तिल के तेल से शरीर की मालिश करनी चाहिए, उसके बाद अपामार्ग यानि चिरचिरा (औधषीय पौधा) को सिर के ऊपर से चारों ओर 3 बार घुमाए।
- नरक चतुर्दशी से पहले कार्तिक कृष्ण पक्ष की अहोई अष्टमी के दिन एक लोटे में पानी भरकर रखा जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन इस लोटे का जल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करने की परंपरा है। मान्यता है कि ऐसा करने से नरक के भय से मुक्ति मिलती है।
- स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर हाथ जोड़कर यमराज से प्रार्थना करें। ऐसा करने से मनुष्य द्वारा वर्ष भर किए गए पापों का नाश हो जाता है।
- इस दिन यमराज के निमित्त तेल का दीया घर के मुख्य द्वार से बाहर की ओर लगाएं।
- नरक चतुर्दशी के दिन शाम के समय सभी देवताओं की पूजन के बाद तेल के दीपक जलाकर घर की चौखट के दोनों ओर, घर के बाहर व कार्य स्थल के प्रवेश द्वार पर रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से लक्ष्मी जी सदैव घर में निवास करती हैं।
- नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी या रूप चौदस भी कहते हैं इसलिए रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से सौंदर्य की प्राप्ति होती है।

- इस दिन निशीथ काल (अर्धरात्रि का समय) में घर से बेकार के सामान फेंक देना चाहिए। इस परंपरा को दारिद्रय निः सारण कहा जाता है। मान्यता है कि नरक चतुर्दशी के अगले दिन दीपावली पर लक्ष्मी जी घर में प्रवेश करती है, इसलिए दरिद्रय यानि गंदगी को घर से निकाल देना चाहिए।

नरक चतुर्दशी का महत्व और पौराणिक कथाएं

नरक चतुर्दशी के दिन दीप प्रज्ज्वलन का धार्मिक और पौराणिक महत्व है। इस दिन संध्या के समय दीये की रोशनी से अंधकार को प्रकाश पुंज से दूर कर दिया जाता है। इसी वजह से नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन दीये जलाने के संदर्भ में कई पौराणिक और लौकिक मान्यताएं हैं।

1. **राक्षस नरकासुर का वध** : पुरातन काल में नरकासुर नामक एक राक्षस ने अपनी शक्तियों से देवता और साधु संतों को परेशान कर दिया था। नरकासुर का अत्याचार इतना बढ़ने लगा कि उसने देवता और संतों की 16 हज़ार स्त्रियों को बंधक बना लिया। नरकासुर के अत्याचारों से परेशान होकर समस्त देवता और साधु–संत भगवान श्री कृष्ण की शरण में गए। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण ने सभी को नरकासुर के आतंक से मुक्ति दिलाने का आश्वासन दिया। नरकासुर को स्त्री के हाथों से मरने का श्राप था इसलिए भगवान श्री कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध किया और उसकी कैद से 16 हजार स्त्रियों को आजाद कराया। बाद में ये सभी स्त्री भगवान श्री कृष्ण की 16 हजार पट रानियां के नाम से जानी जाने लगी। नरकासुर के वध के बाद लोगों ने कार्तिक मास की अमावस्या को अपने घरों में दीये जलाए और तभी से नरक चतुर्दशी और दीपावली का त्यौहार मनाया जाने लगा।

2. **दैत्यराज बलि की कथा** : एक अन्य पौराणिक कथा में दैत्यराज बलि को भगवान श्री कृष्ण द्वारा मिले वरदान का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने वामन अवतार के समय त्रयोदशी से अमावस्या की अवधि के बीच दैत्यराज बलि के राज्य को 3 कदम में नाप दिया था। राजा बलि जो कि परम दानी थे, उन्होंने यह देखकर अपना समस्त राज्य भगवान वामन को दान कर दिया। इसके बाद भगवान वामन ने बलि से वरदान मांगने को कहा। दैत्यराज बलि ने कहा कि हे प्रभु, त्रयोदशी से अमावस्या की अवधि में इन तीनों दिनों में हर वर्ष मेरा राज्य रहना चाहिए। इस दौरान जो मनुष्य में मेरे राज्य में दीपावली मनाए उसके घर में लक्ष्मी का वास हो और चतुर्दशी के दिन नरक के लिए दीपों का दान करे, उनके सभी पितर नरक में ना रहें और ना उन्हें यमराज यातना ना दें।
राजा बलि की बात सुनकर भगवान वामन प्रसन्न हुए और उन्हें वरदान दिया। इस वरदान के बाद से ही नरक चतुर्दशी व्रत, पूजन और दीपदान का प्रचलन शुरू हुआ।

धार्मिक और पौराणिक महत्व की वजह से हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी का बड़ा महत्व है। यह पांच पर्वों की श्रृंखला के मध्य में रहने वाला त्यौहार है। दीपावली से दो दिन पूर्व धन तेरस, नरक चतुर्दशी या छोटी दीवापली और फिर दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज मनाई जाती है। नरक चतुर्दशी पर यमराज के निमित्त दीपदान और प्रार्थना करने से नरक के भय से मुक्ति मिलती है।

एस्ट्रोसेज की ओर से आप सभी को नरक चतुर्दशी का हार्दिक शुभकामनाएं !

नरक चतुर्दशी का मुहूर्त
New Delhi, India के लिए

अभ्यंग स्नान समय :05:15:59 **से** 06:29:14 **तक**

अवधि :1 **घंटे** 13 **मिनट**

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा की विधि

27
अक्टूबर, 2019 (रविवार)
दिवाली

दिवाली या दीपावली हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है। हिंदू धर्म में दिवाली का विशेष महत्व है। धनतेरस से भाई दूज तक करीब 5 दिनों तक चलने वाला दिवाली का त्यौहार भारत और नेपाल समेत दुनिया के कई देशों में मनाया जाता है। दीपावली को दीप उत्सव भी कहा जाता है। क्योंकि दीपावली का मतलब होता है दीपों की अवली यानि पंक्ति। दिवाली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है।

हिंदू धर्म के अलावा बौद्ध, जैन और सिख धर्म के अनुयायी भी दिवाली मनाते हैं। जैन धर्म में दिवाली को भगवान महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं सिख समुदाय में इसे बंदी छोड़ दिवस के तौर पर मनाते हैं।

दिवाली कब मनाई जाती है?

1. कार्तिक मास में अमावस्या के दिन प्रदोष काल होने पर दीपावली (महालक्ष्मी पूजन) मनाने का विधान है। यदि दो दिन तक अमावस्या तिथि प्रदोष काल का स्पर्श न करे तो दूसरे दिन दिवाली मनाने का विधान है। यह मत सबसे ज्यादा प्रचलित और मान्य है... और भी

दिवाली पर कब करें लक्ष्मी पूजा?

मुहूर्त का नाम	समय	विशेषता	महत्व
प्रदोष काल	सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त	लक्ष्मी पूजन का सबसे उत्तम समय	स्थिर लग्न होने से पूजा का विशेष महत्व
महानिशीथ काल	मध्य रात्रि के समय आने वाला मुहूर्त	माता काली के पूजन का विधान	तांत्रिक पूजा के लिए शुभ समय

1. देवी लक्ष्मी का पूजन प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद के तीन मुहूर्त) में किया जाना चाहिए। प्रदोष काल के दौरान स्थिर लग्न में पूजन करना सर्वोत्तम माना गया है। इस दौरान जब वृषभ, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि लग्न में उदित हों तब माता लक्ष्मी का पूजन किया जाना चाहिए। क्योंकि ये चारों राशि स्थिर स्वभाव की होती हैं। मान्यता है कि अगर स्थिर लग्न के समय पूजा की जाये तो माता लक्ष्मी अंश रूप में घर में ठहर जाती है।

2. महानिशीथ काल के दौरान भी पूजन का महत्व है लेकिन यह समय तांत्रिक, पंडित और साधकों के लिए ज्यादा उपयुक्त होता है। इस काल में मां काली की पूजा का विधान है। इसके अलावा वे लोग भी इस समय में पूजन कर सकते हैं, जो महानिशिथ काल के बारे में समझ रखते हों।

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा की विधि

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का विशेष विधान है। इस दिन संध्या और रात्रि के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी, विघ्नहर्ता भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा और आराधना की जाती है। पुराणों के अनुसार कार्तिक अमावस्या की अंधेरी रात में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक पर आती हैं और हर घर में विचरण करती हैं। इस दौरान जो घर हर प्रकार से स्वच्छ और प्रकाशवान हो, वहां वे अंश रूप में ठहर जाती हैं इसलिए दिवाली पर साफ–सफाई करके विधि विधान से पूजन करने से माता महालक्ष्मी की विशेष कृपा होती है। लक्ष्मी पूजा के साथ–साथ कुबेर पूजा भी की जाती है। पूजन के दौरान इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. दिवाली के दिन लक्ष्मी पूजन से पहले घर की साफ–सफाई करें और पूरे घर में वातावरण की शुद्धि और पवित्रता के लिए गंगाजल का छिड़काव करें। साथ ही घर के द्वार पर रंगोली और दीयों की एक श्रृंखला बनाएं।

2. पूजा स्थल पर एक चौकी रखें और लाल कपड़ा बिछाकर उस पर लक्ष्मी जी और गणेश जी की मूर्ति रखें या दीवार पर लक्ष्मी जी का चित्र लगाएं। चौकी के पास जल से भरा एक कलश रखें।

3. माता लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति पर तिलक लगाएं और दीपक जलाकर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, हल्दी, अबीर–गुलाल आदि अर्पित करें और माता महालक्ष्मी की स्तुति करें।

4. इसके साथ देवी सरस्वती, मां काली, भगवान विष्णु और कुबेर देव की भी विधि विधान से पूजा करें।

5. महालक्ष्मी पूजन पूरे परिवार को एकत्रित होकर करना चाहिए।

6. महालक्ष्मी पूजन के बाद तिजोरी, बहीखाते और व्यापारिक उपकरण की पूजा करें।

7. पूजन के बाद श्रद्धा अनुसार ज़रुरतमंद लोगों को मिठाई और दक्षिणा दें।

दिवाली पर क्या करें?

1. कार्तिक अमावस्या यानि दीपावली के दिन प्रातःकाल शरीर पर तेल की मालिश के बाद स्नान करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की हानि नहीं होती है।

2. दिवाली के दिन वृद्धजन और बच्चों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों को भोजन नहीं करना चाहिए। शाम को महालक्ष्मी पूजन के बाद ही भोजन ग्रहण करें।

3. दीपावली पर पूर्वजों का पूजन करें और धूप व भोग अर्पित करें। प्रदोष काल के समय हाथ में उल्का धारण कर पितरों को मार्ग दिखाएं। यहां उल्का से तात्पर्य है कि दीपक जलाकर या अन्य माध्यम से अग्नि की रोशनी में

पितरों को मार्ग दिखायें। ऐसा करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

4. दिवाली से पहले मध्य रात्रि को स्त्री–पुरुषों को गीत, भजन और घर में उत्सव मनाना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने से घर में व्याप्त दरिद्रता दूर होती है।

दिवाली की पौराणिक कथा

हिंदू धर्म में हर त्यौहार से कई धार्मिक मान्यता और कहानियां जुड़ी हुई हैं। दिवाली को लेकर भी दो अहम पौराणिक कथाएं प्रचलित है।

1. कार्तिक अमावस्या के दिन भगवान श्री राम चंद्र जी चौदह वर्ष का वनवास काटकर और लंकापति रावण का नाश करके अयोध्या लौटे थे। इस दिन भगवान श्री राम चंद्र जी के अयोध्या आगमन की खुशी पर लोगों ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। तभी से दिवाली की शुरुआत हुई।

2. एक अन्य कथा के अनुसार नरकासुर नामक राक्षस ने अपनी असुर शक्तियों से देवता और साधु–संतों को परेशान कर दिया था। इस राक्षस ने साधु–संतों की 16 हजार स्त्रियों को बंदी बना लिया था। नरकासुर के बढ़ते अत्याचारों से परेशान देवता और साधु–संतों ने भगवान श्री कृष्ण से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद भगवान श्री कृष्ण ने कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरकासुर का वध कर देवता व संतों को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई, साथ ही 16 हजार स्त्रियों को कैद से मुक्त कराया। इसी खुशी में दूसरे दिन यानि कार्तिक मास की अमावस्या को लोगों ने अपने घरों में दीये जलाए। तभी से नरक चतुर्दशी और दीपावली का त्यौहार मनाया जाने लगा।

इसके अलावा दिवाली को लेकर और भी पौराणिक कथाएं सुनने को मिलती है।

1. धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने राजा बलि को पाताल लोक का स्वामी बनाया था और इंद्र ने स्वर्ग को सुरक्षित पाकर खुशी से दीपावली मनाई थी।

2. इसी दिन समुंद्र मंथन के दौरान क्षीरसागर से लक्ष्मी जी प्रकट हुई थीं और उन्होंने भगवान विष्णु को पति के रूप में स्वीकार किया था।

दिवाली का ज्योतिषि महत्व

हिंदू धर्म में हर त्यौहार का ज्योतिष महत्व होता है। माना जाता है कि विभिन्न पर्व और त्यौहारों पर ग्रहों की दिशा और विशेष योग मानव समुदाय के लिए शुभ फलदायी होते हैं। हिंदू समाज में दिवाली का समय किसी भी कार्य के शुभारंभ और किसी वस्तु की खरीदी के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस विचार के पीछे ज्योतिष महत्व है। दरअसल दीपावली के आसपास सूर्य और चंद्रमा तुला राशि में स्वाति नक्षत्र में स्थित होते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की यह स्थिति शुभ और उत्तम फल देने वाली होती है। तुला एक संतुलित भाव रखने वाली राशि है। यह राशि न्याय और अपक्षपात का प्रतिनिधित्व करती है। तुला राशि के स्वामी शुक्र जो कि स्वयं सौहार्द, भाईचारे, आपसी सद्भाव और सम्मान के कारक हैं। इन गुणों की वजह से सूर्य और चंद्रमा दोनों का तुला राशि में स्थित होना एक सुखद व शुभ संयोग होता है।

दीपावली का आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों रूप से विशेष महत्व है। हिंदू दर्शन शास्त्र में दिवाली को आध्यात्मिक अंधकार पर आंतरिक प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई का उत्सव कहा गया है।

दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त New Delhi, India के लिए

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त :18:44:04 से 20:14:27 तक

अवधि :1 घंटे 30 मिनट

प्रदोष काल :17:40:34 से 20:14:27 तक

वृषभ काल :18:44:04 से 20:39:54 तक

दिवाली महानिशीथ काल मुहूर्त

लक्ष्मी पूजा मुहूर्त :23:39:37 से 24:30:54 तक

अवधि :0 घंटे 51 मिनट

महानिशीथ काल :23:39:37 से 24:30:54 तक

सिंह काल :25:15:33 से 27:33:12 तक

दिवाली शुभ चौघड़िया मुहूर्त

अपराह्न मुहूर्त (शुभ):13:28:49 से 14:52:44 तक

सायंकाल मुहूर्त (शुभ, अमृत, चल):17:40:34 से 22:29:05 तक

रात्रि मुहूर्त (लाभ):25:41:26 से 27:17:36 तक

उषाकाल मुहूर्त (शुभ):28:53:46 से 30:29:57 तक

“कलर थेरेपी” से करें रोगों का उपचार

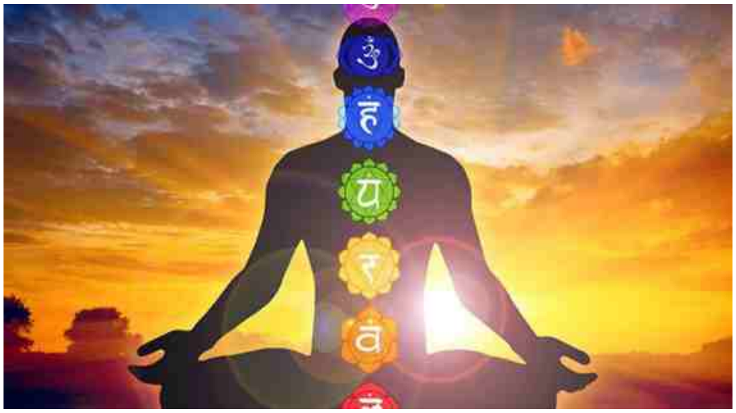

दीप्ति जैन

“कलर थेरेपी” से करें रोगों का उपचार

कलर थेरेपी या रंग चिकित्सा से विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। परमात्मा ने कितनी सुंदर बनाई है यह दुनिया और इसे और भी सुन्दर बनाने के लिए इसमें सुंदर मोहक रंग भर दिए। क्या आपने कभी रंगों से विहीन दुनिया की कल्पना की है? कितना नीरस होगा वह दृश्य जिसमें रंग ही न हो। वर्षा उपरांत सूरज की किरण बारिश की बूंद से निकल कर आकाश में कितना सुंदर इंद्रधनुष बनाती है। सात रंगों का यह इंद्रधनुष मन को जैसे मोह लेता है। इन्हें देखने के बाद मन में खुशियों के बुलबुले जाग उठते हैं।

ये रंग न केवल हमारी आँखों को सुकून देते हैं, बल्कि हमारे शरीर के अंगों को भी प्रभावित करते हैं। आईये जानते हैं कुछ खास रंगों के महत्व के बारे में –

लाल रंग का महत्व

हर रंग की अपनी एक आभा शक्ति होती है। सर्वप्रथम बात करते हैं रंगों में रंग लाल रंग की। लाल रंग की आभा शक्ति सर्वाधिक होती है। तभी तो विवाह समारोह में वधू को लाल रंग का जोड़ा पहनाने का चलन है। हर रंग की अपनी एक उपचारक क्षमता भी होती है। लाल रंग प्रेम, उत्साह व शक्ति का प्रतीक है। लाल रंग **“मंगल ग्रह”** का भी प्रतिनिधित्व करता है। जिस जातक की **कुंडली** में मंगल ग्रह दूषित होता है, उससे लाल वस्तुओं का दान करने की सलाह दी जाती है। लाल रंग अनेकों बीमारियों के उपचार में भी प्रयोग किया जाता है। जैसे निम्न रक्त संचार, खून की कमी, अवसाद ,जोड़ों का दर्द, पैरालिसिस आदि। कलर थेरेपी में इस रंग को जातक को पहनने व भोज्य पदार्थ द्वारा ग्रहण करने की सलाह दी जाती है। किंतु इस रंग का अत्यधिक प्रयोग क्रोध में हिंसा को जन्म देता है।

नारंगी रंग का महत्व

नारंगी रंग लाल व पीले रंग से मिश्रित होता है। इस रंग के प्रयोग से दोनों रंगों का मिश्रित प्रभाव मिलता है। यह रंग ज्ञान व शक्ति का संतुलित प्रभाव देता है। तभी तो साधु–संतो का चोला केसरिया रंग का होता है। यह रंग अध्यात्म व संसारिक गुणों का संतुलन स्थापित करता है। इस रंग में तंत्रिका तंत्र को मजबूती प्रदान करने की अद्भुत शक्ति होती है। महत्वकांक्षा को बढ़ाना, भूख बढ़ाना व श्वास के रोगों से आराम देना इस रंग के गुण हैं। यह रंग अवसाद से भी मुक्ति दिलाता है।

हरे रंग का महत्व

हरा रंग सहयोग व विस्तार की भावना विकसित करता है। इस रंग के प्रयोग से व्यक्ति नेत्र रोग, कमजोर ज्ञानतंतु, अल्सर, कैंसर व चर्म रोगों से निजात पाता है। यह रंग नेत्रों को शीतलता प्रदान करता है। यह रंग **“बुध ग्रह”** का प्रतिनिधित्व करता है। बौद्धिक विकास के लिए जातक को हरे रंग का **पन्ना रत्न** ग्रहण करने की सलाह दी जाती है।

नीले रंग का महत्व

नीला रंग सत्य ,आशा, विस्तार, स्वच्छता व न्याय का प्रतीक है। यह रंग स्त्री रोग, पेट में जलन, गर्मी, महत्वपूर्ण बल की कमी आदि के उपचार में प्रयुक्त किया जाता है। गहरा नीला रंग अकेलेपन को बढ़ाता है। अवसाद जैसी स्थिति में इस रंग का प्रयोग कदापि न करें। इसके विपरीत इस रंग की वस्तुओं का दान शुभ फल देता है।

पीले रंग का महत्व

पीला रंग ज्ञान और सात्विकता का प्रतिनिधित्व करता है। खांसी, जुखाम, लीवर संबंधित बीमारियां कब्ज़, पीलिया, सूजन व तंत्रिका तंत्र की कमज़ोरी के उपचार में प्रयुक्त होता है। पीला रंग **"गुरु ग्रह"** का प्रतिनिधित्व करता है। व्यक्ति में ज्ञान और वैराग्य भावना विकसित कर सम्मानित जीवन जीने के लिए पीले रंग का **पुखराज रत्न** ग्रहण करने की सलाह दी जाती है।

बैंगनी रंग का महत्व

बैंगनी रंग लाल व नीले रंग के मिश्रण से बनता है। इस रंग का प्रयोग यश, प्रसिद्धि व उत्साह प्रदान करता है। यह रंग रक्त शोधन के लिए प्रयुक्त किया जाता है। दर्द, सूजन, बुखार व कार्य क्षमता की वृद्धि के लिए इस रंग का प्रयोग किया जाता है। बैंगनी रंग सुस्त मस्तिष्क को उत्सव व आशा प्रदान करता है।

सब रंगों की अपनी उपचारक क्षमता होती है। कलर थेरेपी में अलग–अलग रंगों के बल्ब, पानी की बोतल, वस्त्र, खाद्य पदार्थ, क्रिस्टल, पिरामिड, चादर व पर्दे के रूप में उपचार दिया जाता है। यह उपचार आंतरिक रूप से हमारी हर बीमारियों के इलाज में सहायक है। चाहे वह मानसिक हो या शारीरिक। विशेषज्ञ की निगरानी में किए हुए उपचार से उचित लाभ मिलता है।

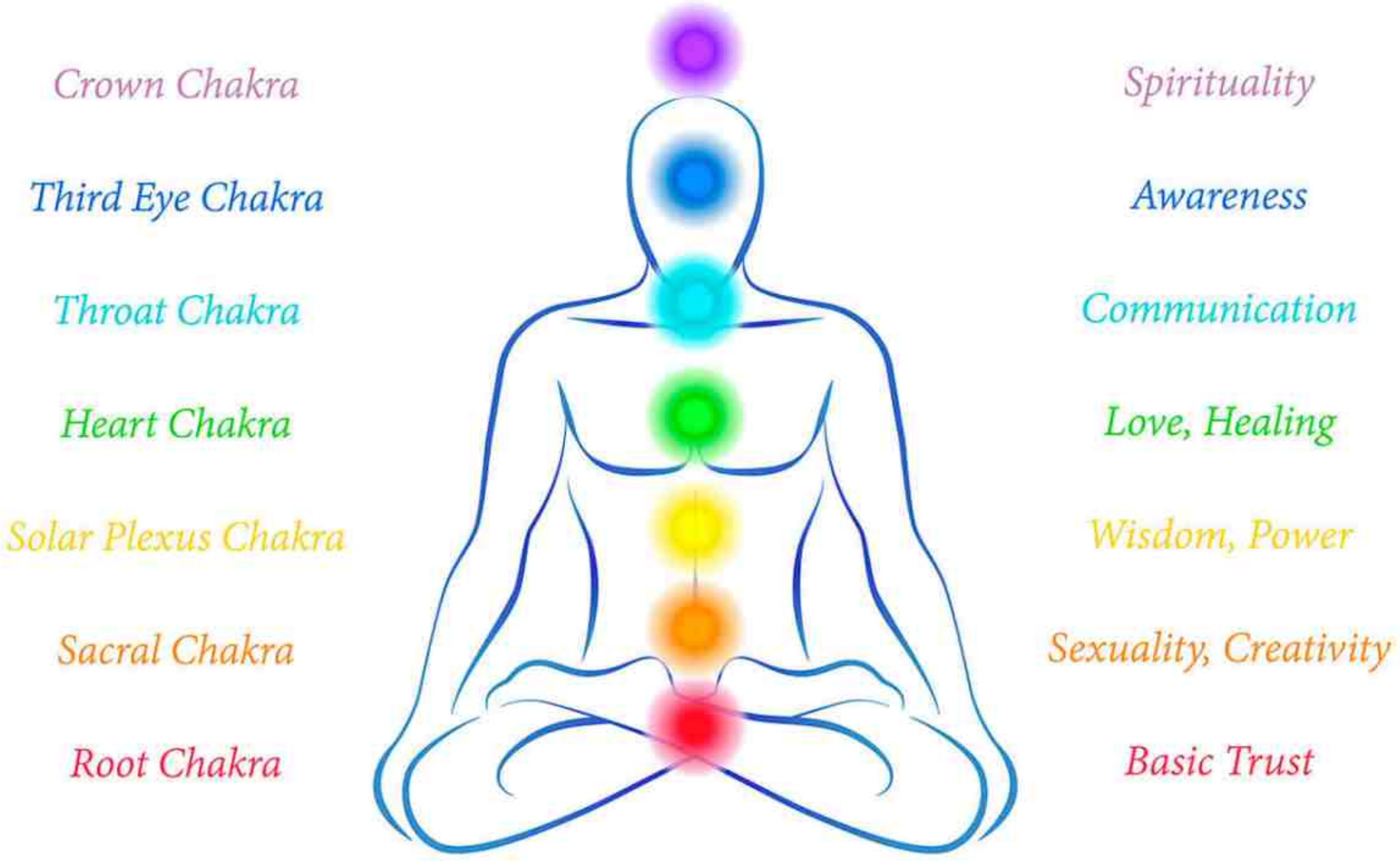

AstroSage
World's No. 1 Astrology Portal & App
ज्योतिषी से प्रश्न पूछें
हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषी से लें परामर्श
GEMINI
CANCER
TAURUS
LEO
VIRGO
LIBRA
SCORPIO
के.पी. सिस्टम
लाल किताब
नाड़ी ज्योतिष
ताजिक ज्योतिष
अभी खरीदें
संपर्क करें
+91-7683076700,
0120-4208916
Email:- galaxy@astrosage.com
www.astrosage.com
स्पेशल कीमत:- ₹299/-

गोवर्धन पूजा

28
अक्टूबर, 2019 (सोमवार)
गोवर्धन पूजा

हिंदू धर्म में गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है। इस पर्व का सीधा संबंध प्रकृति और मानव से है। गोवर्धन पूजा या अन्न कूट का त्यौहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानि दिवाली के दूसरे दिन मनाया जाता है। यह त्यौहार समस्त भारत में मनाया जाता है लेकिन उत्तर भारत में खासकर ब्रज भूमि (मथुरा, वृंदावन, नंदगांव, गोकुल, बरसाना आदि) पर इसकी भव्यता और बढ़ जाती है, जहां स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने गोकुल के लोगों को गोवर्धन पूजा के लिए प्रेरित किया था और देवराज इंद्र के अहंकार का नाश किया था।

गोवर्धन पूजा की तिथि और शास्त्रोक्त नियम

गोवर्धन पूजा कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाई जाती है। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जा सकती है।

- गोवर्धन पूजा कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनानी चाहिए लेकिन यह सुनिश्चित हो कि इस दिन संध्या के समय चंद्र दर्शन नहीं हो।
- यदि शाम को सूर्यास्त के समय कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा के दिन चंद्र दर्शन होने वाला है तो गोवर्धन पूजा पहले दिन करनी चाहिए।
- यदि सूर्य उदय के समय प्रतिपदा तिथि लगती है और चंद्र दर्शन नहीं हो, तो उसी दिन गोवर्धन पूजा मनानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो तो गोवर्धन पूजा पहले दिन मान्य होगी।
- जब सूर्योदय के बाद प्रतिपदा तिथि कम से कम 9 मुहूर्त तक विद्यमान हो, भले ही उस दिन चंद्र दर्शन शाम को हो जाए लेकिन स्थूल चंद्र दर्शन का अभाव माना जाए। ऐसी स्थिति में गोवर्धन पूजा उसी दिन मनानी चाहिए।

गोवर्धन पूजा के नियम और विधि

गोवर्धन पूजा का भारतीय जन जीवन में बड़ा महत्व है। वेदों में इस दिन वरुण, इंद्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इस दिन गोवर्धन पर्वत, गोधन यानि गाय और भगवान श्री कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। यह त्यौहार मानव जाति को इस बात का संदेश देता है कि हमारा जीवन प्रकृति द्वारा प्रदान संसाधनों पर निर्भर है और इसके लिए हमें उनका सम्मान और धन्यवाद करना चाहिए। गोवर्धन पूजा के जरिए हम समस्त प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं।

- गोवर्धन पूजा के दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। गोवर्धन पूजा सुबह या शाम के समय की जाती है। पूजन के दौरान गोवर्धन पर धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल आदि चढ़ाये जाने चाहिए। इसी दिन गाय–बैल और कृषि काम में आने वाले पशुओं की पूजा की जाती है।
- गोवर्धन जी गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में बनाए जाते हैं। नाभि के स्थान पर एक मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। इस दीपक में दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में बांट दिए जाते हैं।

- पूजा के बाद गोवर्धन जी की सात परिक्रमाएं लगाते हुए उनकी जय बोली जाती है। परिक्रमा के वक्त हाथ में लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी की जाती है।
- गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा घर में करने से धन, संतान और गौ रस की वृद्धि होती है।
- गोवर्धन पूजा के दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी की जाती है। इस मौके पर सभी कारखानों और उद्योगों में मशीनों की पूजा होती है।

गोवर्धन पूजा पर होने वाले आयोजन

- गोवर्धन पूजा प्रकृति और भगवान श्री कृष्ण को समर्पित त्यौहार है। गोवर्धन पूजा के मौके पर देशभर के मंदिरों में धार्मिक आयोजन और अन्नकूट यानि भंडारे होते हैं। पूजन के बाद लोगों में भोजन प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।
- गोवर्धन पूजा के दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा लगाने का बड़ा महत्व है। मान्यता है कि परिक्रमा करने से भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गोवर्धन पूजा से जुड़ी पौराणिक कथा

विष्णु पुराण में गोवर्धन पूजा के महत्व का वर्णन मिलता है। बताया जाता है कि देवराज इंद्र को अपनी शक्तियों पर अभिमान हो गया था और भगवान श्री कृष्ण इंद्र के अहंकार को चूर करने के लिए एक लीला रची थी। इस कथा के अनुसार एक समय गोकुल में लोग तरह–तरह के पकवान बना रहे थे और हर्षोल्लास के साथ गीत गा रहे थे। यह सब देखकर बाल कृष्ण ने यशोदा माता से पूछा कि, आप लोग किस उत्सव की तैयारी कर रहे हैं। कृष्ण से सवाल पर मां यशोदा ने कहा कि, हम देवराज इंद्र की पूजा कर रहे हैं। माता यशोदा के जवाब पर कृष्ण ने फिर पूछा कि हम इंद्र की पूजा क्यों करते हैं। तब यशोदा मां ने कहा कि, इंद्र देव की कृपा से अच्छी बारिश होती है और अन्न की पैदावार होती है, हमारी गायों को चारा मिलता है। माता यशोदा की बात सुनकर कृष्ण ने कहा कि, अगर ऐसा है तो हमें गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। क्योंकि हमारी गाय वहीं चरती है, वहां लगे पेड़–पौधों की वजह से बारिश होती है। कृष्ण की बात मानकर सभी गोकुल वासियों ने गोवर्धन पर्वत की पूजा शुरू कर दी। यह सब देख देवराज इंद्र क्रोधित हो गए और अपने इस अपमान का बदला लेने के लिए मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। प्रलयकारी वर्षा देखकर सभी गोकुल वासी घबरा गए। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीला दिखाई और गोवर्धन पर्वत को छोटी सी अंगुली पर उठा लिया और समस्त ग्राम वासियों को पर्वत के नीचे बुला लिया। यह देखकर इंद्र ने बारिश और तेज कर दी लेकिन 7 दिन तक लगातार मूसलाधार बारिश के बावजूद गोकुल वासियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इसके बाद इंद्र को अहसास हुआ कि मुकाबला करने वाला कोई साधारण मनुष्य नहीं हो सकता है। इंद्र को जब यह ज्ञान हुआ कि वह भगवान श्री कृष्ण से मुकाबला कर रहा था, इसके बाद इंद्र ने भगवान श्री कृष्ण से क्षमा याचना की और स्वयं मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया। इस पौराणिक घटना के बाद से गोवर्धन पूजा की शुरुआत हुई।

गोवर्धन पूजा के दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा का विशेष महत्व है। गोवर्धन पर्वत उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित है। जहां हर साल देश और दुनिया से लाखों श्रद्धालु गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा के लिए पहुंचते हैं।

• गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट उत्सव

गोवर्धन पूजा के मौके पर मंदिरों में अन्न कूट का आयोजन किया जाता है। अन्न कूट यानि कई प्रकार के अन्न का मिश्रण, जिसे भोग के रूप में भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाया जाता है। कुछ स्थानों पर विशेष रूप से बाजरे की खिचड़ी बनाई जाती है, साथ ही तेल की पूड़ी आदि बनाने की परंपरा है। अन्न कूट के साथ–साथ दूध से बनी मिठाई और स्वादिष्ट पकवान भोग में चढ़ाए जाते हैं। पूजन के बाद इन पकवानों को प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को बांटा जाता है। कई मंदिरों में अन्न कूट उत्सव के दौरान जगराता किया जाता है और भगवान श्री कृष्ण की आराधना कर उनसे खुशहाल जीवन की कामना की जाती है।

एस्ट्रोसेज की ओर से सभी पाठकों को गोवर्धन पूजा की अनंत शुभकामनाएं !

गोवर्धन पूजा मुहूर्त
New Delhi India के लिए

गोवर्धन पूजा

सायंकाल मुहूर्त :15:25:46 **से** 17:39:44 **तक**

अवधि : 2 **घंटे** 13 **मिनट**

भाई दूज पर्व

29 अक्टूबर, 2019 (मंगलवार)
भाई दूज

भाई दूज पर्व, भाई–बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक है। भाई दूज या भैया दूज पर्व को भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया आदि नामों से मनाया जाता है। भाई दूज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाने वाला पर्व है। यह तिथि दीपावली के दूसरे दिन आती है। इस मौके पर बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख समृद्धि की कामना करती है। वहीं भाई शगुन के रूप में बहन को उपहार भेंट करता है। भाई दूज के दिन मृत्यु के देवता यमराज का पूजन भी होता है। मान्यता है कि इसी दिन यम देव अपनी बहन यमुना के बुलावे पर उनके घर भोजन करने आये थे।

भाई दूज मनाने की तिथि और नियम

भाई दूज (यम द्वितीया) कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाई जाती है। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जा सकती है।

1. शास्त्रों के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष में द्वितीया तिथि जब अपराह्न (दिन का चौथा भाग) के समय आये तो उस दिन भाई दूज मनाई जाती है। अगर दोनों दिन अपराह्न के समय द्वितीया तिथि लग जाती है तो भाई दूज अगले दिन मनाने का विधान है। इसके अलावा यदि दोनों दिन अपराह्न के समय द्वितीया तिथि नहीं आती है तो भी भाई दूज अगले दिन मनाई जानी चाहिए। ये तीनों मत अधिक प्रचलित और मान्य है।
2. एक अन्य मत के अनुसार अगर कार्तिक शुक्ल पक्ष में जब मध्याह्न (दिन का तीसरा भाग) के समय प्रतिपदा तिथि शुरू हो तो भाई दूज मनाना चाहिए। हालांकि यह मत तर्क संगत नहीं बताया जाता है।
3. भाई दूज के दिन दोपहर के बाद ही भाई को तिलक व भोजन कराना चाहिए। इसके अलावा यम पूजन भी दोपहर के बाद किया जाना चाहिए।

भाई दूज पर होने वाले रीति रिवाज़ और विधि

हिंदू धर्म में त्यौहार बिना रीति रिवाजों के अधूरे हैं। हर त्यौहार एक निश्चित पद्धति और रीति–रिवाज से मनाया जाता है।

1. भाई दूज के मौके पर बहनें, भाई के तिलक और आरती के लिए थाल सजाती है। इसमें कुमकुम, सिंदूर, चंदन,फल, फूल, मिठाई और सुपारी आदि सामग्री होनी चाहिए।
2. तिलक करने से पहले चावल के मिश्रण से एक चौक बनायें।
3. चावल के इस चौक पर भाई को बिठाया जाए और शुभ मुहूर्त में बहनें उनका तिलक करें।
4. तिलक करने के बाद फूल, पान, सुपारी, बताशे और काले चने भाई को दें और उनकी आरती उतारें।
5. तिलक और आरती के बाद भाई अपनी बहनों को उपहार भेंट करें और सदैव उनकी रक्षा का वचन दें।

भाई दूज से जुड़ीं पौराणिक कथाएं

हिंदू धर्म में जितने भी पर्व और त्यौहार होते हैं उनसे कहीं ना कहीं पौराणिक मान्यता और कथाएं जुड़ी होती हैं। ठीक

इसी तरह भाई दूज से भी कुछ पौराणिक कथाएं जुड़ी हुई हैं। ये प्राचीन कथाएं इस पर्व के महत्व को और बढ़ाती है।

यम और यमि की कथा

पुरातन मान्यताओं के अनुसार भाई दूज के दिन ही यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे, इसके बाद से ही भाई दूज या यम द्वितीया की परंपरा की शुरुआत हुई। सूर्य पुत्र यम और यमी भाई–बहन थे। यमुना के अनेकों बार बुलाने पर एक दिन यमराज यमुना के घर पहुंचे। इस मौके पर यमुना ने यमराज को भोजन कराया और तिलक कर उनके खुशहाल जीवन की कामना की। इसके बाद जब यमराज ने बहन यमुना से वरदान मांगने को कहा, तो यमुना ने कहा कि, आप हर वर्ष इस दिन में मेरे घर आया करो और इस दिन जो भी बहन अपने भाई का तिलक करेगी उसे तुम्हारा भय नहीं होगा। बहन यमुना के वचन सुनकर यमराज अति प्रसन्न हुए और उन्हें आशीष प्रदान किया। इसी दिन से भाई दूज पर्व की शुरुआत हुई। इस दिन यमुना नदी में स्नान का बड़ा महत्व है क्योंकि कहा जाता है कि भाई दूज के मौके पर जो भाई–बहन यमुना नदी में स्नान करते हैं उन्हें पुण्य की प्राप्ति होती है।

भगवान श्री कृष्ण और सुभद्रा की कथा

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार भाई दूज के दिन ही भगवान श्री कृष्ण नरकासुर राक्षस का वध कर द्वारिका लौटे थे। इस दिन भगवान कृष्ण की बहन सुभद्रा ने फल,फूल, मिठाई और अनेकों दीये जलाकर उनका स्वागत किया था। सुभद्रा ने भगवान श्री कृष्ण के मस्तक पर तिलक लगाकर उनकी दीर्घायु की कामना की थी। इस दिन से ही भाई दूज के मौके पर बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं और बदले में भाई उन्हें उपहार देते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में भाई दूज पर्व

देश के विभिन्न इलाकों में भाई दूज पर्व को अलग–अलग नामों से मनाया जाता है। दरअसल भारत में क्षेत्रीय विविधता और संस्कृति की वजह से त्यौहारों के नाम थोड़े परिवर्तित हो जाते हैं हालांकि भाव और महत्व एक ही होता है।

पश्चिम बंगाल में भाई दूज

पश्चिम बंगाल में भाई दूज को भाई फोटा पर्व के नाम से जाना जाता है। इस दिन बहनें व्रत रखती हैं और भाई का तिलक करने के बाद भोजन करती हैं। तिलक के बाद भाई भेंट स्वरूप बहन को उपहार देता है।

महाराष्ट्र में भाई दूज पर्व

महाराष्ट्र और गोवा में भाई दूज को भाऊ बीज के नाम से मनाया जाता है। मराठी में भाऊ का अर्थ है भाई। इस मौके पर बहनें तिलक लगाकर भाई के खुशहाल जीवन की कामना करती हैं।

उत्तर प्रदेश में भाई दूज पर्व

यूपी में भाई दूज के मौके पर बहनें भाई का तिलक कर उन्हें आब और शक्कर के बताशे देती हैं। उत्तर प्रदेश में भाई दूज पर आब और सूखा नरियल देने की परंपरा है। आब देने की परंपरा हर घर में प्रचलित है।

बिहार में भाई दूज पर्व

बिहार में भाई दूज पर एक अनोखी परंपरा निभाई जाती है। दरअसल इस दिन बहनें भाइयों को डांटती हैं और उन्हें भला बुरा कहती हैं और फिर उनसे माफी मांगती हैं। दरअसल यह परंपरा भाइयों द्वारा पहले की गई गलतियों के चलते निभाई जाती है। इस रस्म के बाद बहनें भाइयों को तिलक लगाकर उन्हें मिठाई खिलाती हैं।

नेपाल में भाई दूज पर्व

नेपाल में भाई दूज पर्व भाई तिहार के नाम से लोकप्रिय है। तिहार का मतलब तिलक या टीका होता है। इसके अलावा भाई दूज को भाई टीका के नाम से भी मनाया जाता है। नेपाल में इस दिन बहनें भाइयों के माथे पर सात रंग से बना तिलक लगाती हैं और उनकी लंबी आयु व सुख, समृद्धि की कामना करती हैं।

भाई दूज पर्व भाई और बहन के पवित्र रिश्ते और प्यार का प्रतीक है। आइये भाई दूज के अवसर पर हम सब भाई–बहन एक–दूसरे से प्यार बांटे और खुशहाल जीवन की कामना करें।

EUREKA
Innovation in Career Counselling:
CogniAstro™
Right Counselling, Bright Career
Know More

वास्तु दोष के कारण, लक्षण और निदान

दीप्ति जैन

वास्तु टिप्स के द्वारा वास्तु दोष को दूर किया जाता है। वास्तुशास्त्र एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है जिसके अंतर्गत घर, भवन और मंदिर निर्माण की व्यवस्थित प्रक्रिया होती है। इस विज्ञान को वास्तु कला के नाम से भी जाना जाता है। वास्तु शास्त्र में दिशाओं का स्थान महत्वपूर्ण हैं। वैसे तो मूल रूप से चार दिशाएँ (पूर्व–पश्चिम और उत्तर–दक्षिण) हैं लेकिन वास्तुशास्त्र में 10 दिशाएं होती हैं। इनमें मूल दिशाओं के अलावा आकाश, पाताल, ईशान, आग्नेय, नैऋत्य और वायव्य दिशाएं आती हैं।

वास्तु शास्त्र में दिशाएँ

पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा होती है। वास्तु के अनुसार इस दिशा के स्वामी इंद्र देव हैं। यह सुख और समृद्धि की दिशा होती है। भगवान शिव को ईशान कोण का स्वामी माना जाता है। यह दिशा उत्तर और पूर्व के मध्य की दिशा होती है। पूर्व और दक्षिण दिशा के मध्य को आग्नेय कोण कहा जाता है। अग्नि देव इस दिशा के स्वामी हैं। वहीं दक्षिण दिशा के स्वामी यम हैं। यह दिशा सुख और संपन्नता को दर्शाती है। दक्षिण और पश्चिम दिशा के मध्य भाग को नैऋत्य कोण कहा जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस दिशा का स्वामी राक्षस है। इस दिशा का वास्तु दोष दुर्घटना, रोग और मानसिक पीड़ा का कारक होता है। पश्चिम दिशा के देवता वरुण हैं और वास्तुशास्त्र के अनुसार शनिदेव पश्चिम दिशा के स्वामी हैं। यह दिशा प्रसिद्धि और भाग्य को दर्शाती है। उत्तर और पश्चिम के मध्य कोणीय स्थान को वायव्य दिशा कहा जाता है। इस दिशा के स्वामी वायु देव हैं। यह दिशा पड़ोसियों, मित्रों और संबंधियों से अच्छे या बुरे संबंधों का कारक है। उत्तर दिशा के देवता कुबेर हैं और बुध ग्रह इस दिशा के स्वामी है। उत्तर दिशा को मातृ स्थान भी कहा जाता है।

वास्तु दोष क्या होता है?

वेदों के अनुसार चारों दिशाओं में विभिन्न देवताओं के स्थान होते हैं, साथ ही नवग्रहों की दिशाएं भी निर्धारित होती हैं। इनके प्रभाव से हमें सकारात्मक ऊर्जा व आत्मबल मिलता है लेकिन यदि मकान, भवन या दुकान बनाते समय यदि दिशा संबंधी कोई कमी या त्रुटि रह जाती है तो वास्तु दोष

उत्पन्न होता है। इसके प्रभाव से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होने लगता है और इसे ही वास्तु दोष कहा जाता है। वास्तु दोष को दूर करने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिएः–

वास्तु दोष निवारण यंत्र

वास्तु यंत्र बहुत शक्तिशाली होता है। यह यंत्र घर, दफ्तर या किसी भी इमारत की वास्तु में दोष की वजह से उत्पन्न होने वाले हानिकारक प्रभावों से निपटने के लिए प्रभावशाली होता है। वास्तु यंत्र पंच तत्वों पृथ्वी, जल, वायु, आग्नेय और आकाश के बीच सतुंलन बनाकर हमारे घर और कार्य स्थल पर सुख, समृद्धि और मानसिक शांति प्राप्त करने में मदद करता है। वास्तु यंत्र न केवल बुरे प्रभावों को खत्म करता है बल्कि सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर की पूर्व व उत्तर दिशा ऊँची हो ओर पश्चिम व दक्षिण दिशा नीची हो तो उस घर में आये दिन झगड़ा होता है और आर्थिक समस्यायें बनी रहती है, लिहाज़ा इसका अवश्य ध्यान रखना चाहिए। घर का वायव्य कोण ऊँचा होने पर शत्रुओं की संख्या में वृद्धि होती एवं दुर्घटनायें होती रहती है। जिस घर का नैऋत्य कोण और दक्षिण निचला हो और ईशान व उत्तर ऊँचा हो तो ऐसे घरों के मालिक शराब व अन्य व्यसनों में अपना धन बर्बाद करता है। रसोई घर सदैव पूर्व आग्नेय कोण में होना चाहिए और भोजन करते वक्त दक्षिण में मुंह करके नहीं बैठना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का नक्शा

यदि आप दो मंजिला मकान बनवाना चाहते है, तो पूर्व एंव उत्तर दिशा की ओर भवन की ऊँचाई कम रखें इससे भवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। भवन में पूर्व व उत्तर दिशा में ही दरवाजे व खिड़कियां रखनी चाहिए। दक्षिण व पश्चिम दिशा में भूलकर भी खिड़कियाँ नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार घर में धन रखने के लिए तिजोरी का मुख हमेशा उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। पूर्व दिशा में बाथरूम शुभ रहता है।

वास्तु के अनुसार घर में रंग

वास्तुशास्त्र के उपाय के तहत बताया गया है कि घर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्व व अग्नि कोण के द्वार का रंग सदैव हरा या नीला रखना चाहिए। दक्षिण दिशा के प्रवेश द्वार का रंग हरा, लाल, बैंगनी, केसरिया होना चाहिए। नैऋत्य और ईशान कोण का प्रवेश द्वार हरे रंग का या पीला केसरी या बैंगनी होना चाहिए। पश्चिम और वायव्य दिशा का प्रवेश द्वार सफेद या सुनहरा होना चाहिए। उत्तर दिशा का प्रवेश द्वार आसमानी सुनहरा या काला होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार बेडरूम

वास्तुशास्त्र के टोटके बताते हैं कि बेडरूम में गेट के सामने वाली दीवार बेहद महत्वपूर्ण होती है। यह स्थान भाग्य और संपत्ति का क्षेत्र होता है। इसलिए यह कहा जाता है कि इस दिशा का सही होना जरूरी है। वहीं बेडरूम में टेबल गोल होना चाहिए। बीम के नीचे व कालम के सामने नहीं सोना चाहिए। बच्चों के शयनकक्ष में काँच नहीं लगाना चाहिए।

मिट्टी और धातु की वस्तुएँ अधिक होना चाहिए। ट्यूबलाइट की जगह लैम्प होना चाहिए।

वास्तु टिप्स के अनुसार प्रमुख व्यक्तियों का शयन कक्ष नैऋत्य कोण में होना चाहिए और बच्चों को वायव्य कोण में रखना चाहिए। शयनकक्ष में सोते समय सिर उत्तर में, पैर दक्षिण में कभी न करें। आग्नेय कोण में सोने से पति–पत्नी में वैमनस्यता रहकर व्यर्थ धन व्यय होता है। ईशान में सोने से बीमारी होती है। पश्चिम दिशा की ओर पैर रखकर सोने से आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती है। उत्तर की ओर पैर रखकर सोने से धन की वृद्धि होती है एवं उम्र बढ़ती है।

वास्तु के अनुसार घर में मंदिर

वास्तुशास्त्र के उपाय के अनुसार ईशान कोण देवता का स्थान है इसलिए इस स्थान पर मंदिर होना चाहिए। इससे घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और परिवार वालों के ज्ञान में वृद्धि होती है। पूजा करते हुए मुख पूर्व की तरफ़ होना चाहिए। इसके अतिरिक्त उत्तर दिशा की ओर मुख करके भी पूजा की जाती है। ऐसा करने से घर में धन व समृद्धि आती है। वहीं अगर आप अभी पढ़ाई कर रहे हैं तो पूर्व अथवा उत्तर दिशा की तरफ़ मुख करके अध्ययन करें।

वास्तु के अनुसार घर में तस्वीरें

वास्तुशास्त्र के सरल उपाय के तहत घर या ऑफिस पर हिंसक तस्वीरें नहीं होनी चाहिए। फल–फूल और बच्चों की तस्वीरें जीवन शक्ति के प्रतीक होती हैं इन्हे घर की दीवार पर पूर्व या उत्तर की दिशा में होना चाहिए। पर्वत आदि प्राकृतिक दृश्य दर्शाती तस्वीरों को दक्षिण या पश्चिम दिशा में लगाना सही रहता है। शुभ प्रतीक चिन्हों (स्वास्तिक, मंगल कलश, ध आदि) की तस्वीरों को लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। वास्तु के अनुरूप पूर्वजों के चित्र हमेशा दक्षिण दिशा में लगाने चाहिए। पूर्वजों के चित्रों को मन्दिर में न रखें।

शुक्र का तुला राशि में गोचर

04
अक्टूबर, 2019

वैदिक ज्योतिष के अनुसार शुक्र ग्रह को एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के रूप में माना जाता है। जिसका प्रभाव अमूमन जातकों के जीवन पर सकारात्मक रूप से ही पड़ता है। इस ग्रह को विशेष रूप से सौंदर्य, कला, प्रेम और विभिन्न सांसारिक सुखों का कारक माना जाता है। यदि व्यक्ति की कुंडली में शुक्र की स्थिति मजबूत होती है तो इससे जातकों को विशेष रूप से जीवन में भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है। ऐसे व्यक्ति का जीवन आलीशान रूप से बीतता है। कुंडली में शुक्र की स्थिति अनुकूल होने से जातक को प्रेम संबंध और वैवाहिक जीवन में अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। इसके साथ ही साथ उन्हें विदेश यात्रा, वाहन और विभिन्न लक्ज़री चीजों का सुख प्राप्त होता है। वहीं दूसरी तरफ यदि किसी की कुंडली में शुक्र की स्थिति कमजोर हो तो, ऐसे व्यक्ति को जीवन में कड़ी मेहनत के वाबजूद भी कुछ ख़ास सुख की प्राप्ति नहीं हो पाती है। शुक्र के नकारात्मक प्रभावों से जातक त्वचा या यौन रोग से पीड़ित हो सकते हैं। यदि कुंडली में शुक्र की स्थिति अनुकूल ना हो तो, शुक्र ग्रह की शांति के उपाय करने चाहिए। आज इस लेख के माध्यम से हम आपको 2019 में शुक्र के तुला राशि में होने वाले गोचर का विभिन्न राशि के जीवन पर पड़ने वाले परिणामों के बारे में बताने जा रहे हैं।

शुक्र के तुला राशि में गोचर का समय

शुक्र ग्रह 4 अक्टूबर 2019, शुक्रवार को प्रातः 04:56 बजे कन्या राशि से निकल कर तुला राशि में गोचर करेगा और 28 अक्टूबर 2019, सोमवार को प्रातः 08:12 बजे तक इसी राशि में स्थित रहेगा। शुक्र के तुला राशि में होने वाले इस

गोचर का असर सभी बारह राशियों पर देखने को मिलेगा। आईये देखें शुक्र का ये गोचर किसके लिए रहेगा फलदायी और किसके जीवन में आएगी कठिनाई।

मेष राशि

इस गोचर के दौरान शुक्र आपकी राशि से सातवें भाव में स्थापित होंगें। शुक्र के इस गोचर का विशेष प्रभाव आपको कार्यक्षेत्र पर देखने को मिल सकता है। इस दौरान कार्यस्थल पर आपके ओहदे में वृद्धि होगी और आप अपने सहकर्मियों के बीच एक हीरो के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो पाएंगे। हाँ लेकिन इस गोचरीय अवधि के दौरान इस बात का विशेष ख्याल रखें कि कार्य स्थल पर किसी भी वाद विवाद की स्थिति में ना पड़े, इससे आपकी छवि को नुकसान पहुँच सकता है। मेष राशि के पुरुष जातकों को इस दौरान शुक्र ग्रह के सकारात्मक परिणामों के लिए खासतौर से महिलाओं का सम्मान ज़रूर करना चाहिए। सेहत की बात करें तो, इस गोचरकाल में आप अपने स्वास्थ्य को लेकर परेशानियों का सामना कर सकते हैं। लिहाजा सेहत का विशेष ध्यान रखें और किसी भी स्थिति में स्वास्थ्य को अनदेखा ना करें। यदि आप शादी शुदा हैं तो आपके लिए ये गोचर निम्न और उच्च दोनों ही परिणाम लेकर आ सकता है। जहाँ एक तरफ वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी का साथ मिलेगा और दोनों के बीच प्यार और रोमांस का भाव जागृत होगा वहीं दूसरी तरफ कोई बात आपके बीच मतभेद का कारण भी बन सकती है। वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनाये रखने के लिए इस बीच जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास ज़रूर करें। प्रेम जीवन की बात करें तो, आपको अपने पार्टनर के साथ प्रेम विवाह करने में कठिनाईओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए शुक्र का गोचर मध्यम फलदायी सिद्ध होगा।

उपाय: शुक्रवार को सफेद चंदन का दान करने से शुक्र ग्रह के हानिकारक प्रभाव से बचा जा सकता है ।

वृषभ राशि

इस गोचरीय अवधि के दौरान शुक्र आपकी राशि से छठे भाव में स्थित होंगें। इस गोचर के दौरान आपको विशेष रूप से अपनी सेहत का ख़ास ख्याल रखने की आवश्यकता पड़ सकती है। आपके लिए बेहतर होगा कि इस दौरान आप अपनी सेहत का खासतौर से ध्यान रखें और खान पान की आदतों में सुधार ज़रूर करें। स्वस्थ्य जीवन के लिए स्वास्थ्य आहार और जीवनशैली अपनाना विशेष रूप से अहमियत रखता है। गोचर की इस अवधि में आपके शत्रु आपके खिलाफ कोई ऐसी चाल चल सकते हैं जिससे आपको कठिनाईओं का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, इस दौरान आपको विशेष रूप से उनसे सावधान रहने की आवश्यकता होगी। किसी भी हाल में अपने शत्रुओं को खुद पर हावी ना होने दें। यदि आप विवाहित हैं तो शुक्र के इस गोचरकाल के दौरान आपको वैवाहिक जीवन में कुछ उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। अपने अहम को कभी भी अपने रिश्ते के बीच ना आने दें अन्यथा इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिल सकता है। यदि आप किसी व्यापार से जुड़े हैं तो, इस गोचरकाल के दौरान आपके बिज़नेस पार्टनर के साथ आपका किसी बात को लेकर मन मुटाव हो सकता है। जहाँ तक आर्थिक जीवन का सवाल है, तो इस गोचरीय अवधि में आपको फ़ालतू चीजों पर खर्च करने से बचना होगा। ग़ौरतलब है कि आपको इस समय पैसों की बचत पर ख़ास ध्यान देने की आवश्यकता होगी। पैसों का बचत कर आप इस गोचरकाल के दौरान आर्थिक तंगी का शिकार होने से बच सकते हैं। इस गोचरीय अवधि के दौरान यदि आप किसी यात्रा पर जाने का विचार कर रहे हैं तो, उसे कुछ समय के लिए निष्काषित करना ही आपके लिए हितकर होगा। इस समय यात्रा पर जाना आपके लिए नुक़सानदेह साबित हो सकता है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में किसी महिला के साथ आपके वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, स्थिति से बचने का भरपूर प्रयास करें। इस गोचरकाल के दौरान कार्य स्थल पर आपको विशेष रूप से पूरी मेहनत के साथ काम करना होगा तभी कहीं जाकर आपको सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में

सुधार के लिए इस समय आप बैंक से लोन भी ले सकते हैं। वृषभ राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर सामान्य रूप से फलदायी साबित हो सकता है।

उपाय: शुक्र के हानिकारक प्रभाव से बचने के लिए किसी मंदिर की पुजारिन को इत्र भेंट करें।

मिथुन राशि

इस गोचर के दौरान शुक्र आपकी राशि से पांचवें भाव में स्थापित होंगें। आपके लिए शुक्र के गोचर की ये अवधि विशेष रूप से सकारात्मक प्रभाव देने वाला साबित हो सकती है। निजी स्तर पर इस दौरान आप अपने विरोधियों को पराजित करने में सफल होंगें। आर्थिक स्तर पर देखा जाए तो, इस गोचरकाल के दौरान आप अपने पुराने कर्जों को चुकाने में सफल रहेंगे। किसी क़रीबी से लिया उधार या बैंक से लिए लोन को इस दौरान आप चुका सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से देखें तो, इस गोचरीय अवधि में आपको अपनी सेहत में ख़ासा सुधार देखने को मिलेगा। शारीरिक रूप से आप खुद को बिल्कुल फिट महसूस करेंगे और आपको एक विशेष ऊर्जा की अनुभूति होगी। मिथुन राशि के वैसे छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे थे, उन्हें गोचर की इस अवधि के दौरान सफलता प्राप्त हो सकती है। दूसरी तरफ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को भी अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम जीवन की जहाँ तक बात है तो, आपके जीवन में शुक्र के इस गोचर के दौरान प्रेम और रोमांस की बारिश होगी। इस दौरान आप अपने पार्टनर के साथ कोई फिल्म देखने या कैंडल लाइट डिनर के लिए जा सकते हैं। शुक्र के गोचर की ये अवधि आप दोनों के बीच प्यार के रिश्ते को और मजबूत बनाने का काम करेगी। यदि आप विवाहित हैं तो, इस समय आपको अपने जीवनसाथी की तरफ से कोई ऐसी खबर मिल सकती है जिससे जीवन में खुशियों का आगमन होगा। वहीं दूसरी तरफ यदि आप नवविवाहित जोड़े हैं तो आपको इस गोचर के दौरान संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। मिथुन राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर विशेष फलदायी साबित हो सकता है।

उपाय: विशेष लाभ के लिए ''ॐ शुं शुक्राय नमः'' मंत्र का जाप करें।

कर्क राशि

शुक्र के इस गोचर के दौरान ये आपकी राशि से चौथे भाव में विराजमान होंगें। शुक्र के इस गोचर काल में आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सबसे पहले यदि बात करें पारिवारिक जीवन की तो, इस दौरान परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ काफी समय के बाद आप कुछ पल सुकून के बिता पाएंगे। इस दौरान परिवार में किसी मांगलिक कार्य का भी आयोजन हो सकता है। जहाँ आर्थिक जीवन की बात है तो, आपके लिए गोचर की ये अवधि सुख समृद्धि देने वाला साबित हो सकता है। इस समय आप अपने सभी इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही साथ इस गोचरकाल में आप नई गाड़ी ख़रीद सकते हैं और घर की सजावट के सामानों पर अधिक पैसे खर्च कर सकते हैं। लिहाजा आर्थिक आधारों पर शुक्र का ये गोचर आपके लिए विशेष फ़ायदेमंद साबित हो सकता है। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो, कार्य स्थल पर आपका किसी के साथ मतभेद हो सकता है। हालाँकि यदि आप किसी विशेष कठिनाई का सामना कर रहे हैं तो, गोचर की इस अवधि में आपका कोई सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकता है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी आपके लिए ये गोचरकाल लाभकारी साबित होगा। बहरहाल इस दौरान आपको अपनी सेहत में विशेष सुधार देखने को मिल सकता है। सेहत को लेकर आप पहले से ज्यादा सजग रहेंगे और नियमित रूप से एक स्वस्थ्य जीवनशैली को अपनाएंगे। कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर सामान्य फल देने वाला सिद्ध होगा।

उपाय: शुक्र ग्रह के हानिकारक प्रभाव से बचने के लिए, भगवान शिव की आराधना करें और उन्हें सफेद पुष्प

सिंह राशि

इस गोचर के दौरान शुक्र आपकी राशि से तीसरे भाव में स्थापित होंगें। आपके लिए गोचर की ये अवधि खासतौर से, आपकी साहस, इच्छाशक्ति और काम करने की क्षमता को और भी अधिक प्रबल बना सकती है। इस गोचरकाल में आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे और किसी को अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे। शुक्र के इस गोचर के दौरान आपका विशेष रुझान धार्मिक कार्यों की तरफ हो सकता है। विभिन्न धर्मों को जानने में आपकी रुचि होगी और इस दौरान आप किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। पारिवारिक स्तर पर देखें तो, गोचर की इस अवधि के दौरान आपके भाई बहनों को उनके विशेष क्षेत्रों में लाभ मिल सकता है। लिहाजा परिवार में इस समय खुशियों का माहौल रहेगा और सदस्यों के बीच परस्पर प्रेम का भाव जागृत होगा। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो, इस गोचरकाल के समय आप नौकरी परिवर्तन का प्रयास कर सकते हैं। हालाँकि नौकरी बदलने का फैसला अच्छी तरह से सोच विचार करके ही करें। इसके साथ ही साथ कार्य स्थल पर आपको अपने सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिल सकता है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो, आपको सरकार की तरफ से किसी विशेष लाभ की प्राप्ति हो होने की उम्मीद है। सामाजिक स्तर पर देखें तो, शुक्र के इस गोचरकाल में आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी और आप समाज के प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने में सफल होंगें। इस गोचरकाल में आपका खासतौर से भाग्योदय होगा, बहरहाल आप जिस काम को करने में आगे बढ़ेंगे उसमें सफलता ज़रूर मिलेगी। यदि आप सिंगल हैं तो शुक्र के इस गोचर के दौरान आपके जीवन में किसी ख़ास का आगमन हो सकता है। सिंह राशि के जातकों के लिए गोचर की ये अवधि विशेष फलदायी साबित होगी।

उपाय: गाय को चारा खिलाने और उनकी पूजा करने से विशेष लाभ मिल सकता है।

कन्या राशि

इस गोचरीय अवधि के दौरान शुक्र आपकी राशि से दूसरे भाव में विराजमान होंगे। शुक्र के इस गोचरकाल के दौरान आपको आर्थिक रूप से विशेष लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इस दौरान आपको किसी विदेशी स्रोत से लाभ मिलने की पूरी संभावना है। गोचर की इस अवधि में यदि आप शेयर मार्किट या रियल एस्टेट में निवेश करने की सोच रहे हैं तो देर ना करें, आपको भरपूर लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक दृष्टिकोण से देखें तो, इस गोचरीय अवधि में आपको पारिवारिक स्तर पर विशेष लाभ की प्राप्ति हो सकती है। परिवार में किसी मांगलिक कार्य का समापन हो सकता है या किसी को संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। कुलमिलाकर देखा जाए तो परिवार में इस दौरान केवल खुशियों का माहौल रहेगा। इस गोचरकाल के दौरान किसी महिला मित्र से आपको विशेष लाभ मिलने की काफी ज्यादा उम्मीद है। यदि आप भोजन प्रिय हैं तो, इस समय आपको अपने पसंदीदा भोजन करने का अवसर मिल सकता है। शुक्र ग्रह के सकारात्मक प्रभाव से आपकी भाषा शैली में गज़ब का परिवर्तन देखने को मिल सकता है। इस वजह से आप दूसरों को अपनी बातों से प्रभावित करने में सफल रहेंगे। कन्या राशि के छात्रों को इस दौरान प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है। बच्चों को अपने पिता का भरपूर साथ मिलेगा और उनके आशीर्वाद से जीवन में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल होंगें। गोचर की इस अवधि में आपकी रुचि कला क्षेत्र में बढ़ सकती है। आप अभिनय, नृत्य या गायन के क्षेत्र में अपना भाग्य आज़मा सकते हैं। कन्या राशि के जातकों के लिए ये गोचर लाभदायक साबित हो सकता है।

उपाय: शुष्क चावल से भगवान शिव एवं माँ पार्वती की आराधना करने से शुक्र के हानिकारक प्रभाव से बचा जा सकता है।

तुला राशि

चूँकि शुक्र का गोचर आपकी ही राशि में हो रहा है, लिहाजा ये आपकी राशि से प्रथम भाव या लग्न भाव में स्थित होंगें। स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो आपके लिए ये गोचर विशेष फलदायी साबित हो सकता है। इस दौरान अपनी सेहत पर ख़ासा ध्यान दें और किसी भी चीज की अति ना करें क्योंकि हर चीज की अति हमेशा नुक़सानदेह ही साबित होती है। इस गोचरीय काल में व्यक्तिगत स्तर पर आपका विकास होगा और इसके परिणामस्वरूप जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आपको शुभ परिणाम मिलेंगे। आप अपने शत्रु पर हावी रहेंगे और उनपर आपका डर बना रहेगा। हालाँकि इस दौरान आपके मन में वासनात्मक विचार आ सकते हैं, लेकिन उसे नियंत्रण में रखने का भरपूर प्रयास करें अन्यथा आपकी छवि ख़राब हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं तो इस गोचरकाल के दौरान आपको संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। वहीं जो जातक अविवाहित हैं, उनके विवाह के योग बन रहे हैं। यदि आप किसी से प्रेम करते हैं तो, उन्हें इस दौरान अपने माता पिता से मिलवा सकते हैं। इस गोचरीय अवधि के दौरान आपकी रुचि धर्म कर्म के कार्यों में विशेष रूप से होगी और जीवन में सुख समृद्धि आएगी। यदि आप किसी बिज़नेस से जुड़े हैं तो, इस गोचरकाल में आपको व्यापार से ख़ासा लाभ की प्राप्ति हो सकती है। तुला राशि के छात्रों को परीक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए खासतौर से इस समय पुरजोर मेहनत करने की आवश्यकता होगी। आपके लिए शुक्र का ये गोचर सामान्य से ज्यादा फलदायी साबित होगा।

उपाय: ''ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः'' मंत्र का जाप करने से शुक्र के हानिकारक प्रभाव से बच सकते हैं।

वृश्चिक राशि

इस गोचर के दौरान शुक्र आपकी राशि से बारहवें भाव में विराजमान होंगें। गोचर की इस अवधि के दौरान आपको किसी विदेशी स्रोत से फायदा मिल सकता है। इसके साथ ही साथ इस दौरान आप अपने पसंदीदा जगह पर घूमने भी जा सकते हैं। आर्थिक आधारों पर देखें तो शुक्र के इस गोचर काल में जहाँ एक तरफ आपके ख़र्चों में इज़ाफा हो सकता है वहीं दूसरी तरफ आप भौतिक सुखों का लाभ भी उठा पाएंगे। ऐसा कहा जा सकता है कि इस अवधि में आपको विशेष रूप से आर्थिक स्तर पर एक संतुलन बना कर चलना होगा। हालांकि विभिन्न स्रोतों से आर्थिक लाभ और धन में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। लिहाजा यदि आप एक हाथ से धन का व्यय कर रहे हैं तो दूसरे हाथ से आपको धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षेत्र में विपरीत लिंगी लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ेगी, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको कार्यस्थल पर अवश्य देखने को मिल सकता है। यदि आप किसी व्यापार से जुड़े हैं तो, इस अवधि में आप बिज़नेस में इज़ाफा करने के लिए विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं। वृश्चिक राशि के विवाहित जातकों को गोचर की इस अवधि में वैवाहिक जीवन का भरपूर लाभ प्राप्त होगा और जीवनसाथी के साथ सुखी जीवन का आनंद उठा पाएंगे। हालाँकि इस दौरान आपको खासतौर से अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। वो किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट से गुज़र सकते हैं। प्रेम जीवन के आधार पर देखा जाए तो, आपके लिए शुक्र का ये गोचर कुछ ख़ास अच्छा नहीं होगा। इस अवधि में आपके पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस स्थिति से निकलने के लिए आपको विशेष रूप से पार्टनर के साथ विवाद की स्थिति से बचना होगा। वृश्चिक राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर मध्यम फलदायी सिद्ध होगा।

उपाय: विशेष लाभ के लिए कन्याओं को खीर खिलाएं।

धनु राशि

इस गोचरीय अवधि में शुक्र आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में स्थापित होंगें। शुक्र का ये गोचर आपके लिए आर्थिक रूप से खासतौर से लाभदायक साबित होगा। इस दौरान जीवन में सुख समृद्धि आएगी और आप विभिन्न भौतिक सुखों का भरपूर लाभ उठा पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को विशेष रूप से सराहा जाएगा और इसके फलस्वरूप आपके आय में भी वृद्धि हो सकती है। आप जिस काम को अपने हाथ में लेंगे उसमें विशेष रूप से आपको सफलता हासिल हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगें और आपकी तारीफ करते नहीं थकेंगे। यदि आप किसी के प्रेम में हैं तो, इस गोचरीय अवधि में आप अपने पार्टनर के साथ बेहद रोमांटिक पल गुजार पाएंगे। आप दोनों के बीच प्रेम और सौहार्द की भावना में वृद्धि होगी, आप चाहे तो इस वक़्त घरवालों से शादी की बात भी कर सकते हैं। इसके साथ ही यदि आप विवाहित हैं तो, आपको वैवाहिक स्तर पर जीवनसाथी के साथ अच्छा वक़्त गुज़ारने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान विपरीत लिंग के लोगों के साथ आपकी नयी दोस्ती होगी और जीवन में आने वाले कठिनाईओं का सामना करने में उनका भरपूर साथ मिलेगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो धनु राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर मिला जुला परिणाम देने वाला है।

उपाय: शुक्र के हानिकारक प्रभाव से बचने के लिए और माँ लक्ष्मी जी की कृपा दृष्टि पाने के लिए श्री सूक्त का जाप करें।

मकर राशि

इस गोचरीय अवधि में शुक्र आपकी राशि से दसवें भाव में स्थापित होंगें। गोचर की ये अवधि आपके लिए खासतौर से कार्यक्षेत्र में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इस दौरान आप काम तो पूरी मेहनत के साथ करेंगे लेकिन उसमें आपको कुछ ख़ास लाभ नहीं मिलेगा। इस गोचरकाल के दौरान आप अपने वर्तमान जॉब में परिवर्तन कर सकते हैं। हालाँकि जॉब चेंज करने से पहले आपको इस बारे में अच्छी तरह से सोच विचार करने की आवश्यकता होगी। पारिवारिक स्तर पर, बच्चों के साथ किसी बात को लेकर आपका मनमुटाव हो सकता है। बच्चों की भावना आहत ना हो इसके लिए उनसे प्रेम पूर्ण व्यवहार बना कर रखें। पारिवारिक वातावरण में शांति बनाए रखने के लिए सदस्यों से मतभेद की स्थिति से बचें। गोचर की इस अवधि में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी, क्योंकि आपके दुश्मन आप पर हावी होने का प्रयास करेंगे, इसलिए आपके लिए बेहतर होगा की उनसे उलझने के बजाय उन्हें नज़रअंदाज़ करें। मकर राशि के पुरुष जातकों को विशेष सलाह दी जाती है कि इस दौरान खासतौर से महिलाओं का सम्मान ज़रुर करें। पारिवारिक जीवन की बात करें तो, इस गोचरकाल में परिवार में सुख शांति का माहौल रहेगा और परिवार के सदस्यों के साथ आप अच्छा वक़्त व्यतीत कर पाएंगे। प्रेम जीवन की बात करें तो, इस दौरान आपको अपने पार्टनर के साथ कुछ ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यदि आप शादीशुदा हैं तो, वैवाहिक स्तर पर आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप किसी बिज़नेस से जुड़े हैं तो, शुक्र के इस गोचरीय अवधि में आपको व्यापार में किसी प्रकार की बाधा का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार का इज़ाफ़ा करने के दौरान किसी सरकारी अधिकारी के साथ आपका मतभेद हो सकता है।

उपाय: माँ दुर्गा की आराधना कर आप शुक्र के हानिकारक प्रभावों से बच सकते हैं।

कुंभ राशि

शुक्र के तुला राशि में गोचर के दौरान ये आपकी राशि से नवम भाव में स्थित होंगें। शुक्र के इस गोचर के दौरान आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से लाभ मिलने की पूरी संभावना है। इस दौरान आप परिवार या मित्रों के साथ किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। आपके लिए ये यात्रा विभिन्न रूपों में फलदायी साबित हो सकती है। सामाजिक स्तर पर देखें तो, इस गोचरीय अवधि में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और समाज़ में आप प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आएँगे। इस दौरान आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में ज्यादा होगी और आप किसी प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को पहचान ज़रुर मिलेगी लेकिन इसमें आपको किसी महिला सहकर्मी की मदद की जरुरत होगी। यदि आप किसी सरकारी नौकरी में हैं तो, इस गोचरकाल के दौरान आपको सरकार की तरफ से विशेष लाभ प्राप्ति हो सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के कयास लगाए बैठे हैं तो इस दौरान आपको उस काम में सफलता मिल सकती है। उम्मीद है कि इसी विशेष क्षेत्र में आपको स्थिर लाभ की प्राप्ति हो । यदि आप विवाहित हैं तो गोचर की इस अवधि के दौरान आपको अपने जीवनसाथी का भरपूर साथ मिलेगा और आप वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद उठा पाएंगे। वहीं प्रेम जीवन की बात करें तो, शुक्र का ये गोचर आपके लिए शुभ फलदायी साबित हो सकता है। अपने पार्टनर के साथ इस दौरान आप किसी रोमांटिक डेट पर जा सकते हैं। कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्र का ये गोचर खासतौर से लाभकारी साबित हो सकता है।

उपाय: विशेष लाभ प्राप्ति के लिए छोटी कन्याओं का आशीर्वाद लें।

मीन राशि

इस गोचर के दौरान शुक्र आपकी राशि से आठवें भाव में विराजमान होंगें। मीन राशि के जातकों को इस गोचर के दौरान अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। हालाँकि गोचर की इस अवधि में आपको विशेष रूप से भौतिक सुखों की प्राप्ति हो सकती है। पारिवारिक जीवन भी सुखमय बीतेगा, इस दौरान आप घर में नया वाहन ख़रीद सकते हैं। आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभा पाएंगे, जिससे परिवार के सदस्यों की नज़रों में आप एक हीरो की तरह उभरकर आएँगे। परिवार के छोटे बच्चों के साथ आप एक खुशनुमा पल बीता सकते हैं। दूसरी तरफ छोटे भाई बहनों के साथ इस दौरान आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। यदि आप सिंगल हैं तो इस गोचरीय अवधि में किसी ख़ास के साथ आपका नया रिश्ता कायम हो सकता है। हाँ लेकिन इस दौरान आपके लिए दुनिया से इस रिश्ते को छिपाकर रखना ही हितकर होगा। कार्यक्षेत्र में अचानक ही आपको विशेष लाभ की प्राप्ति होगी जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। काम को लेकर आप पहले से ज्यादा सजग रहेंगे, जिसके फलस्वरूप आपके ओहदे में भी वृद्धि हो सकती है। सरकारी पद पर आसीन जातकों का इस दौरान किसी दूसरी जगह पर ट्रांसफर हो सकता है। स्वास्थ्य जीवन की बात करें तो, गोचर की इस अवधि में आप छोटी–मोटी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं। लिहाजा इस दौरान आपको खासतौर से अपना ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। मीन राशि के छात्रों को शुक्र के गोचर की इस अवधि के दौरान विशेष सफलता मिलने की संभावना है।

उपाय: शुक्रवार के दिन माँ दुर्गा को केसर युक्त खीर का भोग लगाने से आप शुक्र के हानिकारक प्रभाव से बच सकते हैं।

सूर्य का तुला राशि में गोचर

18 अक्टूबर, 2019

सूर्य देव को नवग्रहों का राजा माना जाता है। हालांकि खगोल विज्ञान के अनुसार सूर्य एक तारा है लेकिन ज्योतिषशास्त्र में इसे एक ग्रह माना गया है। हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोग एक देवता के रुप में सूर्य की उपासना करते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार यदि प्रतिदिन सूर्योदय के समय सूर्य देव को जल चढ़ाया जाए तो जन्म कुंडली में मौजूद सूर्य संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही सूर्य की उपासना करने से शारीरिक तेज और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। वैदिक ज्योतिष में सूर्य को आत्मा, पूर्वज, पिता और सरकारी सेवा का कारक माना गया है। कुंडली में मौजूद सभी 12 राशियों में से केवल एक राशि सिंह का स्वामित्व सूर्य देव को प्राप्त है। इसके साथ ही सूर्य देव कृतिका, उत्तराफाल्गुनी उत्तराषाढ़ा नक्षत्रों के स्वामी हैं।

सूर्य का कुंडली में प्रभाव

यदि आपकी राशि में सूर्य अच्छी स्थिति में विराजमान है तो जीवन में आपको मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है। सूर्य की अच्छी स्थिति आपको अच्छे कामों को करने की तरफ प्रेरित करती है। ऐसे जातकों को खुद पर पूरा नियंत्रण होता है। अगर किसी जातक की कुंडली में सूर्य बली है तो उसके मन में सकारात्मक विचार आते हैं और जीवन के प्रति उसका नज़रिया सकारात्मक होता है। वहीं अगर किसी कुंडली में सूर्य की स्थिति अच्छी न हो तो इसके बुरे प्रभाव आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए सूर्य के अच्छे फलों की प्राप्ति के लिए सूर्य ग्रह की शांति के उपाय करने चाहिए। सूर्य ग्रह की शांति के बहुत से उपाय हैं जिनमें से कुछ उपायों के बारे में हम आपको बताते हैं।

सूर्य ग्रह की शांति के उपाय

- सूर्य ग्रह की शांति के लिए सूर्य के बीज मंत्र 'ध ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः' का हर रोज जाप करना चाहिए।
- सूर्य ग्रह की शांति के लिए आप एक मुखी या बारह मुखी रुद्राक्ष को धारण कर सकते हैं।
- सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आप बेल मूल जड़ी को धारण करें। इस जड़ी को आप सूर्य की होरा या सूर्य के नक्षत्र में रविवार के दिन धारण करना उचित रहता है।

सूर्य गोचर का समय

सूर्य देव अब 18 अक्टूबर 2019, शुक्रवार 00:41 बजे कन्या से तुला राशि में गोचर करेगा और 17 नवंबर 2019, रविवार 00:30 बजे तक इसी राशि में स्थित रहेगा। सूर्य के इस राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर होगा। आईये इस राशिफल के माध्यम से डालते हैं उन प्रभावों पर एक नज़र..

यह राशिफल चंद्र राशि पर आधारित है।

मेष

सूर्य देव का गोचर आपकी राशि से सप्तम भाव में होने जा रहा है। इस भाव को विवाह भाव भी कहा जाता है। इस भाव में सूर्य के गोचर के चलते आपके वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। इसके साथ ही पारिवारिक स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती अपने भाई–बहनों के साथ किसी बात को लेकर आपकी कहासुनी हो सकती है। अगर आप परिवार के लोगों के साथ अपने मतभेदों को दूर नहीं करते हैं तो आपके रिश्ते तो प्रभावित होंगे ही साथ ही आपको भविष्य में परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। सूर्य के इस गोचर के दौरान आपके स्वभाव में क्रोध की अधिकता देखने को मिल सकती है। इस समय अपने मन को नियंत्रित करने के लिए आपको योग ध्यान का सहारा लेना चाहिए। वो कारोबारी जो साझेदारी में बिज़नेस करते हैं आपसी मतभेदों के कारण साझेदार के साथ उनके रिश्तों में कुछ खटास आ सकती है। प्रेम संबंधों में भी इस दौरान कुछ परेशानियां हो सकती हैं। हालांकि इस राशि के छात्रों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। आप शिक्षा के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना सकते हैं। अगर आप घर से बाहर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तो आपको बुरी संगति से बचकर रहने की जरुरत है।

उपाय– "ॐ ह्रां ह्रीं ह्रोम सः सूर्याय नमः" मंत्र का उच्चारण करें।

वृषभ

सूर्य देव का गोचर आपकी राशि से षष्ठम भाव में होगा। काल पुरुष की कुंडली में यह भाव कन्या राशि का होता है और इससे आपके शत्रुओं, आपको होने वाली बीमारियों, कानूनी लड़ाई आदि के बारे में विचार किया जाता है। इस गोचर के दौरान आपको अच्छे फल मिलने की पूरी उम्मीद है, इस समय आप अपने लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहेंगे और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जी जान लगा देंगे। हर स्थिति का डटकर सामना करने का आपका गुण इस समय आपको आपके प्रतिद्वंदियों पर हावी रखेगा। इस राशि के छात्रों के लिए सूर्य का यह गोचर बहुत लाभदायक रहने वाला है, जो छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा में भाग ले चुके हैं और अब परिणामों का इंतजार कर रहे हैं, सूर्य के इस गोचर के चलते उन्हें अपनी मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। कुल मिलाकर कहा जाए तो शिक्षा के क्षेत्र में आप मनचाहे परिणाम पा सकते हैं। पारिवारिक जीवन की बात की जाए तो संपत्ति से जुड़ा कोई छोटा–मोटा विवाद इस समय हो सकता है। हालांकि अंत में फैसला आपके पक्ष में आने की पूरी उम्मीद है। स्वास्थ्य इस दौरान अच्छा रहेगा किसी

पुरानी बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। सरकारी नीतियों से आपको लाभ होने की भी संभावना है।

उपाय– सूर्य देव को पानी में भीगे लाल फूल व सिंदूर अर्पित करें।

मिथुन

सूर्य का गोचर आपकी राशि से पंचम भाव में होगा। यह भाव संतान भाव भी कहलाता है और इससे विद्या और ज्ञान के बारे में भी विचार किया जाता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों के लिए यह गोचर शुभ रहेगा। यदि आप लंबे समय से किसी संस्था से जुड़े हैं तो इस समय आपकी पदोन्नति हो सकती है। आपके कार्य को सराहना मिलेगी जिससे कार्यक्षेत्र में आप और भी अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। इस राशि के छात्रों के लिए यह गोचर बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता, इस गोचर के समय आपका मन चंचल रहेगा और आप पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पाएंगे। एकाग्रता के लिए आपको प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। आर्थिक पक्ष कमजोर रह सकता है। इस समय सोच समझकर निवेश करें क्योंकि संभावना यह है कि इस समय किये गये निवेश से आपको कोई विशेष फायदा नहीं होगा। आपका स्वास्थ्य इस अवधि में कमजोर रह सकता है। सेहत को दुरुस्त करने के लिए आपको रोज़ाना कसरत करनी चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आपके भविष्य को खराब कर सकती है। प्रेम जीवन के लिए यह समय अच्छा रहेगा। वहीं जो जातक अभी तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात किसी खास शख्स से होने की संभावना है और यह खास शख्स आने वाले वक्त में उनका जीवनसाथी बन सकता है।

उपाय– रविवार के दिन भगवान विष्णु के मंदिर में शुद्ध घी चढ़ाएं।

कर्क

सूर्य के तुला राशि में गोचर के दौरान आपका चतुर्थ भाव सक्रिय अवस्था में रहेगा। इस भाव को सुख भाव भी कहा जाता है और इससे हम आपकी चल–अचल संपत्ति, माता, और समाज में आपकी स्थिति के बारे में विचार करते हैं। इस गोचर के दौरान आपकी माता की सेहत में गिरावट आ सकती है, जिसके चलते आपको भी मानसिक तनाव होगा और यह तनाव आपके चेहरे पर साफ दिखाई देगा। आपको किसी अच्छे डॉक्टर से माता का चैकअप करवाना चाहिए और उनके साथ समय बिताना चाहिए। वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर जीवनसाथी के साथ कहासुनी हो सकती है जिसकी वजह से आपकी प्रोफेशनल जिंदगी पर भी प्रभाव पड़ेगा। आपके काम करने की गति इस दौरान कम हो सकती है क्योंकि आपका मन आपको बार–बार भटकायेगा। पारिवारिक जीवन को व्यवस्थित करने के लिए आपको प्रयास करने की जरुरत है। अगर आप ऐसा नहीं करते तो यह आपके लिए घातक हो सकता है। इस राशि के कुछ जातक अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए इस समय अपना पुराना वाहन या प्रोपट्री बेच सकते हैं। छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए इस दौरान सार्थक प्रयास करने होंगे।

उपाय– सूर्य भगवान को रोजाना जल चढ़ाएं।

सिंह

सूर्य देव आपकी राशि से तृतीय भाव में गोचर करेंगे। काल पुरुष की कुंडली में यह भाव मिथुन राशि का होता है और इससे आपके साहस, पराक्रम, छोटे भाई–बहनों और आपके सामर्थ्य के बारे में विचार

किया जाता है। इस दौरान आप खुद को ऊर्जावन महसूस करेंगे और हर काम को पूरी रचनात्मकता के साथ पूरा करने की कोशिश करेंगे। किसी पुरानी बीमारी से इस दौरान आपको छुटकारा मिल सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को कार्यक्षेत्र में नया मुकाम हासिल हो सकता है। बीते समय में आपके द्वारा किये गये अच्छे कार्य अब फलित होंगे। सामाजिक जीवन में भी आप अच्छा प्रदर्शन कर पाने में सक्षम होंगे और अपनी तार्किक बुद्धि से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। इस राशि के कुछ जातकों को इस गोचर के दौरान छोटी दूरी की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, इन यात्राओं के कारण आपका स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है और ज़रूरी कामों में भी व्यवधान आ सकता है। इस समय आपको विपरीत लिंगी लोगों के साथ विनम्रतापूर्वक बात करनी चाहिए। आलस्य को अपने पर हावी न होने दें और सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए व्यायाम करें। इस राशि की ग्रहणियां अपने जीवनसाथी के साथ इस अवधि में कहीं घूमने जा सकती हैं।

उपाय– रविवार से रोजाना आदित्य हृदय स्त्रोत का जाप आरंभ करें।

कन्या

सूर्य ग्रह का गोचर आपकी राशि से द्वितीय भाव में होने से आपकी वाणी में इस दौरान कर्कशता आ सकती है। आपके बात करने का तरीका आपके कुछ करीबियों को आपसे दूर कर सकता है इसलिए आपको इस गोचर के दौरान सोच–समझकर बात करने की सलाह दी जाती है। पारिवारिक जीवन में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं यह बात आपको समझनी होगी, अगर छोटी–छोटी बातों को लेकर आप परिवार के लोगों पर क्रोधित हो जाएंगे तो इससे परिवार में अशांति बनी रहेगी, इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि अपने गुस्से पर काबू रखें और बिना वजह जानें किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया न दें। सेहत को लेकर आपको सचेत रहने की जरुरत है। सूर्य के इस गोचर की अवधि में आपको आंखों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। अगर विदेशों में आपकी ज़मीन है तो इससे आपको फायदा होने की पूरी संभावना है। आर्थिक पक्ष की बात करें तो इस समय आपको अपने ख़र्चों पर लगाम लगाने की जरुरत है ऐसा करके ही आप अपने धन को संचित कर सकते हैं। प्रेम जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आपको अपने अहम को पीछे रखना होगा और अपने पार्टनर की बातों को गौर से सुनना होगा। अगर आप दोनों एक दूसरे से दूर रहते हैं तो इस समय आपको मिलने का प्लान बनाना चाहिए।

उपाय– श्री हरिवंश पुराण को सुनें या जाप करें।

तुला

सूर्य देव का संचरण आपकी राशि से प्रथम भाव या आपके लग्न भाव में होगा। काल पुरुष की कुंडली में यह स्थान मेष राशि का होता है और इससे आपके स्वभाव, स्वास्थ्य और आत्मज्ञान के बारे में विचार किया जाता है। यह गोचर आपको स्वास्थ्य संबंधी कुछ परेशानियां दे सकता है। इसके साथ ही आपके व्यवहार में भी इस समय चिड़चिड़ापन देखा जा सकता है आप बेवजह छोटी–छोटी बातों पर अपने परिवार वालों के साथ झगड़ा कर सकते हैं। किसी भी क्षेत्र में किये जा रहे अपने प्रयासों में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो अपने गुस्सैल स्वभाव को बदलने की कोशिश कीजिए वरना आप अपना ही नुकसान कर बैठेंगे। आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अपने जीवनसाथी या माता–पिता से बात करने की जरुरत है। धन संचय करने के लिए आपको एक अच्छा बजट प्लान बनाना चाहिए। इस दौरान घर से बाहर के खाद्य–पदार्थों को खाने से बचे नहीं तो पेट से जुड़ी कोई समस्या आपको हो सकती है। छात्रों को इस दौरान पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और उन मित्रों से दूर रहना चाहिए जो आपका समय बर्बाद करते हैं। विदेशों में पढ़ाई कर रहे इस राशि के जातकों को इस समय अच्छे फल मिल सकते हैं।

उपाय– रविवार के दिन तांबे का बर्तन दान दें।

वृश्चिक

सूर्य का गोचर आपकी राशि से द्वादश भाव में होगा। इस भाव से हम आपके खर्च, हानि और मोक्ष के बारे में विचार करते हैं। इस राशि के कारोबारियों को इस गोचर के दौरान काम के संबंध में विदेश यात्रा या कोई लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्राएं जिस प्रयोजन से की जा रही हैं उनमें यदि आप सफल होना चाहते हैं तो हर स्थिति का सही से आकलन करके जाएं। मानसिक तनाव इस राशि के कुछ जातकों को इस दौरान परेशान कर सकता है। इस समय आपको कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे आपकी छवि धूमिल हो। बुरे लोगों की संगति में रहने से बेहतर होगा कि आप अकेले रहें। ख़र्चों में बढ़ौतरी हो सकती है। शारीरिक दर्द और आंतों से जुड़ी परेशानियां इस दौरान आपको हो सकती हैं इसलिए सेहत में सकारात्मक बदलाव करने के लिए अब आपको कमर कसनी होगी। छात्रों को यदि किसी विषय में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तो बिना किसी झिझक के इसके लिए उन्हें अपने गुरुजनों से बात करनी चाहिए। आपके पिता इस समय आपके भविष्य को लेकर आपको कोई महत्वपूर्ण सलाह दे सकते हैं।

उपाय– "ॐ हिरण्यगर्भाय नमः" मंत्र का उच्चारण करें।

धनु

सूर्य का आपकी राशि से एकादश भाव में संचरण होगा। एकादश भाव को लाभ भाव भी कहा जाता है और इससे हम जीवन में मिलने वाली उपलब्धियों, बड़े भाई बहनों आदि के बारे में विचार करते हैं। इस भाव में सूर्य के गोचर के दौरान आपको अच्छे फल मिलने की पूरी उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में इस समय आपको अपने सीनियर्स का साथ मिलेगा और लाभ प्राप्ति के नये मार्ग खुलेंगे। यह गोचर आपके स्वास्थ्य में भी सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा जिसकी वजह से आप पहले से ज्यादा सक्रिय नज़र आएँगे। धनु राशि का स्वामी बृहस्पति ग्रह है इसलिए इस राशि के जातक धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं, सूर्य के इस गोचर के दौरान आपकी धार्मिक भावनाओं में और भी ज्यादा इज़ाफा देखने को मिलेगा इस समय आप अपने परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। पिता के साथ आपके संबंधों में भी निखार आएगा और उनके जरिये आपको लाभ होने की भी पूरी संभावना है। इस गोचर के दौरान आपकी मुलाकात समाज के कुछ नामचीन लोगों से भी हो सकती है। छात्रों का मन इस समय उनके काबू में रहेगा, पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ–साथ आप कुछ धार्मिक पुस्तकों का भी अध्ययन कर सकते हैं।

उपाय– "ॐ घरिणी सूर्याय नमः" मंत्र का जाप करें।

मकर

सूर्य देव का गोचर आपकी राशि से दशम भाव में होगा। काल पुरुष की कुंडली में यह भाव मकर राशि का होता है। इस भाव को कर्म भाव भी कहा जाता है और इससे आपके कर्म, आपके पिता और समाज में आपकी स्थिति के बारे में विचार किया जाता है। इस भाव में सूर्य की स्थिति सरकारी क्षेत्रों से आपको लाभ दिलाएगी। यदि आप सरकारी नौकरी करते हैं तो आपका प्रोमोशन इस दौरान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में इस समय आपके सम्मान में वृद्धि हो सकती है और ऑफ़िस के सीनियर्स के साथ आपका उठना–बैठना हो सकता है। विपरीत लिंगियों के साथ किसी बात को लेकर आपकी कहासुनी होने के इस समय आसार हैं, इसलिए बात करते समय शब्दों का चुनाव सोच समझकर करें। आपको अपनी उत्तेजना पर इस समय काबू रखना होगा। पारिवारिक जीवन में इस वक्त कुछ उतार–चढ़ाव आ सकते हैं, कुछ ग़लतफ़हमियाँ आपके करीबीयों को

आपसे दूर कर सकती हैं। हालांकि जब वास्तविक स्थिति का आपको पता चलेगा तो आप हालात को स्वयं ही काबू में कर लेंगे। आपको इस दौरान शराब सिगरेट जैसे मादक पदार्थों से दूर रहना चाहिए, अगर आप इन चीजों का अधिक सेवन करते हैं तो समाज के बीच आपकी छवि खराब हो सकती है।

उपाय– गाय को गुड़ खिलाएं।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए सूर्य का गोचर उनकी राशि से नवम भाव में होगा। काल पुरुष की कुंडली में यह भाव धनु राशि का होता है और इससे आपके भाग्य, लंबी दूरी की यात्राओं और गुरु या गुरुतुल्य लोगों के बारे में विचार किया जाता है। सूर्य के इस गोचर के दौरान आपके पिता के स्वास्थ्य में गिरावट आने की संभावना है। इसके साथ ही किसी बात को लेकर पिता के साथ आपका मनमुटाव भी हो सकता है। पिता से अच्छे संबंध स्थापित करने के लिए आपको उनकी बातों को समझने की जरुरत है। आर्थिक पक्ष कमजोर रह सकता है लेकिन अगर आप अपने ख़र्चों पर नज़र बनाए रखें तो कई आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इस समय आपको अपने विरोधियों से सावधान रहने की जरुरत है क्योंकि आपकी बातों को गलत तरह से पेश करके वो आपके रास्ते में परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। जीवन में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए इस समय आपको अपने किसी पुराने और विश्वास पात्र मित्र से मिलना चाहिए। प्रेम जीवन की बात करें तो आपका गुस्सा आपके प्रेमी को आपसे दूर कर सकता है। अगर आपको प्रेम की डोर को मजबूत बनाए रखना है तो अपने पार्टनर के साथ समय बिताए और उनकी बातों को उनके तरीके से समझने की कोशिश करें।

उपाय– रविवार को लाल कपड़ा दान करें।

मीन

सूर्य का गोचर आपकी राशि से अष्टम भाव में हो रहा है। इस भाव को आयु भाव भी कहा जाता है और इससे हम जीवन में आने वाले उतार–चढ़ावों और अचानक होने वाली घटनाओं के बारे में विचार करते हैं। इस गोचरीय काल में आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं और लक्ष्य को हासिल करने में आपको परेशानियां भी आ सकती हैं। इस दौरान आपको धैर्य बनाए रखने की आवश्यकता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि आप कहीं फँस गए हैं तो ऐसी स्थिति से निकलने के लिए आप अपने किसी अच्छे दोस्त की सलाह ले सकते हैं। इस गोचर के दौरान आपको अपने गुस्से पर काबू रखना होगा। स्वास्थ्य की बात की जाए तो तैलीय और मसालेदार भोजन से आप खुद को जितना दूर रखेंगे उतना ही आप स्वस्थ रहेंगे। आपको गैर–कानूनी कार्यों से भी खुद को दूर रखने की जरुरत है नहीं तो समाज में आपकी छवि खराब हो सकती है। छात्रों को इस दौरान मिलेजुले फल मिलने की उम्मीद है। अगर आपको शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करना है तो अपने गुरुजनों से नज़दीकी बनाएँ और जिन विषयों को समझने में आपको परेशानी हो रही है उनमें अपने गुरुजनों की मदद लें।

उपाय– रविवार को गेहूं दान करें।

बुध का वृश्चिक राशि में गोचर

23 अक्टूबर, 2019

ज्योतिष शास्त्र में बुध बुद्धि का कारक ग्रह है। बुध ग्रह के आशीर्वाद से प्रभावित व्यक्ति जटिल से जटिल सवालों के जवाब ढूंढने में माहिर होते हैं। कुंडली में उत्तम बुध की स्थिति व्यक्ति को एक अच्छा व्यापारी, गणितज्ञ, वित्तीय कार्यों में कुशल, अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित करने वाला तथा तेज बुद्धि का व्यक्ति बनाती है। नव ग्रहों में सूर्य ग्रह को राजा तो बुध ग्रह को राजकुमार की संज्ञा दी गई है। यह एक तटस्थ ग्रह है जो दूसरे ग्रहों की संगति के अनुसार फल देता है। सौम्य ग्रहों के साथ संबंध बनाने पर अनुकूल और अच्छे फल तथा क्रूर ग्रहों के साथ संबंध बनाने पर अशुभ फल देने में सक्षम होता है। यदि आप बैंकिंग सेक्टर की परीक्षा पास करना चाहते हैं अथवा सांख्यिकी और एप्टिट्यूड जैसे विषयों में सफलता तथा तार्किक क्षमता को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको बुध की कृपा अवश्य चाहिए। भगवान गणेश बुध ग्रह के देव माने जाते हैं। बुध की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम गुणवत्ता का पन्ना रत्न धारण करना चाहिए तथा गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए। वहीं बुध ग्रह को मिथुन एवं कन्या राशि का स्वामी माना जाता है।

गोचर का समय व अवधि

बुध देव 23 अक्टूबर 2019, बुधवार रात्रि 22:47 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे और 31 अक्टूबर 2019, बृहस्पतिवार को रात्रि 20:33 बजे वक्री हो जाएंगे। इस स्थिति में ये 7 नवंबर 2019, बृहस्पतिवार की शाम 16:04 बजे तक इसी राशि में स्थित रहेंगे। ऐसे में आइये जानते हैं बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर क्या प्रभाव होगा।

मेष

बुध आपकी राशि से अष्टम भाव में स्थित होंगे। कुंडली के अष्टम भाव को आयुर्भाव कहा जाता है। इस भाव से जीवन में आने वाले उतार–चढ़ाव, अचानक से होने वाली घटनाएँ, आयु, रहस्य, शोध आदि को देखा जाता है। गोचर के प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आपके पास धन आएगा और यदि लोन लेने की योजना बना रहे हैं तो इस दौरान आपको सफलता मिल सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी प्रकार की रुकावट आने की संभावना है। ऐसी परिस्थिति में धैर्य से काम लें। वहीं इस अवधि में शोध और आध्यात्म में मन लगेगा। रहस्मयी चीज़ें आपको अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगी। पीएचडी कर रहे छात्रों के लिए यह समय अनुकूल साबित होगा। परिवार में भाई–बहनों को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आप उनकी मदद इत्यादि कर सकते हैं। गोचर के दौरान अपनी सेहत को लेकर थोड़े गंभीर रहें। क्योंकि इस समय आपकी सेहत थोड़ी नाज़ुक रह सकती है। बुध के इस गोचर की वजह से अचानक ही यात्राओं पर जाना पड़ सकता है। इस दौरान वाहन आदि संभाल कर चलाएँ। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी को किसी प्रकार का लाभ प्राप्त हो सकता है।

उपाय: बुधवार के दिन हरी सब्जियों का दान करें।

वृषभ

बुध आपकी राशि से सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष में कुंडली के सातवें भाव से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन, जीवनसाथी एवं जीवन के अन्य क्षेत्रों में बनने वाले पार्टनर्स का विचार किया जाता है। इस समय विवाहित जातकों के वैवाहिक जीवन में खुशियाँ आएँगी। जीवनसाथी को अपने क्षेत्र में सफलता मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन भी खुशहाल होगा। लव पार्टनर के साथ प्यार भरी बातों से प्रेम संबंधों में और भी ज़्यादा मज़बूती आएगी। प्रेम विवाह होने की संभावना तो है किंतु इसमें कुछ बाधाएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। करियर की दृष्टि से गोचर शुभ है। इस अवधि में आपको बेहतर अवसर प्राप्त हो सकता है। जॉब में भी परिवर्तन होने की संभावना नज़र आ रही है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में कोई काम या व्यापार कर रहे हैं तो उसमें आपको अनुकूल परिणाम मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में अच्छे फलों की प्राप्ति होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम और सदभावना देखने को मिलेगी। संतान स्वस्थ एवं खुश रहेगी। आर्थिक रूप से ख़र्चों में बढ़ोतरी के आसार हैं। अच्छा यह होगा कि आप अपने फ़िज़ूल के ख़र्चों को कम करें।

उपाय: श्री हरि विष्णु की पूजा करें और उनके समक्ष कपूर का दिया जलाएं।

मिथुन

बुध आपकी राशि से षष्ठम भाव में गोचर करेंगे। ज्योतिष में इस भाव को शत्रु भाव कहा जाता है। इस भाव से विरोधियों, रोग, पीड़ा, जॉब, कम्पीटीशन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, शादी–विवाह में अलगाव एवं क़ानूनी विवादों को देखा जाता है। बुध का यह गोचर आपके लिए बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं है। इस दौरान आपको विविध क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ख़ासकर आपको अपनी सेहत पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी। गोचर के दौरान आपका स्वास्थ्य कमज़ोर पड़ सकता है, इसलिए सेहत के मामले में अनदेखी न करें। दूसरी ओर, कार्य क्षेत्र में आपको अपने विरोधियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलेगी। वे आप पर हावी होने का प्रयास करेंगे। लेकिन किसी भी सूरत में आपको उनके सामने झुकना नहीं है। किसी प्रकार के क़ानूनी विवाद का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए ऐसा कोई भी ग़लत

कार्य न करें जिससे आपको क़ानूनी केस का सामना करना पड़े। कार्य क्षेत्र में बाधाएँ आएँगी। लेकिन आप अपनी मेहनत के बलबूते इन बाधाओं से पार पा लेंगे। ननिहाल पक्ष के लोगों से से मुलाक़ात होने की संभावना है। आर्थिक दृष्टि से यदि गोचर को देखा जाए तो इस अवधि में ख़र्चों में बढ़ोत्तरी संभव है।

उपाय: बुधवार को गुड़ दान करें।

कर्क

बुध आपकी राशि से पंचम भाव में गोचर करेंगे। कुंडली में इस भाव को संतान भाव के नाम से भी जाना जाता है। इस भाव से रोमांस, संतान, रचनात्मकता, बौद्धिक क्षमता, शिक्षा एवं नए अवसरों को देखा जाता है। इस दौरान संतान की सेहत पर ध्यान देना होगा। क्योंकि उन्हें किसी प्रकार की दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप एक छात्र हैं और उच्च शिक्षा पाना चाहते हैं तो समय आपके अनुकूल होगा। उच्च शिक्षा के लिए आप विदेश में भी जा सकते हैं। इस अवधि में आप अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करेंगे। वहीं प्रेम जीवन में लव पार्टनर के साथ संबंध अच्छे होंगे। लेकिन इस दौरान किसी बात को लेकर आप दोनों के बीच अनबन भी हो सकती है। यदि आप सिंगल हैं और सच्चे प्यार की तलाश में है तो इस बीच आपके दिल को कोई अच्छा लग सकता है। उसके साथ नई रिलेशनशिप की शुरुआत भी हो सकती है। वैवाहिक जीवन में कुछ गलतफ़हमियों के कारण जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। जीवनसाथी के लिए ये गोचर सफलता लेकर आएगा। इस दौरान आप कोई बड़ा संकल्प ले सकते हैं। संवाद शैली पहले से बेहतर होगी और आप बुद्धिमानी व समझदारी से काम लेंगे।

उपाय: मौसी, बुआ या चाची को हरे वस्त्र दान करें।

सिंह

बुध आपकी राशि से चतुर्थ भाव में गोचर कर रहे हैं। कुंडली के चौथे भाव को सुख भाव कहा जाता है। इस भाव से माता, जीवन में मिलने वाले सभी प्रकार के सुख, चल–अचल संपत्ति, लोकप्रियता एवं भावनाओं को देखा जाता है। गोचर के प्रभाव से आपके जीवन में खुशहाली व समृद्धि आएगी। घर–परिवार के लोगों के साथ समय बिताने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। इस बीच अपनों का साथ आपको प्रसन्नता का अनुभव कराएगा। गोचर के दौरान आपकी चल–अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। आप कोई प्रॉपर्टी या फिर वाहन आदि ख़रीद सकते हैं। माता जी के लिए गोचर लाभकारी रहने के संकेत दे रहा है। उनकी सेहत बढ़िया रहेगी और आपको उनका आशीर्वाद प्राप्त होता रहेगा। वहीं अपने कार्यक्षेत्र में आप मन लगाकर कार्य करेंगे। अच्छे कार्य की वजह से आपको अपने सीनियर्स से प्रशंसा मिलेगी। अगर आप एक छात्र हैं तो आप अपने लक्ष्य को पाने में पूरे तन मन से जुट सकते हैं। समाज में आपको प्रसिद्धि प्राप्त होगी। बड़े और समाज के प्रभुत्वशाली लोगों के साथ आपका उठना बैठना हो सकता है।

उपाय: किन्नरों का आशीर्वाद प्राप्त करें।

कन्या

बुध आपकी राशि से तृतीय भाव में जाएंगे। कुंडली में तीसरे घर को सहज भाव कहा जाता है। इस भाव से व्यक्ति के साहस, इच्छा शक्ति, छोटे भाई–बहनों, जिज्ञासा, जुनून, ऊर्जा, जोश और उत्साह को देखा जाता है। गोचर के दौरान आपके साहस और आत्म–विश्वास में वृद्धि होगी। इस दौरान आप अपने जुनून व संकल्प को लेकर ज़्यादा गंभीर

रहेंगे। आप निडरता के साथ आगे बढ़ेंगे और बेबाकी से अपने विचार दूसरों के समक्ष रखेंगे। संवाद शैली बेहतर होगी किंतु आपको अपने क्रोध पर काबू पाना होना अन्यथा किसी के साथ लड़ाई–झगड़ा भी हो सकता है। इस गोचर के दौरान आप अपनी जॉब भी बदल सकते हैं। दोस्तों व रिश्तेदारों की आवश्यकता पड़ने पर आप उनकी मदद कर सकते हैं। हालांकि किसी बात को लेकर आपका उनके साथ कोई मनमुटाव भी हो सकता है। नए लोगों से मिलने के आसार हैं। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी की सफलता से आपका सामाजिक स्तर और भी ऊँचा होगा। इस अवधि में छोटी–छोटी यात्राओं के भी योग हैं। छोटे भाई बहनों को सफलता मिलने की संभावना है। उनकी सफलता आपके चेहरे में मुस्कान लाएगी। ज़रुरत पड़ने पर आप उनकी मदद भी कर सकते हैं।

उपाय: दस मुखी रुद्राक्ष को गले में धारण करें।

तुला

बुध आपकी राशि से द्वितीय भाव में गोचर करेगा। ज्योतिष में दूसरे भाव से व्यक्ति के परिवार, उसकी वाणी, प्रारंभिक शिक्षा एवं धन आदि का विचार किया जाता है। बुध का गोचर आपके आर्थिक पक्ष के लिए सकारात्मक रहने वाला है। इस दौरान आपको आर्थिक लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। यह लाभ घरेलू या विदेशी ज़मीन से प्राप्त हो सकता है। बेहतर आर्थिक स्थिति से आप अपने पुराने कर्ज को उतारने में कामयाब होंगे। अगर इस बीच आपने बैंक या अन्य किसी आर्थिक संस्था से लोन के लिए आवेदन किया है तो वह आवेदन आपका स्वीकार्य होगा। ख़र्चों पर नियंत्रण पाने के लिए वित्तीय मामलों में समझदारी दिखाने की ज़रूरत है। निजी जीवन में आपको गोचर के कई तरह से लाभ मिल सकते हैं। आपकी वाणी में मिठास आएगी और अपनी बातों से दूसरों को आकर्षित कर सकेंगे। इस दौरान मुमकिन है कि आपके इस मधुर व्यक्तित्व के कारण आपको कुछ और भी लाभ मिल जाएं। वैवाहिक जीवन में जीवन साथी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है इसलिए उनका ख़्याल रखें। कार्य क्षेत्र में मेहनत व लगन के दम पर आपको करियर में सफलता मिलेगी। लेकिन खुद को विवादों से दूर भी रखें। परिवार में खुशहाली आएगी। घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य देखने को मिल सकता है।

उपाय: भगवान बुद्ध की पूजा करें और गाय को हरा चारा खिलाएं।

वृश्चिक

बुध ग्रह आपकी ही राशि में गोचर करेगा जो आपके प्रथम भाव अर्थात लग्न भाव में स्थित होगा। ज्योतिष में लग्न भाव को तनु भाव कहा जाता है। बुध का गोचर आपके स्वभाव पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस दौरान आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए खुद को काम में व्यस्त रखना ही बेहतर होगा। सेहत के भी नाजुक रहने के आसार हैं। इस दौरान आपको त्वचा, रक्त आदि से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है। ऐसे में आपको गोचर के दौरान अपनी सेहत के प्रति सावधान रहना होगा। इस दौरान आपका ध्यान आय के स्रोत को बढ़ाने पर रहेगा जिससे कई आर्थिक लाभ भी होंगे। सामाजिक समारोह में आना–जाना हो सकता है। भाई–बंधुओं के साथ विवाद हो सकते हैं इसलिए गुस्से पर काबू रखें। बरसों की कोई तमन्ना पूरी हो सकती है। इस दौरान विरोधियों का सामना डट कर सकेंगे और उन पर हावी रहेंगे। कार्य क्षेत्र पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे और सहकर्मी और सीनियर्स आपके कार्य की तारीफ करेंगे।

उपाय: बुधवार के दिन श्री विष्णु के मंदिर में कपूर दान करें।

धनु

बुध आपकी राशि से द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष में यह भाव व्यय भाव कहलाता है। इस भाव से ख़र्चे, हानि, मोक्ष, विदेश यात्रा आदि को देखा जाता है। बुध का गोचर आपके आर्थिक पक्ष को सबसे अधिक प्रभावित कर सकता है। इस अवधि में आपके ख़र्चे बहुत बढ़ जाएंगे। किसी कारण या फिर अनावश्यक रूप से पैसा ख़र्च हो सकता है। ऐसे में आपको अपने फ़िज़ूल के ख़र्चों में लगाम लगाने की आवश्यकता होगी। धन के मामले में किसी पर ज़रुरत से ज्यादा भरोसा करना भी हानिकारक हो सकता है। अगर आप किसी को उधार देते या फिर किसी से उधार पैसे लेते हैं तो उसका लिखित रूप में हिसाब ज़रुर रखें। बिज़नेस या फिर व्यावसायिक मामलों के लिए आप विदेश की ओर रुख कर सकते हैं। यह यात्रा आपके लिए फ़ायदेमंद साबित होगी। ध्यान रहे, गोचर के दौरान थोड़ा संभल कर भी रहें, क्योंकि आप इस दौरान विवादों में भी फँस सकते हैं। करियर का ग्राफ़ ऊपर जाएगा, साथ ही साथ विरोधी पक्ष भी मज़बूत हो जाएगा। ऐसे में उनके कुचक्र में न फँसें। सेहत को अनदेखा न करें अन्यथा कोई बड़ी प्रॉब्लम भी हो सकती है।

उपाय: बुधवार को हरी इलायची दान करें।

मकर

बुध आपकी राशि से एकादश भाव में स्थित होगा। कुंडली में एकादश भाव को आमदनी का भाव कहा जाता है। इस भाव से आय, जीवन में प्राप्त होने वाली सभी प्रकार की उपलब्धियाँ, मित्र, बड़े भाई–बहनों आदि को देखा जाता है। बुध का गोचर आपके लिए विभिन्न क्षेत्रों में लाभकारी होगा। इस दौरान आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल होंगे। अपने लक्ष्यों को पूरा करने की लालसा बढ़ेगी और आप उस राह पर सकारात्मक भाव से आगे बढ़ेंगे। कुछ रुकावटें आ सकती हैं लेकिन आप उनका डटकर सामना करेंगे। आर्थिक रूप से भी गोचर आपके लिए लाभकारी रहने वाला है। किराये पर दी गई प्रॉपर्टी से मुनाफ़ा संभव है। आय प्राप्ति के साधनों में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। इस अवधि में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और आप आगे बढ़ते रहेंगे। निजी जीवन में मित्रों की संख्या में वृद्धि होगी और बड़े भाई बहनों को भी उनके कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। उनकी मदद से आपको किसी तरह का लाभ भी मिल सकता है। अगर आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो प्रेम संबंधों में सुधार आएगा। लव पार्टनर आपकी भावनाओं की पूरी कद्र करेगा। कार्य क्षेत्र में आप अपने विरोधियों पर जीत हासिल करेंगे।

उपाय: गले या बाजू पर विधारा मूल पहनें।

कुंभ

बुध आपकी राशि से दशम भाव में गोचर करेगा। ज्योतिष में दशम भाव करियर एवं प्रोफेशनल, पिता की स्थिति, रुतबा, राजनीति एवं जीवन के लक्ष्यों की व्याख्या करता है। इसे कर्म भाव भी कहा जाता है। इस दौरान करियर में उतार–चढ़ाव आते रहेंगे हालांकि आप अपनी बुद्धि व समझदारी के बल पर कार्यों में सफलता हासिल कर लेंगे। जो जातक नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं उन्हें इस दौरान अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होगी। कार्य क्षेत्र में मिलने वाले परिणाम से आप असंतुष्ट दिखाई दे सकते हैं। हालाँकि ऐसे में अपने मन को मारकर बैठना सही नहीं होगा, बल्कि और भी अधिक परिश्रम करना होगा। निजी जीवन में प्रेम और सामंजस्य के बने रहने से संबंध मज़बूत होंगे। इसके साथ ही जीवनसाथी को सुखों की प्राप्ति होगी। बच्चों को सेहत से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। पिता जी की सेहत का ध्यान रखें। राजनीति से

जुड़े जातकों के लिए गोचर बहुत ज्यादा अनुकूल तो नहीं है लेकिन अगर आप मेहनत से अपना कार्य कर रहे हैं तो आपको इसमें सफलता मिलने की संभावना है।

उपाय: श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का जाप करें।

मीन

बुध आपकी राशि से नवम भाव में गोचर करेगा। ज्योतिष में नवम भाव को भाग्य भाव कहते हैं। इस भाव से व्यक्ति के भाग्य, गुरु, धर्म, यात्रा, तीर्थ स्थल, सिद्धांतों का विचार किया जाता है। गोचर के दौरान आपका भाग्य चमक सकता है। अगर आप एक छात्र हैं तो आपको इस दौरान अपने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा और आप परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करेंगे। इस बीच सहपरिवार आप किसी तीर्थ स्थान के दर्शन के लिए जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में आप जीवन साथी की सफलता से समाज में मान–सम्मान प्राप्त करेंगे। इस अवधि में आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। धर्म–कर्म और समाज हित में काम करने से आपको मानसिक संतुष्टि का आभास होगा। अपने कार्य में आप अपने सिद्धांतों और उसूलों को आगे रख सकते हैं। बिज़नेस पार्टनर से भी लाभ की प्राप्ति होगी। किसी ईनाम या अवार्ड के हक़दार भी हो सकते हैं। लेखन कला में अपनी रूचि बढ़ा सकते हैं या फिर उच्च शिक्षा का प्लान भी बना सकते हैं। बिज़नेस या शिक्षा के लिए लंबी यात्रा पर भी जाने का योग है। माता जी के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, लिहाज़ा उनकी सेहत का ख्याल रखें।

उपाय: गाय को हरा चारा व गुड़ खिलाएं।

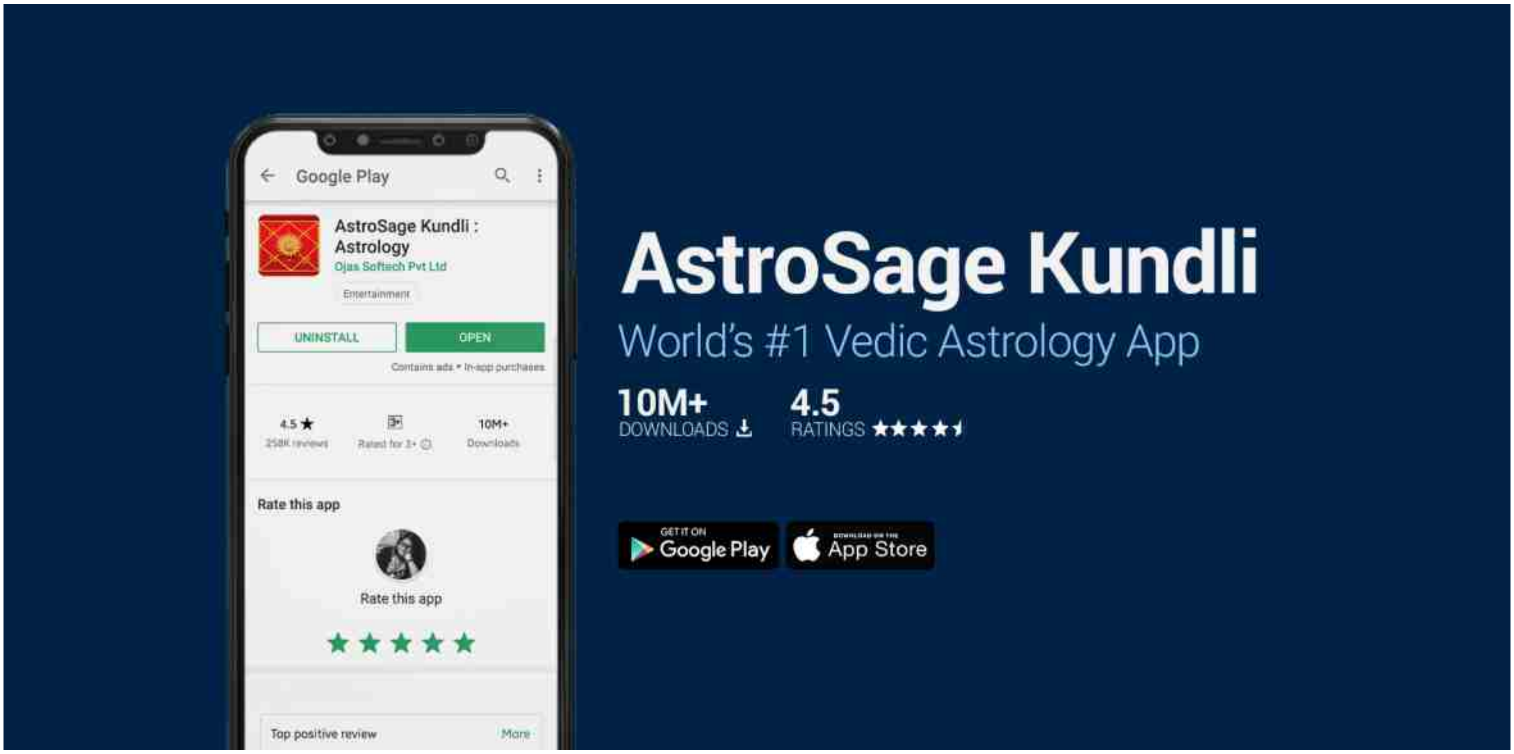

51 शक्तिपीठ जो माँ सती के शरीर के भिन्न–भिन्न अंगों के हैं प्रतीक

भारतीय उप महाद्वीप में माँ सती के 51 शक्तिपीठ हैं। ये शक्तिपीठ माँ के भिन्न–भिन्न अंगों और उनके आभूषणों आदि को दर्शाते हैं। इसलिए हिन्दू धर्म के अनुयायियों के लिए माता रानी से जुड़े हुए ये स्थान अति पवित्र हैं। इन शक्तिपीठों में लाखों की संख्या में माता के भक्त उनके दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इन तीर्थ स्थलों पर जाने और माता के दर्शन करने से भक्तों को माँ सती का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनके समस्त प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, माँ सती के शरीर के भिन्न–भिन्न अंग और उनके आभूषण इन स्थानों पर गिरे थे। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से माँ के शव को कई हिस्सों में विभाजित कर दिया था, उनके अंग पृथ्वी के अलग–अलग हिस्सों में गिर गए जो शक्तिपीठ कहलाये। यहाँ शक्ति का अर्थ माँ दुर्गा से है क्योंकि माता सती दुर्गा जी का ही एक रूप हैं।

देवी सती की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, माँ सती के पिता राजा दक्ष प्रजापति ने कनखल (हरिद्वार) में बृहस्पति सर्व नामक यज्ञ का आयोजन किया था। इस अवसर पर उन्होंने सभी देवी/देवताओं को निमंत्रण भेजा था। लेकिन उन्होंने अपनी पुत्री सती और अपने दामाद शंकर जी को नहीं बुलाया था। लेकिन माँ सती शिव जी के लाख मना करने बाद बिन बुलाये अपने पिता के घर इस आयोजन के निमित्त आ गईं। जब माँ सती ने अपने पति दक्ष से यह पूछा कि आपने सभी को इस यज्ञ के लिए न्यौता भेजा, लेकिन अपने दामाद को आपने न्यौता नहीं दिया। इसका कारण क्या है? यह सुनकर राजा दक्ष भगवान भोलेनाथ को बुरा भला कहने लगे। वे माँ सती के समक्ष उनके पति की निंदा करने लगे। यह सुन कर माँ सती को बहुत दुख हुआ। इस दुख में उन्होंने यज्ञ के लिए बनाए गए अग्नि कुंड में कूदकर अपनी जान दे दी।

जब इस बात का पता भगवान शिव को हुआ तो, क्रोध के कारण उन्होने वीरभद्र को भेजा जिसने उस यज्ञ को तहस–नहस कर दिया। वहाँ उपस्थित सारे ऋषि और देव गण उनके प्रकोप से बचने के लिए वहाँ से भाग गए। भगवान शिव ने उस अग्निकुंड से माँ सती के शव को निकाल कर गोद में उठा लिया और इधर–उधर भटकने लगे। ठीक उसी समय भगवान विष्णु जी यह जानते थे कि शिव के क्रोध से सारी सृष्टि नष्ट हो सकती है। इसलिए उन्होंने शिव के क्रोध को शांत करने के लिए माँ सती के शव को अपने सुदर्शन चक्र से हिस्सों में विभाजित कर दिया। माँ के शव के ये हिस्से पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों में जा गिरे और बाद में यही हिस्से 51 शक्तिपीठ कहलाये।

51 शक्तिपीठ – जो पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में हैं व्याप्त

क्र. सं.	शक्ति पीठ का नाम	स्थान
1	हिंगलाज शक्तिपीठ	कराची, पाकिस्तान
2	शर्करेर	कराची, पाकिस्तान
3	सुगंधा–सुनंदा	शिकारपुर, बांग्लादेश
4	कश्मीर–महामाया	पहलगाँव, कश्मीर
5	ज्वालामुखी–सिद्धिदा	कांगड़ा, हिमाचल
6	जालंधर–त्रिपुरमालिनी	जालंधर, पंजाब
7	वैद्यनाथ– जयदुगा	वैद्यनाथ धाम, देवघर, झारखंड
8	नेपाल– महामाया	गुजरेश्वरी मंदिर, नेपाल
9	मानस– दाक्षायणी	कैलाश मानसरोवर, तिब्बत
10	विरजा– विरजाक्षेतर	विराज, उड़ीसा
11	गंडकी– गंडकी	पोखरा, नेपाल
12	बहुला–बहुला (चंडिका)	वर्धमान, पश्चिम बंगाल
13	उज्जयिनी–मांगल्य चंडिका	उज्जयिनी, पश्चिम बंगाल
14	त्रिपुरा–त्रिपुर सुंदरी	उदयपुर, त्रिपुरा
15	चट्टल – भवानी	चटगाँव, बांग्लादेश
16	त्रिस्रोता – भ्रामरी	जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल
17	कामगिरि – कामाख्या	गुवाहाटी, पश्चिम बंगाल
18	प्रयाग – ललिता	प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
19	युगाद्या – भूतधात्री	वर्धमान, पश्चिम बंगाल
20	जयंती – जयंती	सिल्हैट, बांग्लादेश
21	कालीपीठ – कालिका	कालीघाट, पश्चिम बंगाल
22	किरीट – विमला(भुवनेशी)	मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल
23	वाराणसी – विशालाक्षी	काशी, उत्तर प्रदेश
24	कन्याश्रम – सर्वाणी	कन्याकुमार, तमिलनाडु
25	कुरुक्षेत्र – सावित्री	कुरुक्षेत्र, हरियाणा
26	मणिदेविक – गायत्री	पुष्कर, राजस्थान
27	श्रीशैल – महालक्ष्मी	सिल्हैट, बांग्लादेश
28	कांची– देवगर्भा	बीरभूम, पश्चिम बंगाल
29	कालमाधव – देवी काली	अमरकंटक, मध्य प्रदेश
30	शोणदेश – नर्मदा(शोणाक्षी)	अमरकंटक, मध्य प्रदेश
31	रामगिरि – शिवानी	झांसी, उत्तर प्रदेश
32	वृंदावन – उमा	मथुरा, उत्तर प्रदेश
33	शुचि – नारायणी	कन्याकुमारी, तमिलनाड
34	पंचसागर – वाराही	वाराणसी, उत्तर प्रदेश
35	करतोयातट – अपर्णा	शेरपुर बागुरा, बांग्लादेश
36	श्रीपर्वत – श्रीसुंदरी	लद्दाख, जम्मू और कश्मीर
37	विभाष – कपालिनी	पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल
38	प्रभास – चंद्रभागा	जूनागढ़, गुजरात
39	भैरवपर्वत – अवंती	उज्जैन, मध्य प्रदेश
40	जनस्थान – भ्रामरी	नासिक महाराष्ट
41	सर्वशैल स्थान	राजामुंद्री, आंध्र प्रदेश
42	गोदावरीतीर	राजामुंद्री, आंध्र प्रदेश
43	रत्नावली – कुमारी	हुगली, पश्चिम बंगाल
44	मिथिला – उमा (महादेवी)	जनकपुर, भारत–नेपाल सीमा
45	नलहाटी–कालिका तारापीठ	वीरभूम, पश्चिम बंगाल
46	कर्णाट – जयदुगा	कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
47	वक्रेश्वर – महिषमर्दिनी	वीरभूम, पश्चिम बंगाल
48	यशोर– यशोरेश्वरी	खुलना, बांग्लादेश
49	अट्टाहास – फुल्लरा	लाभपुर, पश्चिम बंगाल
50	नंदीपूर – नंदिनी	वीरभूमि, पश्चिम बंगाल
51	लंका – इंद्राक्षी	त्रिंकोमाली, श्रीलंका

1. हिंगलाज शक्तिपीठ

यह शक्तिपीठ पाकिस्तान के कराची से 125 किमी उत्तर–पूर्व में स्थित है। पुराणों की मानें तो यहां माता का शीश गिरा था। इसकी शक्ति–कोटरी (भैरवी कोट्टवीशा) हैं। कराची से वार्षिक तीर्थ यात्रा अप्रैल के महीने में शुरू होती है।

2. शर्करेर

माँ सती का यह शक्तिपीठ पाकिस्तान के कराची शहर में स्थित सुक्कर स्टेशन के निकट मौजूद है। हालाँकि कुछ लोग इसे नैना देवी मंदिर, बिलासपुर में भी बताते हैं। यहां देवी की आँख गिरी थी और वे महिष मर्दिनी कहलाती हैं।

3. सुगंधा–सुनंदा

यह शक्तिपीठ बांग्लादेश के शिकारपुर में बरिसल से करीब 20 किमी दूर सोंध नदी के पास स्थित है। ऐसा कहा जाता

है कि जब विष्णु जी ने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर को विभिन्न हिस्सों में विभक्त किया था तो यहाँ उनकी नाक आकर गिरी थी।

4. कश्मीर–महामाया

महामाया शक्तिपीठ जम्मू–कश्मीर के पहलगाँव में है। मान्यता है कि यहाँ माँ का कंठ गिरा था और बाद में यहीं माहामाया शक्तिपीठ बना।

5. ज्वालामुखी–सिद्धिदा

भारत में हिमांचल प्रदेश के कांगड़ा में माता की जीभ गिरी थी। इसे ज्वालाजी स्थान कहते हैं। हजारों श्रद्धालु इस शक्तिपीठ में माँ के दर्शन के लिए आते हैं।

6. जालंधर–त्रिपुरमालिनी

पंजाब के जालंधर में माता त्रिपुरमालिनी को समर्पित देवी तालाब मन्दिर है। धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि यहां माता का बायाँ वक्ष गिरा था।

7. वैद्यनाथ– जयदुर्गा

झारखंड में स्थित वैद्यनाथ धाम पर माता का हृदय गिरा था। यहाँ माता के रूप को जयमाता और भैरव को वैद्यनाथ के रूप से जाना जाता है।

8. नेपाल– महामाया

गुजयेश्वरी मंदिर, नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर के साथ ही स्थित है, जहां देवी के दोनों घुटने गिरे बताये जाते हैं। यहां देवी का नाम महाशिरा है।

9. मानस– दाक्षायणी

यह शक्तिपीठ तिब्बत में कैलाश मानसरोवर के मानसा के पास स्थित है। ऐसा कहा जाता यहाँ पर शिला पर माता का दायां हाथ गिरा था।

10. विरजा– विरजाक्षेतर

यह शक्ति पीठ उड़ीसा के उत्कल में स्थित है। यहाँ पर माता सती की नाभि गिरी थी। कटक, भुवनेश्वर, कोलकाता और ओडिशा के अन्य छोटे शहरों से बस का लाभ लेने से पर्यटक स्थल पर पहुंच सकते हैं।

11. गंडकी– गंडकी

नेपाल में गंडकी नदी के तट पर पोखरा नामक स्थान पर स्थित मुक्तिनाथ मंदिर है। ऐसा कहते हैं कि यहाँ माता का मस्तक या गंडस्थल यानी कनपटी गिरी थी।

12. बहुला–बहुला (चंडिका)

भारत के पश्चिम बंगाल में वर्धमान जिले से 8 किमी दूर कटुआ केतुग्राम के पास अजेय नदी तट पर स्थित बाहुल स्थान पर माता का बायां हाथ गिरा था।

13. उज्जयिनी– मांगल्य चंडिका

भारत में पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले से 16 किमी दूर गुस्कुर स्टेशन से उज्जयिनी नामक स्थान पर माता की दाईं कलाई गिरी थी।

14. त्रिपुरा–त्रिपुर सुंदरी

भारतीय राज्य त्रिपुरा के उदरपुर के पास राधाकिशोरपुर गांव के माताबाढ़ी पर्वत शिखर पर माता का दायां पैर गिरा था।

15. चट्टल – भवानी

बांग्लादेश में चटगाँव जिले के सीताकुंड स्टेशन के पास चंद्रनाथ पर्वत शिखर पर छत्राल (चट्टल या चहल) में माता की दायीं भुजा गिरी थी।

16. त्रिस्रोता – भ्रामरी

भारतीय राज्य पश्चिम बंगाल के जलपाइगुड़ी के बोडा मंडल के सालबाढ़ी ग्राम स्थित त्रिस्रोत स्थान पर माता का बायां पैर गिरा था।

17. कामगिरि – कामाख्या

भारतीय राज्य असम के गुवाहाटी जिले के कामगिरि क्षेत्र में स्थित नीलांचल पर्वत के कामाख्या स्थान पर माता की योनि गिरी थी।

18. प्रयाग – ललिता
भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर माता की हाथ की अंगुली गिरी थी।

19. युगाद्या– भूतधात्री
पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के खीरग्राम स्थित जुगाड्‍या (युगाद्या) स्थान पर माता के दाएं पैर का अंगूठा गिरा था।

20. जयंती– जयंती
बांग्लादेश के सिल्हैट जिले के जयंतीया परगना के भोरभोग गांव कालाजोर के खासी पर्वत पर जयंती मंदिर है। यहां माता की बायीं जंघा गिरी थी।

21. कालीपीठ – कालिका
पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कालीघाट में माता के बाएं पैर का अंगूठा गिरा था।

22. किरीट – विमला (भुवनेशी)
पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के लालबाग कोर्ट रोड स्टेशन के किरीटकोण ग्राम के पास माता का मुकुट गिरा था।

23. वाराणसी – विशालाक्षी
उत्तर प्रदेश के काशी में मणिध्कर्णिका घाट पर माता के कान के मणि जड़ित कुंडल गिरे थे।

24. कन्याश्रम – सर्वाणी
कन्याश्रम में माता का पृष्ठ भाग गिरा था।

25. कुरुक्षेत्र – सावित्री
हरियाणा के कुरुक्षेत्र में माता की एड़ी गिरी थी।

26. मणिदेविक – गायत्री
अजमेर के पास पुष्कर के मणिबन्ध स्थान के गायत्री पर्वत पर दो मणि–बंध गिरे थे।

27. श्रीशैल – महालक्ष्मी
बांग्लादेश के सिल्हैट जिले के उत्तर–पूर्व में जैनपुर गांव के पास शैल नामक स्थान पर माता का गला (ग्रीवा) गिरा था।

28. कांची– देवगर्भा
पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलारपुर स्टेशन के उत्तर पूर्व स्थित कोपई नदी तट पर कांची नामक स्थान पर माता की अस्थि गिरी थी।

29. कालमाधव – देवी काली
मध्य प्रदेश के अमरकंटक के कालमाधव स्थित शोन नदी तट के पास माता का बायाँ नितंब गिरा था, जहां एक गुफा है।

30. शोणदेश – नर्मदा (शोणाक्षी)
मध्य प्रदेश के अमरकंटक में नर्मदा के उद्‍गम पर शोणदेश स्थान पर माता का दायां नितंब गिरा था।

31. रामगिरि – शिवानी
उत्तर प्रदेश के झांसी–मणिकपुर रेलवे स्टेशन चित्रकूट के पास रामगिरि स्थान पर माता का दायां वक्ष गिरा था।

32. वृंदावन – उमा
उत्तर प्रदेश में मथुरा के पास वृंदावन के भूतेश्वर स्थान पर माता के गुच्छ और चूड़ामणि गिरे थे।

33. शुचि– नारायणी
तमिलनाडु के कन्याकुमारी–तिरुवनंतपुरम मार्ग पर शुचितीर्थम शिव मंदिर है। यहां पर माता के ऊपरी दंत (ऊर्ध्वदंत) गिरे थे।

34. पंचसागर – वाराही
पंचसागर (एक अज्ञात स्थान) में माता की निचले दंत गिरे थे।

35. करतोयातट – अपर्णा

बांग्लादेश के शेरपुर बागुरा स्टेशन से 28 किमी दूर भवानीपुर गांव के पार करतोया तट स्थान पर माता की पायल (तल्प) गिरी थी।

36. श्रीपर्वत – श्रीसुंदरी

कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र के पर्वत पर माता के दाएं पैर की पायल गिरी थी। दूसरी मान्यता अनुसार आंध्रप्रदेश के कुर्नूल जिले के श्रीशैलम स्थान पर दक्षिण गुल्फ अर्थात दाएं पैर की एड़ी गिरी थी।

37. विभाष – कपालिनी

पश्चिम बंगाल के जिले पूर्वी मेदिनीपुर के पास तामलुक स्थित विभाष स्थान पर माता की बायीं एड़ी गिरी थी।

38. प्रभास – चंद्रभागा

गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर के पास वेरावल स्टेशन से 4 किमी दूर प्रभास क्षेत्र में माता का उदर (पेट) गिरा था।

39. भैरवपर्वत – अवंती

मध्य प्रदेश के घ्उज्जैन नगर में शिप्रा नदी के तट के पास भैरव पर्वत पर माता के होंठ गिरे थे।

40. जनस्थान – भ्रामरी

महाराष्ट्र के नासिक नगर स्थित गोदावरी नदी घाटी स्थित जनस्थान पर माता की ठोड़ी गिरी थी।

41. सर्वशैल स्थान

आंध्र प्रदेश के राजामुंदरी क्षेत्र स्थित गोदावरी नदी के तट पर कोटिलिंगेश्वर मंदिर के पास सर्वशैल स्थान पर माता के वाम गंड (गाल) गिरे थे।

42. गोदावरीतीर

गोदावरी तीर शक्ति पीठ या सर्वशैल प्रसिद्ध शक्ति पीठ है, यह हिन्दुओं के लिए प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में राजमुंदरी के पास गोदावरी नदी के किनारे कोटिलेश्वर मंदिर में स्थित है। इस जगह पर माता के दक्षिण गंड गिरे थे।

43. रत्नावली – कुमारी

बंगाल के हुगली जिले के खानाकुल–कृष्णानगर मार्ग पर रत्नावली स्थित रत्नाकर नदी के तट पर माता का दायां स्कंध गिरा था।

44. मिथिला– उमा (महादेवी)

भारत–नेपाल सीमा पर जनकपुर रेलवे स्टेशन के पास मिथिला में माता का बायां स्कंध गिरा था।

45. नलहाटी – कालिका तारापीठ

पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के नलहाटि स्टेशन के निकट नलहाटी में माता के पैर की हड्डी गिरी थी।

46. कर्णाट– जयदुर्गा

माँ सती के कुछ शक्तिपीठों के बारे में अभी भी रहस्य बना हुआ है और उन्हीं रहस्यमयी शक्तिपीठों में कर्णाट (अज्ञात स्थान) शक्तिपीठ एक है। कहते हैं कि यहाँ पर माता के दोनों कान गिरे थे।

47. वक्रेश्वर – महिषमर्दिनी

पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के दुबराजपुर स्टेशन से सात किमी दूर वक्रेश्वर में पापहर नदी के तट पर माता का भ्रूमध्य गिरा था।

48. यशोर– यशोरेश्वरी

यशोरेश्वरी शक्तिपीठ बांग्लादेश के खुलना जिले के ईश्वरीपुर के यशोर स्थान पर है। धार्मिक आस्था के अनुसार, कहते हैं कि इसी स्थान पर माँ सती के हाथ और पैर गिरे थे।

49. अट्टाहास – फुल्लरा

पश्चिम बंगाल के लाभपुर स्टेशन से दो किमी दूर अट्टहास स्थान पर माता के होंठ गिरे थे। नवदुर्गा के समय माँ के भक्तों का यहाँ जमावड़ा लगा रहता है।

50. नंदीपूर – नंदिनी

पश्चिम बंगाल के वीरभूम जिले के सैंथिया रेलवे स्टेशन नंदीपुर स्थित चारदीवारी में बरगद के वृक्ष के पास माता का गले का हार गिरा था।

51. लंका – इंद्राक्षी

इंद्राक्षी शक्तिपीठ भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका के त्रिंकोमाली में स्थित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऐसा माना गया है कि संभवतः श्रीलंका के त्रिंकोमाली में माता की पायल गिरी थी।

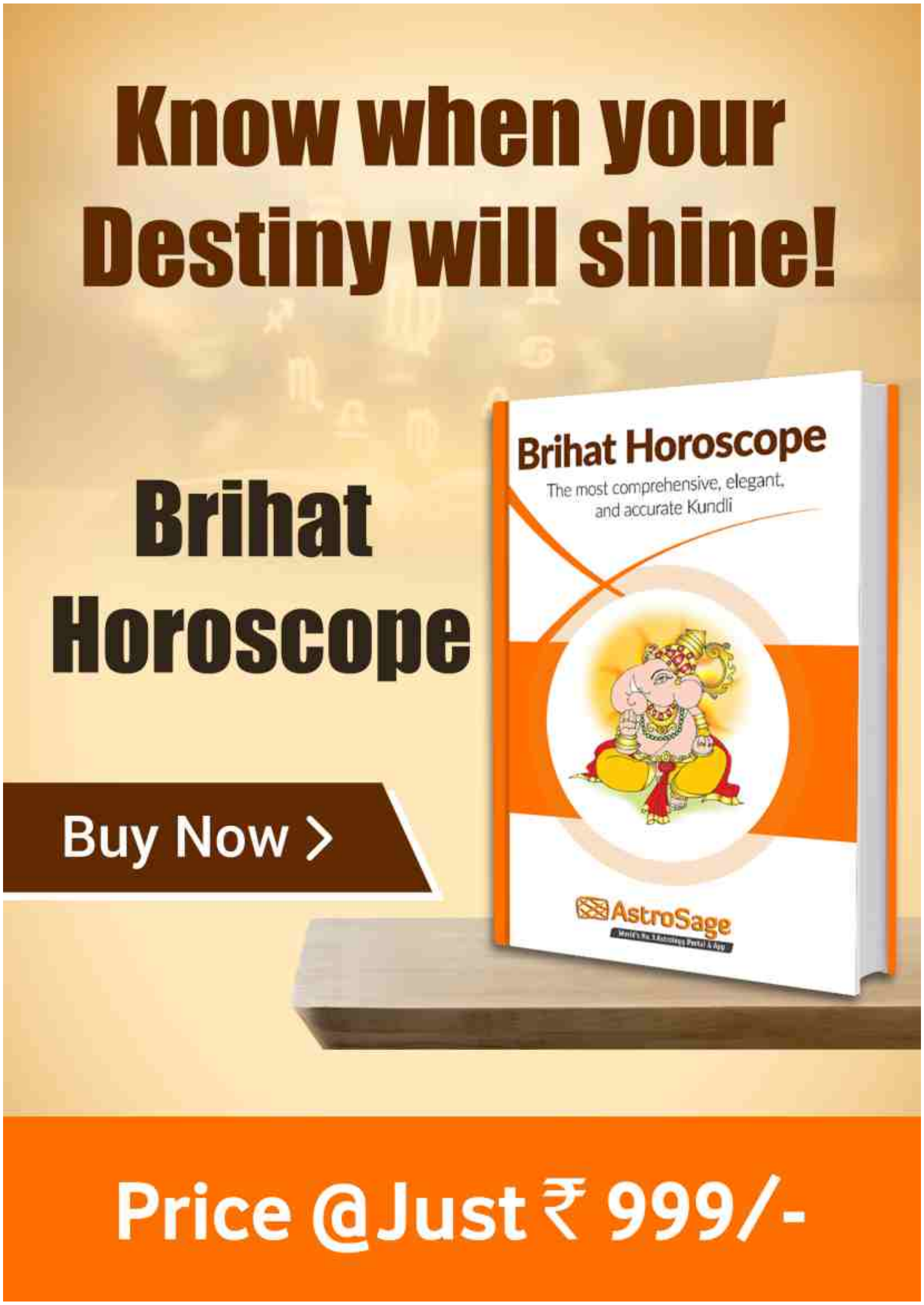

करियर काउंसलिंग में अभूतपूर्व शोध "कोग्निएस्ट्रो" - ज्योतिष और मनोविज्ञान का चमत्कार

अब बच्चों के विषयों को चुनने से जुड़ी उलझनों से छुटकारा पाएं – एस्ट्रोसेज की करियर काउंसलिंग से जुड़ी अभूतपूर्व शोध की मदद से। कुंडली और मनोविज्ञान से जाने साइंस, कॉमर्स या आट्र्स में से क्या है बच्चे के लिए सही। पुनीत पाण्डे जी के मार्गदर्शन में ज्योतिष की अनूठी रिसर्च।

करियर का सही चुनाव हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण निर्णय होता है। लेकिन इस फैसले को लेना हमारे लिए आसान नहीं होता। इसलिए अक्सर हम अपने बच्चों के करियर और उनके भविष्य के लिए चिंतित रहते हैं। एक छात्र के लिए दसवीं के बाद की पढ़ाई उसके करियर की मजबूत नींव को रखने में अहम भूमिका अदा करती है। लेकिन अक्सर छात्र इसी पड़ाव में करियर को लेकर भ्रमित हो जाता है। इसलिए कोग्निएस्ट्रो ने ज्योतिष और मनोविज्ञान के आधार पर ऐसे सिस्टम को तैयार किया है जिससे छात्रों की करियर से जुड़ी परेशानियाँ झट से दूर हो जाएंगी।

आंकड़ों के अनुसार देश में क़रीब 250 करियर क्षेत्र हैं लेकिन अधिकांश लोगों को बहुत कम की जानकारी होती है। इसलिए लगभग 70 फीसदी अपने–अपने क्षेत्र में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से असंतुष्ट दिखाई देते हैं। वास्तव में यह एक बड़ी समस्या है। इसी समस्या को दूर करने के लिए कोग्निएस्ट्रो करियर परामर्श रिपोर्ट को बनाया गया है, जिसकी सहायता से छात्र अपने लिए सही करियर का चुनाव कर सकेंगे। कोग्निएस्ट्रो के साथ अपने बच्चे के भविष्य को बनाएं शानदार और करियर से जुड़ी सभी समस्याओं को कहें अलविदा।

CogniAstro™
Right Counselling, Bright Career

कोग्निएस्ट्रो – करियर काउंसलिंग का एक नया स्वरूप

कोग्निएस्ट्रो का उद्देश्य लोगों की सेवा कर उनके जीवन को आसान और बेहतर बनाना है। इसी क्रम में करियर काउसलिंग रिपोर्ट के माध्यम से छात्र स्वयं के लिए या माता–पिता अपने बच्चों के लिए करियर का सही चुनाव कर उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण में सफल रहेंगे। अगर आप पूरी ईमानदारी के साथ कोई कार्य करते हैं तो आपको उसमें आनंद आता है। यह न केवल आपकी उत्पादकता के लिए अच्छा होता है बल्कि आप अपने बेहतरीन कार्य से समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और कोग्निएस्ट्रो अपनी करियर परामर्श रिपोर्ट के साथ इसी लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।

करियर चयन से जुड़ा हुआ कोग्निएस्ट्रो का यह एक अनूठा प्रयोग है, जिसके तहत महान मनोविश्लेषक कार्ल यंग के शोध और ज्योतिष विज्ञान की सहायता से करियर परामर्श रिपोर्ट को तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट व्यक्ति के स्वभाव और व्यक्तित्व का सही मूल्यांकन कर यह बताती है कि आप किस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह रिपोर्ट मनोविज्ञान पर आधारित अन्य रिपोर्ट की अपेक्षा ज्यादा सटीक है। इस रिपोर्ट में है –

- **करियर से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान:** अब आप अपने बच्चों के करियर को लेकर सारी चिंताओं को भूल जाएंगे। कोग्निएस्ट्रो रिपोर्ट में दिया गया परामर्श आपके बच्चे की कुंडली के आधार पर दिया जाता है, जिसमें उसके व्यक्तित्व का विश्लेषण कर यह बताया जाता है उसके करियर के लिए कौन–सा विषय या स्ट्रीम उसके लिए सबसे बेहतर है। यह रिपोर्ट उनके सुनहरे भविष्य को बनाने में कारगर है।

- सटीक करियर काउंसलिंग रिपोर्ट: करियर काउंसलिंग रिपोर्ट को कोग्निएस्ट्रो की रिसर्च टीम के द्वारा लैब में टेस्ट किया गया है जिससे यह प्रमाणित होता है कि यह रिपोर्ट अन्य साइक्लॉजिकल टेस्ट की अपेक्षा 98 फीसदी अधिक सटीक है। इस रिपोर्ट में करियर से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान और बच्चों के व्यक्तित्व के आधार पर उनके बेहतर भविष्य को बनाने के लिए महत्वपूर्ण परामर्श निहित हैं।

- एनालिटीकल साइकॉलॉजी: प्रसिद्ध मनोविश्लेषक कार्ल यंग के शोध पर आधारित कोग्निएस्ट्रो रिपोर्ट आपके व्यक्तित्व का सही मूल्यांकन कर आपके सामने करियर के ढ़ेरों विकल्प देती है। इसमें व्यक्तित्व का मूल्यांकन रियासेक (त्प्ॅम्ब्) मॉडल के आधार पर होता है।

- कोग्निएस्ट्रो = संज्ञानात्मक विज्ञान + ज्योतिष : चूंकि जातक का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उनकी कुंडली पर आधारित होगा इसलिए यह रिपोर्ट जीवन भर के लिए सटीक और वैध है। अगर उम्र या अनुभव के जरिये मनोवैज्ञानिक स्तर पर कोई परिवर्तन आया तो इसके बावजूद भी इस रिपार्ट में कोई परिवर्तन नहीं आएगा।

- सभी वर्ग के लोगों के लिए उपलब्ध है यह रिपोर्ट: अगर आप इस बात को लेकर चिंतित हैं कि दसवीं के बाद आपको कौन से विषय या स्ट्रीम का चुनाव करना है या अपने करियर को लेकर परेशान हैं, तो कोग्निएस्ट्रो करियर रिपोर्ट और व्यक्तित्व परामर्श के जरिये आपको आपके लिए सबसे उपयुक्त करियर ऑपशन के बारे में जानकारी मिल जाएगी ।

- उलझन से निश्चितता की ओर: मनोविज्ञान आधारित रिपोर्ट्स की तुलना में कोग्निएस्ट्रो कई मायने में बेहतर है क्योंकि यह आपके बच्चे के भविष्य को लेकर बताती है कि उन्हें किन विषयों का चुनाव करना चाहिए और कौन सी स्ट्रीम लेनी चाहिए। इस रिपोर्ट के जरिये आपको पता चलता है कि आपके बच्चे किन क्षेत्रों में सफलता हासिल कर सकते हैं। यह रिपोर्ट आपके दिलो–दिमाग से सारी उलझनों को दूर कर, आपके बच्चों के अनुकूल सही विषयों का चुनाव करने का बेहतर विकल्प प्रदान करती है।

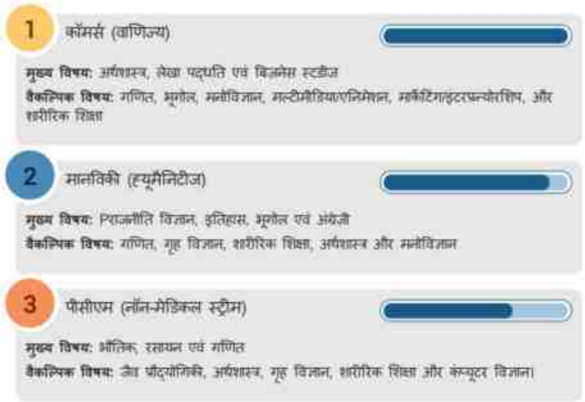

- सटीक मूल्यांकन: कोग्निएस्ट्रो रिपोर्ट में आपके व्यक्तित्व का सटीक मूल्यांकन है। इस रिपोर्ट को पाने के लिए आपको केवल अपने जन्म की तारीख, समय, और जन्म का स्थान बताना होगा और आपको अपनी करियर और व्यक्तित्व परीक्षण रिपोर्ट जल्द ही प्राप्त हो जाएगी।
- छात्रों के लिए करियर और व्यक्तित्व परामर्श रिपोर्ट दसवीं कक्षा तक: अपने व्यक्तित्व मूल्यांकन के आधार पर अब आप अपने बच्चो के लिए सर्वश्रेष्ठ स्ट्रीम व विषय के साथ–साथ सही कॉलेज और करियर विकल्प चुनने का महत्वपूर्ण निर्णय भी आसानी ले सकते हैं।

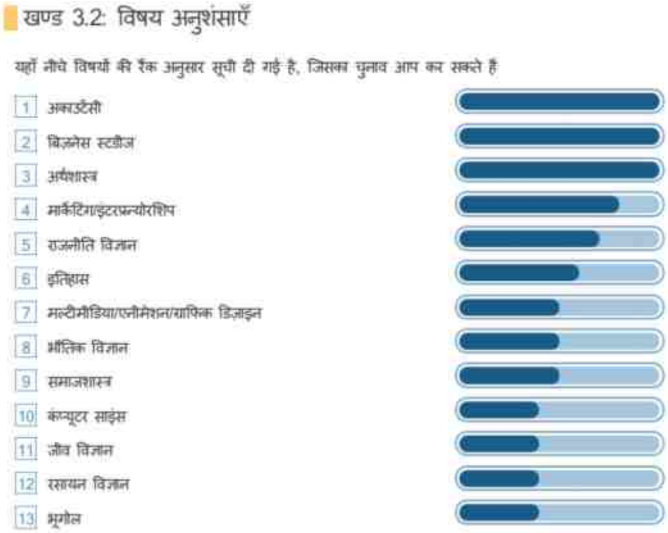

अक्टूबर 2019 राशिफल

मेष राशि

सारांश :— इस माह में अति उत्साहित होकर किसी भी कार्य को करने में सक्षम होंगे। जिस किसी कार्य को करेंगे उस कार्य में आपको सफलता प्राप्त होने की संभावना है। आप विपरीत परिस्थितियों में भी आप अपने आपको बेहतर महसूस कर सकते हैं। ऐसा हो सकता है कि आपको घर—परिवार के लोगों से विरोध का सामना करना पड़े। साहस और पराक्रम के साथ किए गए कार्यों से अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। अनावश्यक उत्तेजित होने पर आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इसलिए आप किसी भी कार्य को धैर्यता पूर्वक करने का प्रयास करें। जल्दबाजी में किसी भी कार्य को न करें। अचल संपत्ति प्राप्ति में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है तथा आपके सगे—संबंधियों से संबंध खराब हो सकते हैं। ऐसे में धन अचल संपत्ति के मामले में सावधान रहना तथा सगे—संबंधियों से संबंध अच्छा हो इसका पूर्ण प्रयास करना आपके लिए अच्छा रहेगा। इस माह में अचानक उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपको अच्छी अपॉर्चुनिटी मिल सकती है। वहीं यदि आप कार्य व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से भी उन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस समय आपको अपने भाई बहन का सहयोग प्राप्त हो सकता है। माता से संबंध मधुर होंगे तथा पिता से संबंध को लेकर परेशानी हो सकती हैं। जनसंपर्क अच्छा हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होने की संभावना है। यदि आप राजनीतिज्ञ हैं तो राजनीतिक लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भवन वाहन इत्यादि की सुख सुविधा प्राप्त हो सकती है। इस माह में संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष को लेकर स्थितियाँ अच्छी रहने वाली हैं। यदि आप शिक्षार्थी हैं तो शिक्षा प्राप्ति के लिए बेहतर अवसर की प्राप्ति होगी। आप स्वभाव से अपने शत्रुओं पर हावी होने वाले होते हैं परंतु अनावश्यक विवाद से खुद को दूर करने का प्रयास इस समय आपको करना होगा, जिससे आपको अच्छी उन्नति मिल सकें। क्योंकि विवाद ही बर्बादी की असल जड़ होता है, इसलिए जितना ज्यादा से ज्यादा विवादों से दूर रहे उतना ही आपके लिए अच्छा होगा। बाहर की यात्रा तथा दांपत्य जीवन दोनों ही आपका बेहतर स्थिति में रहेगा। यदि आप विदेश यात्रा करना चाहते हैं या उसके लिए मन बना रहे हैं तो यह संभव है। आपकी विदेश यात्रा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध हो सकते हैं। अनावश्यक प्रॉपर्टी से संबंधित विवाद उत्पन्न होने की संभावना बन सकती हैं। धर्म—कर्म में रुचि कम रहेगी। साथ ही आपकी व्यावसायिक गतिविधियाँ भी इस माह अच्छी रहेंगी। कार्य व्यवसाय को लेकर आगे की योजनाओं में सफल हो सकते हैं। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होने की संभावना है। इसलिए किसी भी कार्य को ज़िम्मेदारी पूर्वक ही करें, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो। इस माह में अनावश्यक व्यर्थ की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, जिससे आपकी धन व्यय होने की संभावना बन सकती हैं। मानसिक अशांति तथा तनाव उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में आवश्यकता अनुसार यात्रा न करें। इस माह में 3, 4, 12, 13 तथा 22 तारीख आपके लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं। इसलिए इस समय किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को करना आपके लिए इस माह वर्जित रहेगा।

पारिवारिक जीवन :— पारिवारिक स्थितियाँ अनुकूल रहने की संभावना बन रही है। माता के साथ मधुर संबंध होने के साथ—साथ माता का सहयोग भी इस माह आपको प्राप्त हो सकता है। परंतु पिता से अनबन होने के कारण तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो सकती है। माता—पिता दोनों से मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। भाई, बंधु व इष्ट मित्र सबके साथ आपसी सामंजस्य बेहतर हो इसके लिए अपने प्रयास करते रहें, क्योंकि कभी भी किसी की जरूरत पड़ सकती है। संतान पक्ष को लेकर स्थितियाँ अच्छी रहेंगी। संतान से संतुष्टि या सहयोग की भावना पूर्ण हो

तथा एक दूसरे का ख्याल करना यह भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इससे पारिवारिक संतुलन अच्छा रहता है तथा हर तरह के क्षेत्रों में विकास होता है। पारिवारिक सहयोग हर तरह के समस्याओं को दूर करने का मंत्र होता है। इसलिए एक दूसरे के प्रति अच्छी भावनाएं रखते हुए हर तरह के कार्यों में एक दूसरे का सहयोग करते रहें। साथ ही संभव हो सकें तो एक दूसरे के मुश्किल भरे दिनों में सम्मिलित रहे। इस माह में अनावश्यक परिवार में विवाद होने की संभावना बन सकती हैं। ऐसे में सावधान रहें और किसी के बातों पर भरोसा करने की बजाय अपने घर परिवार के लोगों पर भरोसा करें। कोई शुभ मंगल कार्य भी हो सकता है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह में प्रेमी/प्रेमिका के साथ मधुर संबंध होने की संभावना ज्यादा है। आप दोनों एक दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नजर आ सकते हैं तथा आप दोनों की एक दूसरे के प्रति स्नेह में वृद्धि हो सकती है। यदि आप किसी को प्यार करते हैं तो आपको इस माह के उत्तरार्ध तक इज़हार करने का भी अवसर प्राप्त हो सकता है, साथ ही आप उसे पूरा भी कर सकते हैं। यदि आप किसी से प्यार करते हैं तो पूर्ण विश्वास के साथ करना चाहिए। जिससे आपसी सामंजस्य बेहतर हो और आगे एक दूसरे के साथ अच्छा समय व्यतीत हो सके। यदि कहीं घूमने फिरने के उद्देश्य से बाहर जाने का प्लान कर रहे हैं तो उसमें सफलता मिल सकती हैं और आपके प्रेम संबंधों में अच्छी वृद्धि हो सकती है। इस माह में दांपत्य जीवन भी अच्छी स्थिति में रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने का अवसर प्राप्त हो सकता है। जिससे आपसी संबंध मधुर हो सकते हैं। बाहर के कामकाज हो या घरेलू कामकाज हो हर तरह से सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है। इसलिए जीवन साथी के साथ मधुर संबंध रखना आपके लिए इस माह अच्छा हो सकता है।

आर्थिक जीवन :– इस माह में आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकती है। अर्थ लाभ प्राप्ति का उद्देश्य पूरा हो सकता है। यदि आप आर्थिक लाभ के लिए कोई कार्य व्यवसाय कर रहे हैं तो उसमें आपको अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। क्योंकि शनि धनु राशि में संचार कर रहा है जिससे कार्य व्यवसाय से संबंधित आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान आप जिस किसी कार्य को करेंगे उस कार्य में आपको अच्छी सफलता प्राप्त होने की संभावना है। क्योंकि व्यावसायिक दृष्टि से इस माह स्थितियाँ आपके अनुकूल बनती दिखाई दे रही हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो भी आप साथ–साथ में कोई व्यवसाय कर सकते हैं या इस माह में कही पैसा निवेश कर सकते हैं। जिससे आर्थिक वृद्धि देखने को मिल सकते हैं। प्रॉपर्टी को छोड़ किसी अन्य क्षेत्र में निवेश आपके लिए अच्छा हो सकता है। प्रॉपर्टी में निवेश आपके लिए नुकसानदायक साबित होने की उम्मीद है। इसलिए आप निवेश करने से पहले पूर्ण विचार करके ही निवेश करें। जल्दबाजी में किसी भी कार्य को न करें। क्योंकि आपके लिए ऐसा करना काफी हद तक नुकसानदायक हो सकता है। अपने स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए किसी भी कार्य को करना आपके लिए बेहतर होगा। इस माह अपने कर्म पर भरोसा ज्यादा करें जिससे आपको कामयाबी समय के अनुसार अच्छी प्राप्त हो सके। आर्थिक लेन–देन में सावधानी रखें। परिस्थितियों को देखते हुए किसी भी कार्य को करें।

स्वास्थ्य :– इस माह में स्वास्थ्य को लेकर स्थितियाँ चिंताजनक बनने की उम्मीद हैं। अनावश्यक छोटी–छोटी समस्याओं से परेशानियां बढ़ने की संभावना बन सकती है। किसी भी तरह की चोट–चपेट या रक्त से संबंधित कोई विकार उत्पन्न हो सकता है। संभव है कि आपको घुटने जोड़ों का दर्द इत्यादि का सामना करना पड़े। अतः आपको इस माह पूरी तरह अपने शरीर के प्रति स्वस्थ व सचेत रहने की ज़रूरत है।

उपाय :– इस माह में रोज हनुमान चालीसा का पाठ करें तथा हनुमान मंदिर में मंगलवार या शनिवार करें। लाल

वस्तुओं का दान करें ऐसा करने से आपकी परेशानियां कम होंगी। हनुमान जी को बूंदी का प्रसाद इत्यादि अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

वृष राशि

सारांश :— आत्मविश्वास में कुछ कमी के कारण कार्य व्यवसाय या अन्य तरह के कार्यों में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं जिससे समय रहते शुभ या कोई भी कार्य संपन्न नहीं हो पाते हैं। किसी भी कार्य को आत्मविश्वास के साथ करने से अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। इस माह में मानसिक अशांति तथा तनावपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ सकता हैं, जिससे आप अनावश्यक विवादों के घेरे में भी आ सकते हैं। इसलिए इस माह में सावधानी रखते हुए किसी भी कार्य को करें। वाणी दोष उत्पन्न होने से आपके लिए परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। धन अचल संपत्ति को लेकर भी कुछ समस्या उत्पन्न हो सकती है। परंतु अचानक धन लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। इसलिए स्थिति और परिस्थिति के अनुसार ही आपको इस माह कार्य करना चाहिए। यदि अच्छा अवसर प्राप्त होता है तो उस समय में अच्छा लाभ लेना चाहिए। यदि समय खराब हो तो सावधानीपूर्वक सोच समझकर कदम उठाना चाहिए। यदि इस समय ऐसा विचार बनाकर किसी कार्य को करते हैं तो कामयाबी अच्छी प्राप्त हो सकती है। पद पोजीशन प्राप्ति के लिहाज से स्थिति बेहतर रहने की संभावना बन रही है। यदि आप नौकरी करते हैं और कोई पद पोजीशन प्राप्ति के लिए आवेदन आपने पूर्व में किया है और उसे प्राप्त करने का प्रयत्न कर रहे हैं तो उसमें आप इस माह सफल हो सकते हैं। भवन, वाहन इत्यादि की सुविधा प्राप्त हो सकती है। माता—पिता मधुर होने के साथ—साथ माता—पिता से सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन सकती हैं। माता—पिता के आशीर्वाद से आपको कई लाभ प्राप्त हो सकते हैं, अतः उनका ख्याल रखें। शिक्षा प्राप्ति के लिए यह अच्छा और उन्नति दायक है। यदि आप किसी तरह का कोई कोर्स या सर्विस प्राप्ति की तैयारी कर रहे हैं तो वह आपको प्राप्त हो सकता है। संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष को लेकर तनाव का माहौल उत्पन्न हो सकता है। बाहर की यात्रा करना आपके लिए अच्छा रहेगा। यदि बाहर की यात्रा का प्रयास कर रहे हैं तो उसमें सफल होने की संभावना बन रही है। वैवाहिक जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाले हैं। जीवनसाथी से बेहतर संबंध होने की भी संभावना है। अचानक कार्य व्यवसाय के दृष्टि से उन्नति प्राप्त हो सकती है। परंतु व्यावसायिक गतिविधियाँ सामान्य रहने वाली हैं। इसलिए व्यवसाय को लेकर कोई विस्तार की योजना न बनाएँ। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं जो कुछ भी कार्य आपके पास है उसी में आप बेहतर प्रदर्शन कर अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस माह में कुछ यात्राएं ज्यादा हो सकती हैं। जिससे लाभ प्राप्त होने की संभावना अच्छी है। आपका प्रयास आपको अच्छी कामयाबी दिला सकता है। परंतु किसी भी कार्य को सोच समझकर तथा समय के अनुसार करना आपके लिए लाभप्रद हो सकता है। इस माह में 5, 6, 14, 15, 23 और 24 तारीख तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं। ऐसे समय में आपको सावधानी रखनी चाहिए तथा किसी भी शुभ कार्य का शुभारंभ नहीं करना चाहिए। अन्यथा इससे आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं। समय और परिस्थिति के अनुसार कार्य करना आपके लिए बेहतर हो सकता है।

पारिवारिक जीवन :— इस माह में पारिवारिक स्थितियाँ सुदृढ़ रहने वाली हैं। एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य अच्छा हो सकता है। घर परिवार में आपसी मेलजोल से हर तरह के क्षेत्रों में उन्नति मिल सकती है। इस बात को समझने की ज़रूरत होगी कि जब परिवार संगठित होकर रहता है तो ही हर तरह के क्षेत्र में विकास तथा पारिवारिक उत्थान हो पाता है। परंतु यदि किसी तरह का परिवार में विवाद हो तो हर तरह की मुश्किलें सामने आती है। इसलिए पारिवारिक स्थितियों को अनुकूल बनाए रखना आपकी ज़िम्मेदारी होती है। आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल हो सकते हैं। माता—पिता के साथ संबंध अच्छे हो सकते हैं तथा माता—पिता से सहयोग भी प्राप्त होने की संभावना बन सकती हैं। भाई बहन सबका सहयोग प्राप्त हो सकता है। इस माह में हर तरह की मुश्किलें दूर होने के साथ—साथ हर तरह के क्षेत्रों में विकास होने की संभावना बन रही हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना भी अच्छी है तथा एक दूसरे के प्रति

सहानुभूति रखना तथा एक दूसरे का सहयोग करना यह सब विचारधारा आपके परिवार में इस माह देखी जाएगी। इस माह के उत्तरार्ध में कुछ मांगलिक कार्य या पूजा–पाठ इत्यादि का आयोजन किया जा सकता है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– प्रेम संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना बन सकती हैं। अनावश्यक प्रेमी–प्रेमिका में विवाद उत्पन्न होने की भी संभावना है। एक दूसरे के प्रति अच्छी भावना रखते हुए एक दूसरे के प्रति पूर्ण विश्वास रखें और एक दूसरे को प्यार करें। अनावश्यक किसी की बातों में आने की कोशिश न करें। अन्यथा आपके प्रेम संबंधों में अलगाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है तथा एक दूसरे से दूरियाँ बन सकती हैं। इसलिए अपने आप पर भरोसा रखते हुए अपने प्रेमी/प्रेमिका पर भी पूर्ण भरोसा रख कर आगे के कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयत्न करें। ऐसा हो सकता है कि आप दोनों के बीच में कोई तीसरा व्यक्ति तनाव का माहौल उत्पन्न कर सकता है, परंतु आप दोनों के सूझबूझ से हर तरह की समस्याओं का निदान हो सकता है। इसलिए किसी के बातों में आने की कोशिश न करें और केवल अपने प्यार पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ाने की कोशिश करें। दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध होने के साथ–साथ हर तरह के क्षेत्रों में सहयोग प्राप्त होने की भी संभावना बन सकती हैं। इसलिए जीवनसाथी पर भी भरोसा करने के साथ साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें, जिससे आपके लिए आगे की स्थितियाँ अनुकूल रहे।

आर्थिक जीवन :– इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना प्रबल हो रही हैं। क्योंकि गुरु वृश्चिक राशि में संचार कर रहा है जो अर्थ लाभ प्राप्ति के दृष्टि से बेहतर स्थिति उत्पन्न करेगा। आप जिस किसी क्षेत्र में कार्यरत हैं उसे पूर्ण विश्वास के साथ करने का प्रयत्न करें। आपको कामयाबी प्राप्त हो सकती है। यदि आप व्यवसाय कर रहे हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं को नौकरी से भी आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा। यदि आप नौकरी करते हैं या व्यवसाय करते हैं और इसमें किसी तरह का निवेश की योजना बना रहे हैं तो इस माह के उत्तरार्ध में निवेश कर सकते हैं। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकती है और आप अपने मकसद में कामयाब हो सकते हैं। आपके द्वारा किए गए कार्यों में अच्छी सफलता प्राप्त होने की भी संभावना बन सकती है। यह ज़रूर है कि आप जिस भी किसी कार्य को करेंगे उस कार्य में अभी कुछ विलंब हो सकता है। इसलिए स्थिरता और गंभीरता पूर्वक किसी भी कार्य को करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी मिले और ऐसा इस माह संभव भी है। अपने सगे–संबंधियों से सामान्य व्यवहार बनाए रखें तथा धन के आदान–प्रदान पर नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य :– इस माह में आपको कफ, बलगम या फेफड़े से संबंधित तथा हृदय से संबंधित किसी तरह के विकार उत्पन्न होने की संभावना अधिक हैं। आपको अनावश्यक किसी तरह का वायरल फीवर इत्यादि का भी सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस माह अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की कोशिश करें।

उपाय :– इस माह जितना संभव हो मेडिटेशन और योग का सहारा लें और उनका इस समय सही से पालन करें। शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करें तथा शिवजी की आराधना करें। सजावट की चीजें मंदिर में दान करें तथा मंदिर में सहयोग के साथ–साथ सेवा भी दें। ऐसा करने से आप की समस्याएं दूर हो सकती हैं।

मिथुन राशि

सारांश :– आप बुद्धिमान तथा समझदार व्यक्ति होते हैं। जो किसी भी कार्य को सूझ–बूझ के साथ ही करना पसंद करते हैं। इसी कारण इस माह भी आपको अच्छी कामयाबी प्राप्त होने की संभावना है। किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी पूर्ण जानकारी रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयत्न करते रहें। आपकी सोचने और समझने के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता भी अच्छी है। आपको शारीरिक रूप से आलस्य उत्पन्न हो सकता है। परंतु मानसिक रुप से काफी मजबूत होते हैं। धन अचल संपत्ति प्राप्ति के लिहाज से स्थितियाँ अनुकूल रहने की संभावना बन रही हैं। इस माह में अचल संपत्ति प्राप्ति के योग बनेंगे तथा समय के अनुसार आपके सगे–संबंधियों से आपको सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। इस माह में आपकी अनावश्यक कुछ यात्राएं हो सकती हैं। जिससे मानसिक अशांति तथा शारीरिक थकान महसूस हो सकता है। परंतु कुछ ऐसी भी यात्रा हो सकती हैं। जिससे आपको लाभ प्राप्त हो। इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आप जिस किसी कार्य व्यवसाय से जुड़े होंगे उससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक गतिविधियाँ काफी अच्छी स्थिति में हो सकती हैं, परंतु बावजूद इसके विवादों से दूर रहने का प्रयत्न करें। अन्यथा किसी भी तरह की मुसीबतें सामने आ सकती हैं। इस माह भाग्य आपका साथ देगा तथा कामकाज के क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। आपके लिए इस दौरान बाहर की यात्रा करना अच्छा रहेगा। यदि विदेश यात्रा के लिए प्रयासरत हैं तो आपको अच्छी कामयाबी मिलने की भी संभावना बन रही है। बाहर की यात्रा तथा बाहर के कामकाज के क्षेत्रों से अच्छी सफलता प्राप्त होगी, लेकिन आपका दांपत्य जीवन तनावपूर्ण स्थिति में रहने वाला है। इस माह आपको जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त न होने से कई तरह की समस्या उत्पन्न हो सकती है। आपकी बाहर की यात्रा तथा घरेलू समस्याएं ज्यादा हो सकती हैं। शत्रुओं पर भारी रहने वाले व्यक्ति होते हैं। इसलिए यदि इस समय यदि किसी तरह का कोई अनावश्यक विवाद चल रहा हो तो उसे दूर करने का प्रयत्न किया जा सकता है। संतान पक्ष से सुख की अनुभूति प्राप्त होगी। गाड़ी घर इत्यादि की सुख सुविधा प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं तथा सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा भी प्राप्त हो सकता है। माता–पिता से संबंध मधुर हो सकते हैं तथा समय के अनुसार सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। यदि आप राजनीतिज्ञ हैं और राजनीतिक क्षेत्र में पकड़ बनाना चाहते हैं तो वह सफल हो सकता है। पद पोजीशन प्राप्ति के लिए स्थितियाँ काफी अच्छी हो सकती हैं। यदि आप नौकरी करते हैं और पोजीशन प्राप्ति का लालसा रखते हैं और उसके लिए इस माह अपने प्रयत्न करते हैं तो आपको कामयाबी अच्छी मिल सकती है। आप जहां भी कार्यरत हैं वहां पर आपके सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। सबके साथ मेल–जोल बनाए रखने से हर तरह की समस्याओं से निपटने का बल मिल सकता है। इस माह में 8, 9, 17, 18 तथा 30 तारीख आपके लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं। इसलिए आपको इस समय कुछ मानसिक परेशानियां उत्पन्न होने से परेशानी उठानी पड़ सकती हैं। आपको सलाह दी जाती है कि आप किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को इस समय में न करें।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में परिवार का सहयोग प्राप्त होने की संभावना अच्छी बन रही है। घर में हर स्तर का व्यक्ति आपको अपने अनुसार सहयोग करने की भावना रखेगा और समय के अनुसार आपको पूरा सहयोग भी प्रदान करता दिखाई देगा। माता–पिता से संबंध अच्छे होने के साथ–साथ आपको उनसे सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। घरेलू कार्यों में हर किसी का सहयोग देखने को मिलेगा तथा घर परिवार में हर क्षेत्र में वृद्धि देखी जा सकती है। पारिवारिक संतुलन बेहतर होने से हर तरह के क्षेत्रों में विकास नजर आता है। कामकाज के क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। अतः घर परिवार को बेहतर स्थिति में रखने के लिए हर तरह से सहयोग की भावना रखना आपके लिए बेहतर होगा। आपको अच्छी कामयाबी भी मिल सकती है। संतान पक्ष को लेकर भी स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। संतान की पढ़ाई लिखाई तथा उसके क्रिया कलापों से आप संतुष्ट हो सकते हैं। घर परिवार में सबके प्रति अच्छी भावना रखने के साथ–साथ आप इस माह सबके प्रति संवेदनशीलता भी रखेंगे। जिससे आपसी सामंजस्य बेहतर हो और हर तरह का सहयोग

प्राप्त हो पाएँ। परिवार में कुछ शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :— इस माह में प्रेम संबंध को लेकर स्थितियाँ काफी अच्छी रहने वाली हैं। प्रेमी/प्रेमिका के संबंधों में वृद्धि देखने को मिलेगी तथा एक दूसरे के प्यार में आप दोनों की संलिप्तता रहेगी। प्रेम प्रगाढ़ता बढ़ने से हर तरह की समस्याओं का समाधान हो सकता है। प्रेम संबंध के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी आप एक दूसरे के विश्वास पर खरे उतर सकते हैं। अपने आप पर भरोसा रखते हुए अपने प्रेमी/प्रेमिका पर भी पूर्ण भरोसा रखने का प्रयास करें, तभी आपको अच्छी कामयाबी प्राप्त हो सकती हैं। यदि आप इस माह में अपने प्रेमिका या प्रेमी से इज़हार करना चाहते हैं तो कुछ अच्छे उपहार के साथ इस माह के उत्तरार्ध में आप उनसे अपने प्रेम का इज़हार कर सकते हैं तथा एक दूसरे पर भरोसा जता सकते हैं, ताकि आप दोनों का प्रेम आपके इस रिश्ते को लेकर सुदृढ़ हो सके और आपका विश्वास एक दूसरे के प्रति बढ़ सके। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ तनावपूर्ण हो सकती है। जीवनसाथी के साथ अनबन होने के साथ—साथ उनसे अलगाव भी उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयत्न करें। जिससे स्थितियाँ अनुकूल रहे क्योंकि धनु राशि में शनि केतु संचार कर रहा है तथा मिथुन राशि में राहु संचार कर रहा है जो दांपत्य जीवन के लिए काफी तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न करा सकता है। जीवनसाथी के साथ संबंध बिगड़ने की संभावना बन रही है। उसे मधुर बनाने का प्रयत्न करें।

आर्थिक जीवन :— इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्ति के लिए किया गया प्रयत्न सफल होने की संभावना बन रही है। क्योंकि आर्थिक लाभ प्राप्त करने का उद्देश्य पूरा होने वाला है। मंगल कन्या राशि में संचार कर रहा है जो आर्थिक व धन लाभ प्राप्ति के दृष्टि से बेहतर स्थिति बनाता है। गुरु वृश्चिक राशि में संचार कर रहा है जो कार्य व्यवसाय से जुड़े हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही है। ऐसे में यदि इस समय आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से आगे की कार्य योजनाओं को सफल बना सकते हैं। यदि व्यवसाय से संबंधित कोई विस्तार करने की आपकी कोई योजना है तो वह भी सफल हो सकती है। आर्थिक लाभ के क्षेत्रों में आपको कामयाबी प्राप्त होने की संभावना है। अतः आप अपने कमाल के आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य के प्रति सजग रहें। यदि निवेश का मन बना रहे हैं तो वह भी समय के अनुसार सफल हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं और उसके साथ ही कोई अन्य व्यवसाय करने का मन बना रहे हैं तो इस माह में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आप किसी सोचे—समझे व्यवसाय का शुभारंभ कर सकते हैं। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो सकती है। अनावश्यक धन का आदान—प्रदान न करें। किसी अन्य व्यक्ति को धन देने की कोशिश न करें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य :— इस माह में त्वचा से संबंधित कोई संक्रमण इत्यादि देखने को मिल सकता है। इसके अलावा आपको अपने पेट से संबंधित या रक्त से संबंधित कोई विकार उत्पन्न होने की भी संभावना बन सकती हैं। ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की कोशिश करें।

उपाय :— आप बुधवार के दिन गणेश जी की आराधना करें तथा बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें। गाय को हरी चीजें खिलाएं तथा विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई से संबंधित आवश्यक सामग्री दान कर सकते हैं। अगर ये सामग्री उन छात्रों को दी जाएं जो उसे खरीदने के योग्य न हो, तो आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा।

कर्क राशि

सारांश :– आप अनावश्यक सोच के कारण तनाव में आ जाते हैं। जिसके कारण आपकी मानसिक अशांति बढ़ जाती है और कार्य करने की क्षमता कम होती चली जाती है। पूर्व में डिप्रेशन में रहने के कारण आप किसी भी तरह की समस्याओं में उलझ कर रह जाते हैं। जिससे आपका कामकाज का क्षेत्र प्रभावित होता है। आप किसी भी क्षेत्र में पूर्ण रूप से निर्णय नहीं ले पाते हैं। जिसके कारण आपकी परेशानियां बढ़ती हैं। आप किसी भी कार्य को सोच समझकर और ज़िम्मेदारी पूर्वक करें तो आपको अच्छी कामयाबी मिल सकती है। वैसे आप एक जिम्मेदार व्यक्ति होते हैं परंतु पारिवारिक मोह माया से दूर रहने का प्रयत्न आप इस समय कर सकते हैं। आप दूसरों का ख्याल नहीं रखते दिखाई देंगे, जिसके कारण आपके परिवार से भी मोह भंग हो सकता है। इस माह में घर में विवाद उत्पन्न हो सकता है। अतः किसी तरह के विवादों से बचने का प्रयास करें तथा परिवार के प्रति अच्छी जिम्मेदारियां निभाए। अचल संपत्ति प्राप्ति के लिहाज से स्थितियाँ अनुकूल रहेंगे। परंतु धन के लिए ही सब कुछ करना यह आपकी भूल हो सकती है। कार्य व्यवसाय के साथ–साथ घर परिवार का भी ख्याल रखना आपकी ही ज़िम्मेदारी होगी। इसलिए इस माह हर तरह के कार्यों के साथ–साथ आपको अपने घर परिवार को नज़रअंदाज़ न करते हुए उसे अपने ही कार्य का हिस्सा समझना होगा। इस माह में उन्नति के लिए अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो पद पोजीशन प्राप्ति के लिए ये समय अनुकूल रहने की संभावना बन रही है। सामाजिक मान–सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकता है। भूमि वाहन वाहन इत्यादि का योग अच्छा बन रहा है तथा घर परिवार में कुछ अच्छे कार्य होने की संभावना बन सकती हैं। माता–पिता से संबंध अच्छे रहेंगे परंतु माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आप राजनीति पकड़ बनाने का प्रयत्न कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। पढ़ाई लिखाई से संबंधित किसी तरह का कोर्स इत्यादि है तो उसे पूरा किया जा सकता है। अनावश्यक विवादों से दूर रहने का प्रयत्न करना तथा अपने कार्य के प्रति ज़िम्मेदारी रखना आपके लिए बेहतर होगा। बाहर की यात्रा तथा दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है तथा भाग्य भी आपका साथ दे सकता है। व्यावसायिक लाभ के लिए आपको अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामले में भी इस समय वृद्धि देखी जा सकती है। लेकिन आपको अनावश्यक यात्राओं से बचने का प्रयास करना होगा क्योंकि इस माह में भागदौड़ तथा तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। परंतु इस भाग दौड़ तथा तनावपूर्ण स्थिति में भी लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। अतः किसी भी कार्य को सोची समझी रणनीति के तहत करने का प्रयास करें। जल्दबाजी में किसी भी कार्य को ना करें। अन्यथा आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस माह में खासकर 1, 2, 10, 11 तथा 19 तारीख को किसी भी तरह के शुभ कार्य को करने से बचें, अन्यथा आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन :– पारिवारिक माहौल खराब होने की संभावना बन सकती हैं, अतः इसे ठीक करने का प्रयत्न करें। आपसी सामंजस्य बेहतर बनाए रखने के साथ–साथ सबका ख्याल रखें। एक दूसरे की आवश्यकताओं को समझते हुए उसकी आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयत्न करें। जिससे कि आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त हो सके। आप एक सुलझे हुए व्यक्ति होते हैं और अपने हर तरह की स्थिति परिस्थितियों को देखा है। इसलिए आप अपने कार्य को भी हर तरह की समस्याओं से बाहर निकालने का प्रयत्न कर सकते हैं। आपको कामयाबी मिल सकती है। आपको इस समय अनावश्यक किसी के कहे या बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि अन्य तरह की बातों को दूर करते हुए और अपने आप पर भरोसा करते हुए आपको घर परिवार के प्रति अच्छी आस्था रखनी होगी। घर–परिवार की चिंता करना अच्छा रहेगा लेकिन ये चिंता को मानसिक तनाव न बनने दें। संतान पक्ष तथा संतान से सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। माता–पिता से संबंध रखेंगे तथा माता पिता से सहयोग प्राप्त हो सकता है। उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो सकती हैं। अपने माता–पिता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई, बंधु व इष्ट मित्रों से सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है। समय के अनुसार सहयोग प्राप्त हो सकता है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह आपको अपने प्रेमी/प्रेमिका के साथ कहीं घूमने का अवसर प्राप्त हो सकता है, जिससे आप दोनों को अपने मन की बातें भी शेयर करने का अवसर प्राप्त होगा। बाहर घूमने फिरने से एक दूसरे के प्रति प्यार की भावनाएं जागृत होगी। हर तरह से लाभ प्राप्त होने की संभावना बनेगी। प्रेमी/प्रेमिका को एक दूसरे पर पूर्ण भरोसा रखना तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रखना प्रेम संबंधों में और निखार लाता है। प्रेम में प्रगाढ़ता तभी पड़ती है जब एक दूसरे के प्रति हम अच्छी भावनाएं रखते हैं। इसलिए आप अपने प्रेमी/प्रेमिका के बीच में किसी भी तरह का मतभेद ना हो ऐसा कोशिश करें। प्रेम संबंध बेहतर हो तो हर तरह के क्षेत्रों में सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन जाती हैं तथा एक दूसरे को बेहतर स्थिति में देखने की लालसा होती है। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ थोड़ी तनावपूर्ण हो सकती हैं। जीवनसाथी के साथ कहासुनी होने के कारण मानसिक अशांति तथा तनाव पूर्ण स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। जिसके कारण विवाद उत्पन्न हो सकता है और हर तरह के क्षेत्रों में समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयत्न करें।जिससे आपको कामयाबी मिले।

आर्थिक जीवन :– आर्थिक लाभ प्राप्ति का इस माह आपको अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है क्योंकि सूर्य कन्या राशि में संचार कर रहा है। इसलिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने का उद्देश्य पूरा होने में थोड़ा समय लग सकता है। परंतु आपके कई उद्देश्यों की पूर्ति हो सकती है। मंगल भी कन्या राशि में संचार कर रहा है जो कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छा लाभ प्राप्त होने का अवसर बनाता है। आप जिस किसी कार्य को करेंगे उस कार्य में आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त होने की संभावना बनेगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो व्यावसायिक लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप नौकरी करते हैं तो आर्थिक निवेश का अवसर प्राप्त हो सकता है और आगे चलकर के स्थितियाँ बेहतर हो सकती हैं। इसलिए आप अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सजग रहें। आपको कामयाबी प्राप्त हो सकती है। प्रॉपर्टी के क्षेत्र में भी निवेश कर सकते हैं तथा फ़ाइनेंशियल क्षेत्र में भी निवेश करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार कार्य करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी हो और आर्थिक लाभ प्राप्ति का उद्देश्य आने वाले समय में पूरा हो। हर तरह की समस्याएं दूर हो। इसलिए सोची समझी रणनीति के तहत कार्य करना आपके लिए इस समय फलदायक रहेगा।

स्वास्थ्य :– इस माह में आपको किसी तरह की अनावश्यक बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है तथा आर्थिक रुप से नुकसान भी उठाना पड़ सकता है, इसलिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। याद रहें किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर उसका सही समय से उपचार कराए।

उपाय :– आप सोमवार के दिन दुग्ध मिश्रित जल भगवान भोलेनाथ को अर्पित करें तथा महादेव के मन्त्र "ओम नमः शिवाय" का उच्चारण करें। साथ ही सफेद चीजों का दान करें। इससे आपको ज़रूर ही लाभ प्राप्त होने की संभावना बन पाएगी।

सिंह राशि

सारांश :– आप महत्वाकांक्षी व्यक्ति होते हैं। प्रशासनिक क्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत होती हैं। आप जिस किसी कार्य को करते हैं पूर्ण ज़िम्मेदारी के साथ करते हैं। जिससे कामकाज के क्षेत्रों में अच्छी सफलता प्राप्त होने की संभावना बन पाती है। इसलिए इस माह भी साहस और पराक्रम के साथ आप हर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की कोशिश

करेंगे, जिससे आप सबकी नजरों में कर्मशील व्यक्ति के तौर पर उभर पाएंगे। परंतु गुस्सा करने के कारण आपको तनाव महसूस हो सकता है। किसी भी कार्य को जल्दबाजी में या गुस्से में करने का प्रयास ना करें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। आप अपने कार्य क्षमताओं से हर किसी को बस में करने में सफल हो सकते हैं। आप नेतृत्व की चाह करने वाले व्यक्ति होते हैं तथा सामाजिक मान–सम्मान पद–प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिहाज से स्थितियाँ अनुकूल होती हैं। इस माह में धन अचल संपत्ति को लेकर स्थितियाँ सामान्य रहने वाली हैं तथा सगे–संबंधियों से संबंध भी सामान्य स्थिति में रहेंगे। अपनी कोई अचल संपत्ति प्राप्ति का प्रयास यदि आप कर रहे हैं तो इस माह के उत्तरार्ध में उसमे सफल हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं और कोई पद पोजीशन प्राप्ति के लिए तैयारी कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। राजनीतिक लाभ प्राप्त होने के भी अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माता–पिता से संबंध अच्छे होने की संभावना है। भाई बहन इत्यादि से भी संबंध अच्छे हो सकते हैं। भूमि वाहन इत्यादि का योग अच्छा बन रहा है। इस माह में आपके द्वारा किए गए कार्यों से सफलता प्राप्त होने की संभावना है। संतान पक्ष को लेकर स्थितियाँ अनुकूल हो सकती हैं। ऐसा हो सकता है कि संतान के पढ़ाई लिखाई से थोड़ी असंतुष्टि हो। प्रेम संबंध के मामले में भी तनाव देखने को मिल सकता है। यदा–कदा एक दूसरे के प्रति आशंकाएं उत्पन्न होने से दोनों के बीच तनाव बढ़ सकता है। शत्रु पक्ष सामान्य स्थिति में रहने वाला है। यदि किसी तरह का कोई भी विवाद हो तो उसे समझाने का प्रयत्न किया जा सकता है। स्वास्थ्य से संबंधित स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। बाहर की यात्रा इत्यादि से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। अपने घर परिवार के प्रति जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। दांपत्य जीवन अच्छा प्रोग्रेस देखने को मिल सकता है। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भाग्य आपका साथ देगा और कामकाज के क्षेत्रों में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे। अनावश्यक यात्राओं से बचने का प्रयास करें, जिससे की आपकी मानसिक स्थिति कंट्रोल में रहे। इस माह में अति उत्साहित होना आपके लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकता है। इसलिए समझदारी के साथ कार्य करना फलदायक होगा। इस माह में 3, 4, 12, 13, 23 तथा 24 तारीख आपके लिए तनावपूर्ण हो सकती हैं। ऐसे में इस दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को करना या किसी शुभ कार्य को करना नुकसानदायक हो सकता है। अतः इस समय में किसी भी शुभ या मंगल कार्य को ना करें।

पारिवारिक जीवन :– माता–पिता से संबंध अच्छे होने के साथ–साथ माता–पिता से सहयोग प्राप्त होने की भी संभावना बन सकती हैं। कुछ ऐसा सहयोग माता–पिता से मिल सकता है जो आपके जीवन के लिए अच्छा होगा। इस माह में आपको घर गाड़ी इत्यादि की सुख सुविधाओं को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। पारिवारिक सहयोग देखने को मिल सकता है। घर परिवार में सबके साथ आपसी सामंजस्य बनाकर रहना तथा किसी कार्य के प्रति ज़िम्मेदारी रखना आपके लिए उन्नतिदायक होगा। आप अपने बच्चे तथा भाई–बहन इत्यादि से सबसे सामान्य व्यवहार रखने का प्रयास करें। जिससे समय के अनुसार वो आपको सहयोग कर सकें। माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में किसी भी तरह की स्वास्थ्य से संबंधित समस्या हो तो उसका समय पर इलाज कराना तथा उनका ख्याल रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। इस माह में कुछ परिवार में शुभ कार्य हो सकते हैं। जिससे घर परिवार में उत्सव का माहौल देखने को मिल सकता है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– प्रेम संबंध के मामले में स्थितियाँ अनुकूल हो सकती हैं। परंतु अनावश्यक एक दूसरे के ऊपर शंका करने की वजह से तनाव बढ़ने की संभावना बन रही हैं या अनावश्यक किसी अन्य व्यक्ति के इशारे पर आप एक दूसरे के ऊपर भरोसा कम करेंगे। जिसकी वजह से आपकी समस्याएं कुछ ज्यादा हो सकती हैं। इसलिए प्रेमी–प्रेमिका को आपसी सामंजस्य बेहतर

बनाए रखने का पूर्ण प्रयास करना ही आपके प्रेम संबंधों में निखार लाएगा। अपने आप पर भरोसा करते हुए अपने प्रेमी/प्रेमिका पर भी पूर्ण भरोसा करें और प्रेम संबंधों को बेहतर दिशा देने का प्रयत्न करें। इस माह में आपके मन की बातें या कुछ इच्छाएं सफल हो सकती हैं। समय के अनुसार अपनी मन की बातें अपने प्रेमी/प्रेमिका से शेयर कर सकते हैं जो आपके लिए फलदायक सिद्ध होगी। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध हो सकते हैं तथा बाहर की यात्रा एक दूसरे का सहयोग देखने को मिल सकता है। कामकाज के क्षेत्रों में भी जीवनसाथी का सहयोग हो सकता है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें, जिससे आपकी पारिवारिक स्थितियाँ अनुकूल रहे।

आर्थिक जीवन :– इस माह में अचानक आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इसलिए आपको इन अवसरों को गवाना नहीं चाहिए, बल्कि समय मिलने पर उसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। क्योंकि अर्थ लाभ प्राप्ति का योग बन रहा है तो वह मिल भी सकता है। कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छी सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। आप जिस किसी क्षेत्र में प्रयासरत होंगे उस क्षेत्र से आपको अर्थ लाभ प्राप्ति का रास्ता मिल सकता है। आप अपने कार्य व्यवसाय से संबंधित कोई नए कार्य भी जोड़ने की कोशिश कर सकते हैं। जिससे कि आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सके। आर्थिक गतिविधियाँ सामान्यतः शुभ रहने वाली हैं। परंतु आर्थिक लेन–देन में सावधानी बरतना तथा अनावश्यक किसी से धन का आदान–प्रदान करना आपके लिए तनावपूर्ण माहौल उत्पन्न कर सकता है। इसलिए अपने धन की रक्षा स्वयं करते हुए अपने कार्य व्यवसाय के प्रति जागरूक रहें और आर्थिक लाभ के उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास करें। यदि प्रॉपर्टी के क्षेत्र में निवेश करने का मन बना रहे हैं या मन बन रहा हो तो आपको समय के अनुसार निवेश करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है और आप अपने कार्य में सफल हो सकते हैं।

स्वास्थ्य :– इस माह में यूँ तो आपको शारीरिक रूप से कोई गंभीर समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं है। हालांकि यदा–कदा किसी तरह की सामान्य परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की कोशिश करें। रक्त से संबंधित या ज्वर बुखार इत्यादि की समस्या देखने को मिल सकती है।

उपाय :– सूर्य को निरंतर जल देना तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना आपके लिए सबसे शुभ रहेगा। सूर्य भगवान को जल देते समय यदि लाल रोलि या पुष्प लाल मिलाकर सूर्य को जल दिया जाए तो इससे फल और भी शुभ मिलेंगे। लाल वस्तुओं का रविवार के दिन दान करें, क्योंकि ऐसा करने से आपकी समस्याएं कम होंगे।

कन्या राशि

सारांश :– आप अपने कार्य के प्रति जिम्मेदार रहने वाले व्यक्ति होते हैं। जो किसी कार्य को करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल करने के उपरांत ही उसे करने का प्रयत्न करते हैं। जिससे आपकी कार्यप्रणाली बेहतर होती है और इससे आपका वक्तव्य भी अच्छा रह पाता है। आप जिस किसी क्षेत्र में होते हैं उस क्षेत्र में बहुत अच्छी स्थिति उत्पन्न करने की क्षमता आपके अंदर होती है। आप साहसी होने के साथ–साथ ज्ञानी होते हैं। अपने ज्ञान से हर तरह की परेशानियों को दूर करने का प्रयत्न करते हैं। इसलिए आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ–साथ आपका विकास भी अच्छा होता है। कामकाज के क्षेत्र में आप अच्छी पकड़ बनाने वाले होते हैं। भाग्य भी आपका अच्छा साथ देगा। इस माह में कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छी सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही है। जिससे आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना अच्छी पाई जाती हैं। अति उत्साहित होकर किसी भी कार्य को करने में सफल होंगे। इस माह किसी बाहर की यात्रा इत्यादि से लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है। क्योंकि गुरु वृश्चिक राशि में संचार कर रहा है, जिससे आपको बाहर की यात्रा इत्यादि से लाभ प्राप्त हो सकता है। इसलिए इस माह में आपके लिए बाहर की यात्रा का योग भी बन रहा है। दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ थोड़ी तनावपूर्ण हो सकती हैं।

जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध होने में समस्या उत्पन्न हो सकती है। परंतु अन्य क्षेत्रों में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। स्वास्थ्य से संबंधित अनावश्यक कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है। पेट से संबंधित विकार उत्पन्न होने की संभावना बन रही है। शत्रु पक्ष आपके साथ सामान्य व्यवहार रखने की कोशिश करेगा। आप शत्रुओं पर हावी होने वाले होते हैं। इसलिए यदि किसी तरह का कोई कोर्ट मुकदमा या कोई भी विवादित स्थिति है तो उसे दूर करने का प्रयास करने से सफल हो सकता है। संतान पक्ष को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने की संभावना है। यदि आप किसी तरह का कोई कोर्स कर रहे हैं या कोई सर्विस प्राप्ति के लिए तैयारी कर रहे हैं तो उसमें भी सफल हो सकते हैं। प्रेम संबंध के मामले में स्थितियाँ सामान्य रहने वाली हैं। भूमि वाहन इत्यादि का योग अच्छा बन रहा है। राजनीतिक क्षेत्र में पकड़ अच्छी हो सकती है। थोड़ी बहुत तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिलेंगे। राजनीतिक लाभ लेने के लिए आपको अधिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। साहस और पराक्रम के साथ–साथ पोजीशन प्राप्त होने की संभावना है। यदि आप सर्विस करते हैं तो समय के अनुसार पद पोजीशन प्राप्त होने की संभावना बन रही है। मित्रों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। धन अचल संपत्ति प्राप्ति के साथ–साथ सगे–संबंधियों के साथ संबंध बेहत होने की संभावना बन रही हैं। ससुराल पक्ष से संबंध अच्छा हो सकता है। आवश्यकता अनुसार ससुराल पक्ष से सहयोग प्राप्त होने की संभावना दिखाई दे रही है, इसलिए आप किसी भी कार्य को स्थिरता और गंभीरता पूर्वक ही करने का प्रयास करें। किसी पर जरूरत से ज्यादा शक न करें। वैसे आप शंकालु प्रवृत्ति के व्यक्ति होते हैं। इस माह में 6,7,15,16 तथा 26 तारीख़ आपके लिए प्रतिकूल हो सकती हैं। इसलिए इस समय अपना ख्याल रखें। यदि बहुत जरूरत न हो तो इस दिन किसी भी नए कार्य का शुभारंभ न करें। इस समय में आपको कुछ मानसिक परेशानियां ज्यादा हो सकती हैं।

पारिवारिक जीवन :— इस माह में पारिवारिक स्थितियाँ प्रतिकूल हो सकती हैं। माता–पिता से संबंध खराब हो सकते हैं तथा माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर आपकी चिंताएं बढ़ सकती हैं। क्योंकि शनि केतु के साथ धनु राशि में संचार कर रहा है जो भूमि वाहन इत्यादि की प्राप्ति में व्यवधान उत्पन्न करता है तथा माता–पिता घर परिवार में आपसी सामंजस्य खराब करता है। ऐसा हो सकता है कि आपके परिवार में इस माह में कलह की संभावना बढ़ें। ऐसे में एक दूसरे के विश्वास को जीतने का प्रयत्न करें और एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य बनाए रखने का प्रयास करते रहें। पारिवारिक मेल–जोल से हर तरह की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। परंतु परिवार में अशांति होने से हर तरह की परेशानियां सामने खड़ी होती हैं। इसलिए आपकी ज़िम्मेदारी है और आपका कर्तव्य आपको कामयाबी की ओर ले जा सकता है। आप परिवार के प्रति सजग रहें और सबको जोड़कर किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न करें। जिससे स्थितियाँ अनुकूल रहे। संतान पक्ष को लेकर परेशानी कम हो सकती है तथा संतान के पढ़ाई–लिखाई या संतान से सहयोग प्राप्ति की संभावनाएं पूरी हो सकती हैं। अपने आप पर भरोसा करते हुए अपने परिवार को भी भरोसा में लेने का प्रयत्न करें तथा हर तरह की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :— प्रेम संबंध के मामले में स्थिति सामान्य रहने वाली है। एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य व्यस्त होने से प्रेम संबंधों में निखार आ सकता है। प्रेम प्रगाढ़ता बढ़ने से हर तरह की समस्याएं दूर हो सकती हैं। आप दोनों के बीच आपसी सामंजस्य अच्छा होगा तथा आगे चलकर आप दोनों में एक दूसरे के प्रति भावनाएं अच्छी होंगी। यदि आप बाहर कही घूमने फिरने के उद्देश्य से कोई तैयारी कर रहे हैं तो वह भी पूरा हो सकता है। यदि आप अपने प्रेमी/प्रेमिका से बहुत प्यार करते हैं और अभी तक इज़हार नहीं कर पाएँ हैं तो आपको इस माह के उत्तरार्ध में अपने इस कार्य में सफलता मिल सकती है।

प्रेमी–प्रेमिका पर पूर्ण भरोसा रखते हुए एक दूसरे के प्रति विश्वास प्रकट करें। एक दूसरे के प्रेम संबंधों का मान रखें तभी आपको प्रेम संबंधों में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ तनावपूर्ण हो सकती हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध खराब होने की संभावना बन रही हैं। ऐसा हो सकता है कि जीवनसाथी के साथ अलगाव की स्थिति उत्पन्न हो। परंतु ससुराल पक्ष को विश्वास में लेकर यह सब समस्याओं का समाधान ढूंढा जा सकता है। अपने जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास भी करते रहें, जिससे स्थितियाँ आपके लिए इस माह अनुकूल ही रहे।

आर्थिक जीवन :– यदि व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। इस माह में आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे। इस माह किसी नए व्यक्ति से संबंध जोड़ने पर आपको और अधिक लाभ हासिल होना का सही मार्ग मिलेगा और आप अपनी फ़ाइनेंशियल स्थिति को मजबूत कर पाएंगे। इस बात को समझने की ज़रूरत है कि आपके दूसरों से व्यावसायिक संबंध मधुर हो तथा हर तरह की स्थिति व परिस्थिति से निपटने की क्षमता को मजबूत करना आपकी ही ज़िम्मेदारी है तभी आर्थिक स्थिति को बेहतरीन किया जा सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं और किसी तरह के व्यवसाय के लिए प्रयत्न कर रहे हैं तो सफल हो सकता है। यदि आप निवेश करने का मन बना रहे हैं तो इस माह में आप निवेश भी कर सकते हैं। परंतु निवेश करने के लिए क्षेत्र का चयन करना आपके लिए महत्वपूर्ण है। यदि आप चाहें तो प्रॉपर्टी के क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं या फ़ाइनेंशियल क्षेत्र में निवेश करें। जिससे आपको आर्थिक लाभ अच्छा प्राप्त हो सके। आर्थिक लेन–देन में रिश्तेदारों से बचने का प्रयास करें, अन्यथा आर्थिक नुकसान होने के साथ–साथ शारीरिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इससे आपको मानसिक अशांति तथा आपके मन में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

स्वास्थ्य :– इस माह में आपको कोई पुराना जोड़ों का दर्द इत्यादि परेशान कर सकता है तथा आप इस दौरान किसी तरह के संक्रमण वायरल इत्यादि के शिकार हो सकते हैं। इसलिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना तथा किसी भी तरह की परेशानियों को आने से पहले सावधान रहना आपके लिए बेहतर होगा।

उपाय :– बुधवार के दिन हरि चीजों का दान करना तथा बुधवार के दिन गणपति की आराधना करना व भगवान भोलेनाथ को दूर्वा अर्पित करना आपके लिए शुभ रहेगा। आप इस माह बुधवार के दिन गणेश जी को भी दूर्वा अर्पित क्र सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए महत्वपूर्ण होगा। इस माह आप हरे वस्त्र धारण कर सकते हैं।

तुला राशि

सारांश :– आप एक बुद्धिजीवी व्यक्ति होते हैं। सबके साथ आपसी तालमेल मिलाकर चलने वाले होते हैं। अपना बैलेंस बनाकर आगे के कार्यों को बढ़ाने का प्रयत्न करते हैं। घर परिवार में सभी के साथ मिलकर किसी भी कार्य को करने वाले होते हैं। जिससे आपके कामकाज के क्षेत्रों में तथा पारिवारिक स्थितियों में उन्नति देखने को मिलती है। स्थिरता और गंभीरता पूर्वक कार्य करने वाले होते हैं। ऐसे में इस माह में आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होने की संभावना अधिक दिखाई दे रही है। थोड़ा भागदौड़ तथा तनावपूर्ण स्थिति में ज़रूर उलझ सकते हैं। परंतु उस कार्य व्यवसाय से लाभ प्राप्ति का उद्देश्य पूरा हो सकता है। यदि आप सर्विस करते हैं और कोई व्यवसाय करने का मन बना रहे हैं

तो आप खान–पान से संबंधित सामग्रियों का व्यवसाय करते हैं तो आपको लाभ अच्छा प्राप्त हो सकता है। इस माह में भाग्य आपका अच्छा साथ देगा और आपको अच्छी कामयाबी प्राप्त होने की संभावना बन रही है। इसलिए आप जिस किसी कार्य को करें। लगन और मेहनत के साथ करें, जिससे कि आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त हो सके। वैसे भी आप एक कर्मशील व्यक्ति होते हैं। जो कार्य के प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इसलिए लाभ प्राप्त होने की संभावना बढ़ जाती है। बाहर की यात्रा का योग अच्छा बन रहा है। यदि आप विदेश यात्रा करने का मन बना रहे हैं या किसी कार्य व्यवसाय से संबंधित कोई प्रयास कर रहे हैं तो वह सफल होने की संभावना है। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर तनाव पूर्ण स्थितियाँ हो सकती हैं। परंतु प्रयास करने से इस माह के उत्तरार्ध में स्थितियाँ अनुकूल भी हो सकती हैं। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा तनाव महसूस हो सकता है। परंतु बाद में स्थितियाँ अच्छी हो सकती हैं। शत्रु परेशान करने की कोशिश कर सकता है, परंतु धैर्य पूर्वक कार्य करने से शत्रु को भी वश में किया जा सकता है। संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष में वृद्धि देखने को मिल सकती है। आप इन दोनों विषयों में सफल हो सकते हैं। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। माता–पिता से संबंध अच्छे हो सकते हैं। भूमि वाहन इत्यादि का सुख सुविधा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। यदि आप राजनीतिक क्षेत्र में झुकाव रखते हैं तो इस माह में राजनीतिक लाभ प्राप्त होने की संभावना बन सकती हैं। साहस और पराक्रम के साथ पद पोजीशन प्राप्त होने की संभावना है। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपको इस माह में कुछ पोजीशन प्राप्त हो सकती हैं, जिससे आप संतुष्ट हो पाएंगे। धन अचल संपत्ति प्राप्ति में व्यवधान उत्पन्न होगा। परंतु प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। सोचने और समझने के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता अच्छी है। समय और परिस्थिति को देखते हुए कार्य करने का प्रयास करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी मिले। इस माह में 8, 9, 17, 18 तथा 26 तारीख आपके लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इस समय में किसी भी कार्य को करना तनाव का माहौल बना सकता है। ऐसे में किसी भी शुभ कार्य को करना आपके लिए वर्जित रहेगा।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में परिवार का सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है। माता–पिता से संबंध अच्छे होने के साथ–साथ माता–पिता का सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। हालांकि माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए अपने माता–पिता का ख्याल रखें। घर परिवार में सबके साथ आपसी सामंजस्य मधुर बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे स्थितियाँ अनुकूल रहे और जिस किसी कार्य को करें उस कार्य में सभी की भागीदारी हो सके। संतान पक्ष से चिंता मुक्त हो सकते हैं। संतान प्राप्ति हो या संतान से सहयोग प्राप्त होने की बात हो यह सब सफल हो सकता है। संतान की पढ़ाई लिखाई या उसके करियर से आप प्रसन्नचित हो सकते हैं। अपने आप पर भरोसा रखते हुए घर परिवार के सभी सदस्यों पर भरोसा रखें और सबके साथ मेलजोल बनाए रखने का प्रयास करें। ऐसा हो सकता है कि इस माह में किसी तरह के धन प्रॉपर्टी को लेकर तनाव उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में एक दूसरे को विश्वास में लेकर समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। कोशिश करें कि किसी भी तरह का कोई तनाव उत्पन्न न हो जिससे पारिवारिक स्थितियाँ बिखराव की तरफ जाएँ।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह में प्रेम संबंधों में सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। यदि आप किसी से प्यार करते हैं तो इज़हार करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। आप अपने प्रेमी/प्रेमिका से मधुर संबंध बनाने का प्रयास करें। जिससे स्थितियाँ आपके पक्ष में रहें। इसके साथ ही आप अपने प्रेमी/प्रेमिका को सदैव प्रसन्न रखने की कोशिश करें। कोई ऐसी अनावश्यक बातें न करें जिससे एक दूसरे में तनाव उत्पन्न हो। आप अपने प्रेम संबंधों के अलावा अपने कामकाज के क्षेत्रों में भी सहयोग

की भावना रख सकते हैं। प्रेम में प्रगाढ़ता बढ़ने के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है। अतः प्रेमी/प्रेमिका से मधुर संबंध बनाने का प्रयास करें। जिससे आगे की स्थितियाँ अनुकूल रहे। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर तनाव उत्पन्न होने की संभावना बन रही हैं। अतः जीवनसाथी से मधुर संबंध बनाए रखने का हर प्रयास करें। जिससे स्थितियाँ आपके पक्ष में रहें अन्यथा आप हर तरह से परेशान महसूस कर सकते हैं और आगे के कामकाज के क्षेत्रों में भी व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग अमूल्य होता है, इसलिए सदैव एक दूसरे का ख्याल रखें।

आर्थिक जीवन :– इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्त होने का योग बन रहा है। आप आर्थिक स्थितियों को सुदृढ़ बनाने में सफल हो सकते हैं। ऐसा हो सकता है कि कामकाज को लेकर भाग दौड़ तथा तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। परंतु आपका प्रयास भी सफल हो सकता है। इसलिए आप अपने कामकाज को लेकर सजग रहें और कार्य व्यवसाय को बेहतर दिशा देने का प्रयास करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त होता रहे। इस माह में अर्थ लाभ प्राप्ति के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इसलिए समय और परिस्थिति को देखते हुए उसका पूरा लाभ लेने का प्रयास करें। धन अचल संपत्ति के मामले में सावधान रहें। किसी तरह का कोई बड़ा निवेश करने का मन न बनाएँ। कोशिश करें कि जो कुछ भी आपके पास है उसी को आगे बढ़ाते रहें। आप अपने व्यवसाय को अच्छी दिशा देने में सफल हो सकते हैं तथा आर्थिक लाभ प्राप्ति के उद्देश्यों को पूरा कर सकते हैं। आर्थिक लेन–देन में सावधानी रखना आपके लिए बेहद आवश्यक है। अन्यथा परेशानियों में उलझकर आप बड़े आर्थिक नुकसान की तरफ जा सकते हैं और इससे आपकी शारीरिक परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए पैसों की लेन–देन में सावधानी बरतें।

स्वास्थ्य :– इस माह में किसी भी तरह की शारीरिक परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। खासकर सर्दी– जुखाम से संबंधित या कोई अन्य तरह की परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने का प्रयत्न करें।

उपाय :– शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करें तथा शुक्रवार का व्रत एवं पूजन करें। किसी ज़रूरतमंद व्यक्तियों की सहायता और सहयोग की भावना रखते हुए अपने जीवन को सफल बनाने का प्रयत्न करें।

वृश्चिक राशि

सारांश :– आप साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होते हैं जो किसी भी कार्य को उत्साह पूर्वक तब तक करते दिखाई देते हैं जब तक कि आपका कार्य पूरा न हो जाए। इसी गन के चलते और इस माह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए आप अपने प्रयास जारी रखेंगे। आप जिद्दी स्वभाव के व्यक्ति होते हैं, जो जल्द ही उग्र स्वभाव में आ जाते हैं जिसके कारण आपको इस माह कई परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। इससे आप स्वयं को किसी बड़े नुकसान में पहुंचा सकते हैं। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि गुस्सा कम करें तथा जल्दबाजी में किसी भी ऐसे कार्य को न करें, जिससे आगे चलकर आपको परेशानी हो। आप अपने कार्य को पूरा करने का प्रयत्न खुद से करते रहें। इस माह में आपको अच्छा अनुभव प्राप्त होने के साथ–साथ अच्छा लाभ भी प्राप्त हो सकता है। अच्छे संगति में रहने का अवसर प्राप्त हो सकता है। जिससे आपको कुछ अच्छा

अनुभव प्राप्त होगा। कार्य व्यवसाय के दृष्टि से स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक यात्राओं से बचने का प्रयास करें तथा गलत संगति से दूर रहने का प्रयास करें। जिससे आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सके। इस माह में भाग्य आपका साथ देगा बेशक कामकाज को लेकर यात्रा ज्यादा करना पड़े या मेहनत ज्यादा करना पड़े परंतु लाभ प्राप्त होने की संभावना है। बाहर की यात्रा इत्यादि से लाभ अच्छा हो सकता है। क्योंकि सूर्य कन्या राशि में संचार कर रहा है। इस माह के पूर्वार्द्ध में आपको लाभ प्राप्ति का अवसर प्राप्त हो सकता है। हालांकि शत्रु पक्ष अनुकूल रहने वाला है। इसलिए किसी तरह का कोई विवादित समस्या है तो उसे समझाने का प्रयास इस समय किया जा सकता है। इस माह में दांपत्य जीवन अच्छा रहने वाला है। जीवनसाथी तथा ससुराल पक्ष से सहयोग प्राप्त हो सकता है। संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष बेहतर दिशा में रहने वाला है। इसलिए इस दोनों मामले में आप खुद को खुश नसीब महसूस कर सकते हैं। धन अचल संपत्ति के मामले में आप बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस माह में धन प्राप्त होने की संभावना बन रही है तथा सगे–संबंधियों से संबंध भी अच्छे हो सकते हैं। परंतु यदा–कदा संबंध खराब भी हो सकते हैं। आप अपने सगे–संबंधियों से सामान्य संबंध रखने का प्रयत्न करें। यदि आप नौकरी करते हैं और किसी पोजीशन प्राप्ति का प्रयास कर रहे हैं तो वह सफल हो सकता है। समाजिक मान सम्मान प्राप्त होने की संभावना अच्छी पाई जाती है। राजनीतिक लाभ प्राप्त होने का योग बन रहा है। यदि आप राजनीतिक लाभ लेने का प्रयत्न करते हैं तो आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। माता–पिता से संबंध अच्छे रहेंगे तथा समय के अनुसार सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। आप अपने जिम्मेदारियों को पूर्ण रुप से पालन करने की कोशिश करें। आवेश में कोई भी कार्य न करें जिससे आपको अच्छी सफलता प्राप्त हो सके। इस माह में 1, 2, 11, 12, 20 तथा 21 तारीख आपके लिए प्रतिकूल है। इस समय में किसी भी महत्वपूर्ण बैठक को न करें। मानसिक अशांति तथा तनावपूर्ण स्थितियों से दूर रहने का प्रयास करें, जिससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सके।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में परिवार का सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है। परंतु सगे–संबंधियों के हस्तक्षेप से आपके परिवार में तनाव का माहौल उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आप अपने सगे संबंधियों से सामान्य संबंध रखने का प्रयास करें। क्योंकि बहुत ज्यादा लगाव रखने से आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं। पारिवारिक संतुलन बेहतर हो इसके लिए घर परिवार में सबके साथ आपसी सामंजस्य बेहतर बनाए रखने का प्रयत्न करते रहें। माता–पिता का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए माता–पिता से राय कर किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न करें। जिससे पारिवारिक स्थितियाँ बेहतर दिशा में विकास कर सकें और घर परिवार में सबके साथ आपसी सामंजस्य तथा तालमेल बेहतर हो। जिससे कि हर तरह के क्षेत्रों में विकास किया जा सके। संतान पक्ष से संतुष्टि प्राप्त होगी। संतान प्राप्ति हो या संतान सहयोग की बात हो हर तरह से सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। संतान को लेकर आप प्रसन्नचित हो सकते हैं। घर परिवार में भी सबके साथ मिलकर किसी भी कार्य को करने में सफल हो सकते हैं। इसके लिए आपको रणनीति बनानी होगी तथा सबके साथ मेलजोल बेहतर बनाए रखने का प्रयास करना होगा। इस माह में आपके घर परिवार में कुछ शुभ मांगलिक कार्य भी संपन्न हो सकते हैं।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह में कोई आपको अच्छा प्यार मिल सकता है। जिससे आप अपने प्रयास को सफल समझ सकते हैं। प्रेम संबंधों में इज़ाफा देखने को मिलेगा तथा आपका प्रयास सफल होगा। यदि आप किसी से प्यार करते हैं तो उससे इज़हार करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। अपने प्रेमी/प्रेमिका के साथ सदैव मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें तथा सदैव एक दूसरे के साथ प्रसन्नचित रहने की कोशिश करें। जिससे

कि आपका प्रेम संबंध में अच्छी स्थिति बन पाएँ। इस माह में अपने प्रेमी/प्रेमिका को खुश करने के लिए कुछ अच्छे उपहार के साथ उनसे मिलने का प्रयत्न करें। जिससे कि आप दोनों की प्रसन्नता हमेशा बनी रहे तथा एक दूसरे का साथ भी हमेशा बना रहे। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होने की संभावना अच्छी पाई जाती है। जीवनसाथी के सहयोग से हर तरह के समस्याओं का समाधान हो जाता है। इसलिए जीवन साथी के साथ मधुर संबंध हो ऐसा प्रयास करना चाहिए। जीवनसाथी के साथ अच्छा संबंध होने से ससुराल पक्ष से भी सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है।

आर्थिक जीवन :— इस माह में आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होने के संयोग बन रहे हैं। आप जितना ज्यादा प्रयास करेंगे उतना ही आपको अच्छी सफलता प्राप्त होगी। क्योंकि भाग्य भी आपका अच्छा साथ दे रहा है। ऐसा ज़रूर है कि आपको आर्थिक या धन लाभ प्राप्ति के लिए कुछ तनाव महसूस करना पड़े तथा लगन और मेहनत के साथ आपको इस समय कार्य करने पड़ सकते हैं। जिससे आपको आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। अतः मेहनत करने का सदैव प्रयास करें। आप एक कर्मशील व्यक्ति हैं। जिस किसी कार्य को करते हैं उस कार्य से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होने का योग बन रहा है। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं या किसी तरह का कार्य व्यवसाय करने का प्रयत्न कर रहें हैं तो भी आपको समय के अनुसार सफलता प्राप्त हो सकती हैं। आप निवेश करने का मन बना रहे हैं तो भी आप निवेश कर सकते हैं। आप इस माह प्रॉपर्टी के क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। परंतु रिश्तेदारों से दूर रहने का प्रयास करें तथा धन का आदान–प्रदान पर नियंत्रण रखें। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहे।

स्वास्थ्य :— इस माह में किसी भी तरह की चोट–चपेट की संभावना बन सकती हैं तथा रक्त से संबंधित किसी भी तरह का विकार उत्पन्न हो सकता है। अतः अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन इत्यादि का प्रयोग करते हैं तो सावधानी रखें।

उपाय :— आप मंगलवार का व्रत एवं पूजन करें। हनुमान जी का दर्शन कर हनुमान जी को प्रसाद अर्पित करने के पश्चात ही उस प्रसाद को वितरित करें। लाल वस्तुओं का दान करें। रोज हनुमान चालीसा का सुंदरकांड का पाठ करें। इससे आपकी स्थितियाँ अनुकूल रहेगी।

धनु राशि

सारांश :— आप दूसरों पर भरोसा कम करने वाले होते हैं। सदा कनफ्यूजन में रहने के कारण आपके कामकाज के क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ता है तथा समय पर किसी भी कार्य की संपन्नता न होने से आपकी परेशानियां बढ़ती हैं। इसलिए आप इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस माह अपने आप पर और अपने सहकर्मियों पर भी भरोसा करने का प्रयत्न करें। जिससे कामकाज के क्षेत्रों को बेहतर दिशा दी जा सके। इस माह में आपका दांपत्य जीवन प्रभावित रहेगा। जीवनसाथी से तनाव पूर्ण स्थिति होने की संभावना है। मानसिक अशांति तथा तनाव के कारण आपको कई तरह की परेशानियां सामने आ सकती हैं। खासकर पारिवारिक समस्या ज्यादा होने की संभावना है। आप अपने घर परिवार के प्रति सदस्य अच्छा व्यवहार करने का प्रयत्न करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त हो सके। इस माह में धन अचल संपत्ति प्राप्ति का योग अच्छा बन रहा है। यदि धन संचय करने का प्रयास है तो उसमें सफल हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी प्राप्त होने की संभावना है। जिससे आपकी पोजीशन बेहतर स्थिति में हो तथा कामकाज से आप संतुष्ट हो सके। माता–पिता से संबंध

अच्छे हो सकते हैं। परंतु माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशानियां बढ़ सकती हैं। सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। राजनीतिक लाभ प्राप्त होने में कठिनाइयाँ उत्पन्न होंगी। भूमि वाहन इत्यादि की सुख सुविधा को लेकर भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अपने आपसे असहज महसूस कर सकते हैं। संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष को लेकर स्थितियाँ बेहतर होने की संभावना है। शत्रु पक्ष भी सामान्य स्थिति में रहने वाला है। स्वास्थ्य को लेकर कोई गंभीर समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं है। इस माह में बाहर की यात्रा इत्यादि का योग अच्छा बनेगा। यदि आप विदेश यात्रा करने का मन बना रहे हैं या विदेश से संबंधित कामकाज के क्षेत्रों में प्रयासरत हैं तो वह सफल हो सकता है। इस माह में आपका भाग्य अच्छा साथ देगा और आपको अच्छी कामयाबी प्राप्त हो सकती है। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए आप लगन और मेहनत के साथ अपने कामकाज के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयत्न करें। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो और आप मानसिक रुप से संतुष्ट हो सके। मानसिक अशांति रहने से परेशानियां बढ़ेगी। इसलिए आप अपने कार्य के प्रति इस माह संलग्न रहे। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे हर तरह के क्षेत्रों में अच्छी सफलता प्राप्त की जा सके। जल्दबाजी में तथा गुस्से में किसी भी कार्य को ना करें। अन्यथा नुकसान होने की संभावना बन सकती हैं। इस माह में आपको 3, 4, 12, 13, 23 तथा 24 तारीख आपके लिए तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इस समय में किसी भी तरह के शुभ कार्य को करने से बचें तथा आर्थिक लेन–देन में सावधानी रखें। समय और परिस्थिति को देखते हुए ही हर कार्य करें, तभी आपको कामयाबी अच्छी मिल पाएगी।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में परिवार को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न होगी। अनावश्यक परिवार में विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। जिसके कारण मानसिक अशांति तथा तनावपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में गंभीरता से कार्य करने तथा निर्णय लेने की कोशिश करें। सबके साथ आपसी सामंजस्य बेहतर बनाए रखने का प्रयास करें तथा एक दूसरे के साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे पारिवारिक संतुलन बेहतर स्थिति में हो और घर परिवार का सहयोग समय के अनुसार प्राप्त हो सके। जीवनसाथी के साथ तनाव उत्पन्न होने के कारण परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसलिए मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे घरेलू विवाद उत्पन्न न हो। संतान से सहयोग तथा संतान सुख प्राप्ति का योग बन रहा है। आपका प्रयास आपको अच्छी कामयाबी दिला सकती है। परंतु इसके लिए घर परिवार को जोड़कर एक साथ चलने का प्रयास करें, ताकि इससे परिवार की उन्नति होने के साथ–साथ आपकी भी उन्नति हो सकें। परिवार के महत्व को समझना तथा उसे पूरा करने के अपने दायित्व को आपको इस समय समझना चाहिए, तभी आपके घर परिवार में वृद्धि देखी जा सकती है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह में प्रेम संबंध के मामले में आप संतुष्ट रहेंगे। प्रेमी–प्रेमिका से सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन सकती हैं तथा आपको भरपूर प्यार का आनंद मिल सकता है। जिससे आप संतुष्ट रह सकते हैं। आप प्रेम संबंधों में बेहतर प्रदर्शन करने के साथ–साथ आप अपने कामकाज के क्षेत्रों में भी प्रेमी–प्रेमिका का सहयोग ले सकते हैं, ताकि जीवन की आपकी स्थितियाँ अनुकूल हो सकते हैं। आप अपने प्रेमी/प्रेमिका के साथ सदैव मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे आपकी स्थिति अनुकूल रहे और आपके हर तरह के समस्याओं का समाधान हो सके। आप अपनी मन की बातें भी अपने प्रेमी/प्रेमिका से शेयर कर सकते हैं। जिससे कुछ समस्याओं का समाधान निकल सकता है। प्रेम संबंध के मामले में आप बेहतर स्थिति में हो सकते हैं। दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ तनावपूर्ण रहेंगे। इसलिए जीवनसाथी से मधुर संबंध बनाए रखें। ससुराल पक्ष के लोगों को अपने

भरोसा में लेने का प्रयास करें। जिससे आने वाले समस्याओं का निदान हो सके और पारिवारिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। जिससे आप हर तरह से अपने आप को बेहतर महसूस कर सके।

आर्थिक जीवन :— इस माह के शुरुआती दौर में आर्थिक लाभ को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होंगी। अनावश्यक मानसिक अशांति बढ़ने से कोई विवाद भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए किसी से विवाद करने से बचने का प्रयास करें। आर्थिक लेन—देन में सावधानी रखने में ही इस माह आपकी भलाई है। अनावश्यक किसी से धन का आदान प्रदान न करें। अपने कार्य व्यवसाय से संबंधित आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयत्न करें। जिससे आपको समय के अनुसार अच्छी सफलता प्राप्त हो सके। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर स्थिति बना सकते हैं और आर्थिक लाभ को सुदृढ़ कर सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में आपको तरक्की हो सकती है तथा नौकरी से आपको किसी प्रकार का कोई आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। यदि आप किसी तरह का कोई निवेश करने का मन बना रहे हैं तो वह भी सफल हो सकता है। आप समय के अनुसार अच्छे क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं। खासकर प्रॉपर्टी इत्यादि के क्षेत्रों में निवेश करना आपके लिए फलदायक हो सकता है। समय और परिस्थिति को देखते हुए अपने कामकाज के प्रति सजग रहें और अपने कार्य को बेहतर दिशा देने का प्रयत्न करें। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो।

स्वास्थ्य :— इस माह में पेट से संबंधित तथा हृदय से संबंधित कोई विकार उत्पन्न होने की संभावना बन रही हैं। इस दौरान आप अपनी अनावश्यक सोच के कारण अपने खुद के लिए मानसिक परेशानियां भी बढ़ा सकते हैं। इसलिए आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने का प्रयत्न करें।

उपाय :— गुरुवार का व्रत एवं पूजन करें तथा गुरुवार के दिन पीली चीजों का दान करें। ब्राह्मण और गाय की सेवा करें गाय को चने की दाल और गुड़ खिलाएं। साथ ही ज़रूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करें। ऐसा करने से आपको मानसिक शांति मिलेगी।

मकर राशि

सारांश :— आप अपने कार्य के प्रति सचेत रहने वाले व्यक्ति होते हैं। इसलिए आपको अच्छी कामयाबी प्राप्त होने की संभावना है। परंतु इस माह में भागदौड़ तथा तनावपूर्ण स्थितियों का सामना ज्यादा करना पड़ेगा। इसलिए आपको सूझ—बूझ के साथ किसी भी कार्य को करना चाहिए। घबराहट में या जल्दबाजी में किसी भी कार्य को न करें। यदि कामकाज से संबंधित कोई यात्रा या कोई भाग दौड़ करना पड़ता है तो आपको उससे पीछे नहीं हटना चाहिए। हालांकि इसके अलावा अनावश्यक किसी तरह की यात्रा इत्यादि करने का प्रयत्न न करें। गलत संगति से दूर रहने का प्रयास करें। अन्यथा आप परेशानियों में हो सकते हैं। धन संचय करने का प्रयास विफल हो सकता है। इस माह में आपके खर्चे ज्यादा होंगे तथा लाभ कम होने की संभावना बन रही हैं। आर्थिक लाभ की स्थितियाँ बेहतर दिशा में जा सकती हैं। परंतु समय व परिस्थिति को देखते हुए कार्य करना चाहिए। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही है तथा कामकाज को देखते हुए आपको आर्थिक लाभ प्राप्त भी हो सकता है। परंतु धन संचय करने का प्रयत्न विफल हो सकता है। इसलिए आवश्यकता अनुसार किसी अच्छे क्षेत्रों में निवेश करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपका भाग्य भी साथ देगा और आप जिस किसी कार्य को करेंगे उस काम

में कामयाबी मिलने की संभावना है। परंतु किसी भी कार्य को ज़िम्मेदारी पूर्वक करने का प्रयत्न करें तथा सोच समझकर कोई निर्णय लेने का प्रयत्न करें। कोई नए कार्य का शुभारंभ इस माह में न करें। जिन भी कार्यों की पुनः शुरुआत आप इस समय करना चाहते हैं उसे शुरू से शुरू न करते हुए उसी को बेहतर बनाने का प्रयत्न करें। विदेश की यात्रा इत्यादि का योग बन रहा है। यदि बाहर जाने का प्रयास है तो वह सफल हो सकता है। इस माह में दांपत्य जीवन भी आपका अच्छा रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होने की संभावना बनती है तथा ससुराल पक्ष से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य को लेकर तनाव उत्पन्न हो सकता है। परंतु शारीरिक अभ्यास तथा कामकाज में लगे रहने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। आलस्य कम करें अपने काम के प्रति सजग रहें। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही है तथा पारिवारिक सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। आपके घर परिवार में भाई बंधु माता–पिता का सहयोग प्राप्त हो सकता है। माता–पिता से संबंध भी बेहतर हो सकते हैं। संतान पक्ष को लेकर संतुष्टि रहेगी। संतान की पढ़ाई लिखाई इत्यादि बेहतर दिशा में हो सकती हैं। राजनीतिक लाभ प्राप्त होने के भी अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप राजनीति में रुझान रखते हैं तो उसके लिए आप प्रयत्न कर सकते हैं। आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। भवन वाहन इत्यादि का योग अच्छा बन रहा है। यदि इस माह में कोई भवन वाहन लेने का प्रयत्न कर रहे हैं तो वह सफल हो सकता है। बेशक थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़े। यदि नौकरी करते हैं तो आपको कोई अच्छी पद पोजीशन प्राप्त हो सकती है। जिससे आप संतुष्ट हो सकते हैं और अपने कामकाज के प्रति सहज महसूस कर सकते हैं। धन संपत्ति को लेकर स्थितियाँ प्रतिकूल रहने वाली हैं। इसलिए अपने सगे–संबंधियों से संबंध सामान्य रखने का प्रयास करें। जिससे कि आपको कोई परेशानी ना हो। इस माह में 5, 6, 15, 23 तथा 24 तारीख आपके लिए ठीक नहीं है। इस समय में आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसलिए इस समय में किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को न करें, अन्यथा उसमें बाधा के साथ–साथ कई परेशानी आने की संभावना है।

पारिवारिक जीवन :— इस माह में अपने परिवार से आपका संबंध अच्छा रहेगा। माता–पिता से संबंध अच्छे होने के साथ–साथ घर परिवार के सभी सदस्यों के साथ भी आपके संबंध अच्छे बनेंगे। समय के अनुसार माता–पिता का सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। परंतु माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ सकती हैं। इसलिए माता–पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें और घर परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर बनाए रखने का प्रयास करें तभी घर का वास्तविक विकास हो सकेगा। कामकाज के क्षेत्रों में भी आपको सहयोग प्राप्त हो सकेगा। घर परिवार के साथ तालमेल बनाए रखना आपके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है तभी आपको सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकेगा। संतान पक्ष को लेकर मन प्रसन्नचित रहेगा। संतान सुख और सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। घर परिवार में कुछ उत्सव का माहौल होने की संभावना बन सकती हैं। कुछ शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। यदा–कदा किसी तरह के तनाव को दूर करने का प्रयत्न करें और घर परिवार में आपसी सामंजस्य से हर तरह के क्षेत्रों में विकास करने का प्रयास करें। सबको भरोसे में लेकर ही किसी भी कार्य को करने का प्रयत्न करना आपके लिए इस समय बेहतर रहेगा।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :— इस माह में प्रेम संबंध को लेकर आप सदैव खुश रहेंगे। आपके अपने प्रेमी/प्रेमिका से मधुर संबंध होने के साथ–साथ आप दोनों के प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी तथा आपके मन में एक दूसरे के प्रति अच्छी भावनाएं उत्पन्न होंगी। इस समय ज़रूरी है कि आप अपने आप पर भरोसा करते हुए अपने प्रेमी/प्रेमिका पर भी पूर्ण भरोसा करें। जिससे एक दूसरे का सहयोग समय पर मिलता रहे। यदि आप अपने प्रेमी/प्रेमिका को बहुत प्यार करते हैं और उनसे आगे की बातें शेयर करना

चाहते हैं तो वह कर सकते हैं। आप किसी अच्छे उपहार के साथ अपने प्रेमी/प्रेमिका से मिलने का प्रयत्न करें और मधुर भाषा का प्रयोग करते हुए अपने मन की बातें शेयर करें। जिससे आपको स्वयं से संतुष्टि प्राप्त हो और आपका प्रेम संबंध काफी अच्छी स्थिति में रहे। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। जीवनसाथी का घर और सहयोग प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। आप जिस किसी काम को करेंगे उस काम में जीवनसाथी का सहयोग होने के साथ–साथ ससुराल पक्ष से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। इसलिए जीवनसाथी से मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयत्न करें।

आर्थिक जीवन :– इस माह में आर्थिक लाभ को लेकर तनावपूर्ण स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इससे बनते हुए कार्य भी बिगड़ने की संभावना है। जिससे संभव है कि मिलते मिलते धन रुकने का योग बनेगा। इसलिए आप धन के आदान–प्रदान में सावधानी रखें तथा किसी भी तरह के विवादों से बचने का प्रयत्न करें। आप यदि व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से धन लाभ का प्रयास सफल हो सकता है। यदि आप किसी तरह का निवेश करने का मन बना रहे हैं तो वह भी कर सकते हैं। क्योंकि धन संचय करने का प्रयत्न आपका विफल हो सकता है और आप आर्थिक परेशानियों से जुड़ सकते हैं। ऐसे में आपको अपने धन को बेहतर दिशा देने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में भी आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। आप साथ ही साथ कोई अन्य छोटे व्यवसाय भी कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ प्राप्त होता रहे। आप अपने रिश्तेदारों से दूर रहने का प्रयास करें तथा अपने कामकाज के क्षेत्र में रिश्तेदारों को जोड़ने का प्रयास ना करें। अन्यथा आपको आर्थिक नुकसान होने के साथ–साथ शारीरिक और मानसिक नुकसान भी हो सकता है। इसलिए आप अपने कार्य के प्रति सजग रहें और आर्थिक लाभ का प्रयास करते रहे।

स्वास्थ्य :– इस माह में आपको स्वास्थ्य को लेकर किसी भी तरह के जोड़ों का दर्द या त्वचा से संबंधित इन्फेक्शन इत्यादि का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और किसी भी संक्रमण से बचने का प्रयत्न करें।

उपाय :– आप शनिवार के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक सायं कालीन जलाया करें तथा शनिवार के दिन काली चीजों का दान करें। रोज हनुमान चालीसा इत्यादि का पाठ करें, इससे आवश्यक ही आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकेगा।

कुंभ राशि

सारांश :– आप गंभीर प्रवृत्ति के व्यक्ति होते हैं। आपकी सोचने और समझने के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है। आप किसी भी कार्य को स्थिरता और गंभीरता पूर्वक करने का प्रयत्न करते हैं। इसलिए आपका कार्य सफल होने की संभावना अधिक रहती है। जिस किसी कार्य को सोच समझकर नहीं करते उस कार्य में नुकसान होने की संभावना होती है। इसलिए आप अपने कार्य के प्रति सजग रहते हुए ही अपने आप पर भरोसा करते हुए अपने कार्य को करने का प्रयास करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी मिले। इस माह में आपको भाग दौड़ करने से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है तथा कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छी सफलता प्राप्ति का योग बन रहा है। धन अचल संपत्ति प्राप्ति का योग अच्छा है। इसलिए धन संचय करने का प्रयास सफल हो सकता है। आपके सगे–संबंधियों से संबंध भी अच्छे हो सकते हैं। मित्रों से सहयोग प्राप्त होने के साथ–साथ पद पोजीशन प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। अतः इस ओर अपने प्रयास जारी रखें। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छी उन्नति

हो सकती है। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में भी आपको अच्छा पोजीशन मिल सकता है। भवन वाहन इत्यादि की सुख सुविधा प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। माता–पिता से संबंध अच्छे रहेंगे तथा माता–पिता से सहयोग भी प्राप्त हो सकता है। राजनीतिक तनाव उत्पन्न होगा। इसलिए यदि आप राजनीतिक क्षेत्र में पकड़ बनाने का प्रयास कर रहे हैं तो इस माह में बहुत ज्यादा प्रयास न करें। क्योंकि आपको मानहानि होने के साथ–साथ आपको आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। आपके संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष को लेकर स्थितियाँ तनावपूर्ण रहेंगी। संतान की गतिविधियों से आप संतुष्ट होंगे तथा प्रेम संबंधों में भी तनाव उत्पन्न होगा। स्वास्थ्य को लेकर स्थितियाँ अनुकूल रहने की संभावना है तथा शत्रु पक्ष अनुकूल रहने की संभावना है। इसलिए यदि किसी तरह का कोई पारिवारिक विवाद है तो उसे समझाने का प्रयास कर सकते हैं। विदेश की यात्रा हो सकती है परंतु इस यात्रा में आपको तनाव महसूस होगा और परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। हालांकि जिस उद्देश्य से यात्रा करेंगे उस उद्देश्य का पूरा होना मुश्किल होगा। इसलिए हो सके तो इस माह में कामकाज से संबंधित कोई विदेश यात्रा न करें। वैसे आप कोई यात्रा घूमने फिरने के उद्देश्य से कर सकते हैं। भाग्य आपका सामान्य रूप में रहेगा। इसलिए आप अपने कर्म पर भरोसा करने की कोशिश करें। इस माह में किसी भी नए कार्य का शुभारंभ न करें। अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं। इसलिए आर्थिक लाभ के लिए किया गया प्रयास सफल हो सकता है। दांपत्य जीवन को लेकर स्थितियाँ तनावपूर्ण रहेंगी। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होने की संभावना कम पाई जाती है। इस माह में 9, 10, 19, 20, 28 और 29 तारीख के लिए प्रतिकूल रहेगा। इस समय में कोई भी शुभ कार्य न करें या किसी भी तरह के महत्वपूर्ण कार्य को करने से परहेज करें। समय परिस्थिति को देखते हुए किसी भी कार्य को करना बेहतर होता है। इसलिए आप एक और समझदारी से कार्य करें। जिससे आपको कामयाबी अच्छी मिले।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में परिवार में तनाव उत्पन्न होने की संभावना बन रही हैं। अनावश्यक किसी के हस्तक्षेप से घर परिवार में किसी प्रकार का कोई कलह हो सकता है। अनावश्यक धन प्रॉपर्टी इत्यादि को लेकर विवाद उत्पन्न होने की भी संभावना बन रही हैं। जिससे घर परिवार का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसलिए आप अपने बुद्धि का प्रयोग करते हुए घर परिवार के सभी सदस्यों को अपने विश्वास में लेकर सबके साथ आपसी सामंजस्य मधुर बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे आगे पारिवारिक स्थितियाँ बेहतर प्रदर्शन कर सकें और हर तरह के क्षेत्रों में सहयोग की भावना रखें। एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावनाओं को दर्शाते हुए अपने घर परिवार के उन्नति में आगे बढ़ने का प्रयास करें। जिससे हर तरह की समस्याओं का समाधान हो सके। अनावश्यक किसी के बातों पर भरोसा ना करें। खासकर अपने परिवार के सदस्यों पर भरोसा करने का ही प्रयास करें। यदि आप किसी व्यवसाय में है तो व्यावसायिक दृष्टि से उन्नति करने का प्रयास करें। घर परिवार में भी एक दूसरे का ख्याल रखते हुए अपने आपको सहज महसूस करने का प्रयत्न करें। जिससे परिवार की स्थिति अच्छी रहे। माता–पिता भाई–बंधु सबके साथ तालमेल बनाए रखने का प्रयास करें। कोशिश करें कि सब एक दूसरे से संबंध रखने का प्रयत्न करें।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– इस माह में प्रेम संबंध को लेकर स्थितियाँ प्रतिकूल रहने वाली हैं। अनावश्यक आपके प्रेमी/प्रेमिका में संबंध विच्छेद हो सकता है तथा एक दूसरे से अलगाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए प्रेमी–प्रेमिका से यथावत संबंध बनाए रखने के लिए एक दूसरे से सामान्य व्यवहार बनाए रखने का प्रयास करें। बहुत ज्यादा प्रेम का बौछार न करें। अन्यथा बात बिगड़ने की संभावना हो सकती है। अनावश्यक बात न करें और केवल जरूरत की बातें ही करें। अगर संभव हो सके तो प्रेमी से कम मिलने जुलने का प्रयत्न करें, इससे आप दोनों के बीच पूर्ववत की स्थिति बनी रहे और आगे आप अपने प्रेमी/प्रेमिका से मधुर संबंध बनाए रखने में सफल हो सके। विश्वास में कमी होने के कारण एक दूसरे से अलगाव

की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए सदा मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होंगी। जीवनसाथी से आपसी सामंजस्य बिगड़ने के कारण परिवार की स्थिति तनाव में आ सकती है। इसलिए ससुराल पक्ष को विश्वास में लेकर अपने जीवनसाथी को अपने पक्ष में करने का प्रयत्न करें। एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य तथा तालमेल बिठाए रखने का प्रयास करें। जिससे आगे की स्थितियों को अनुकूल बनाया जा सके।

आर्थिक जीवन :— इस माह में आर्थिक लाभ प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। अतः आप जितना ज्यादा लाभ ले सके उतना ज्यादा प्रयत्न कर सकते हैं। यदि आप व्यवसाय करते हैं तो व्यावसायिक दृष्टि से अच्छा लाभ प्राप्त करें। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में अच्छी तरक्की करते हुए आर्थिक लाभ प्राप्ति का उद्देश्य पूरा कर सकते हैं। यदि आप किसी तरह का निवेश करने का मन बना रहे हैं तो वह भी इस माह में कर सकते हैं। परंतु निवेश का नज़रिया सामान्य होना चाहिए तथा अच्छे क्षेत्र में निवेश हो जिससे आर्थिक लाभ प्राप्त होने में कोई कठिनाई न हो। धन का आदान—प्रदान कम करें। सगे—संबंधियों से संबंध बेहतर हो सकते हैं। इसलिए उनके साथ मिलकर कोई कार्य भी कर सकते हैं। परंतु आर्थिक क्षेत्र में हमेशा सजग रहें। किसी भी तरह का कोई विश्वास पूरा न रखें। कामकाज को लेकर विश्वास करें परंतु आर्थिक मामले में पूर्णतः विश्वास करने की कोशिश न करें। अन्यथा आर्थिक नुकसान होने के साथ—साथ शारीरिक नुकसान भी हो सकता है। इसलिए हर तरह के समस्याओं को देखते हुए कार्य करने का प्रयत्न करें और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिश करें, ताकि इससे आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त हो। ध्यान रखें कि इस माह में किसी भी नए कार्य का शुभारंभ न करें।

स्वास्थ्य :— इस माह में स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं उत्पन्न हो सकती हैं। किसी भी तरह की शारीरिक परेशानियां अनावश्यक ही उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए अपने शरीर को फिट रखने की कोशिश करें और सदा अपने आप में निश्चिंत रहे।

उपाय :— आप शनिवार के दिन मंदिर में सहयोग और सेवा प्रदान करें तथा शनिवार के दिन सफाई की वस्तुएँ मंदिर में दान करें। ज़रूरतमंद व्यक्तियों को सेवा और सहयोग दें तथा काली चीजों का दान करें और रोज हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मीन राशि

सारांश :— आप विचलित रहने वाले व्यक्ति होते हैं। स्थिर होकर किसी भी कार्य को करना उचित या पूर्ण विश्वास के साथ किसी कार्य को करने में आप असहज महसूस करते हैं। आप स्वयं के निर्णय से किसी भी कार्य को करने में संतुष्टि महसूस करते हैं। जिससे आपके कामकाज के क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ता है। समय पर कार्य पूरा न होने का यही कारण होता है कि आप अपने आप पर भरोसा कम करते हैं और किसी अन्य पर भरोसा ज्यादा करते हैं जिसके कारण आपको परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस माह में आपकी सोचने और समझने के साथ—साथ निर्णय लेने की क्षमता भी प्रबल होगी। इसलिए आप शुरू से निर्णय लिए गए कार्यों को करने का प्रयत्न करें। इस माह में कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छी सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इस माह में आर्थिक लाभ भी अच्छा प्राप्त होगा। इसलिए आप अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सजग रहें। अनावश्यक विवादों से दूर रहने का प्रयत्न करें तथा अनावश्यक यात्रा न करें। अपनी स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए कार्य करने का प्रयास

करें, तभी आपको अच्छी कामयाबी मिल सकेगी। इस माह में आपका भाग्य भी अच्छा साथ देगा और आपको कामयाबी अच्छी प्राप्त हो सकती है। विदेश यात्रा का योग बन रहा है परंतु पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त होने की संभावना कम है। इसलिए हो सके तो इस माह में यात्रा करने से बचने का प्रयास करें। वैवाहिक जीवन में तनाव उत्पन्न हो सकता है। यदि आपकी शादी नहीं हुई है तो शादी होने में परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आपकी शादी हो गई है तो जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होने की संभावना कम पाई जाती है। शत्रु पक्ष अनुकूल रहेगा शत्रुओं पर हावी रहने वाले होंगे परंतु खुद के लिए अनावश्यक का विवाद उत्पन्न न होने दें। किसी तरह का कोई पुराना विवाद हो तो उसे सुलझाने का प्रयत्न करें। स्वास्थ्य से संबंधित सावधानी रखें। किसी भी तरह के चोट चपेट इत्यादि की संभावना बन सकती है। संतान पक्ष तथा प्यार पक्ष बेहतर स्थिति में रहने वाला है। इसलिए इस मामले में सदैव सजग रहें और एक दूसरे के प्रति अच्छी भावना रखें। भूमि वाहन इत्यादि की प्राप्ति में व्यवधान उत्पन्न हो सकती है तथा राजनीतिक लाभ प्राप्त होने में भी कठिनाइयाँ होने की संभावना अधिक रहेगी। माता–पिता से अनावश्यक संबंध बिगड़ सकते हैं। इसलिए सदैव एक दूसरे पर भरोसा करते हुए अपने माता–पिता से मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। सरकारी नौकरी इत्यादि की प्राप्ति के लिए प्रयत्न है तो वह सफल होने की संभावना बन रही है। समय के अनुसार पोजीशन प्राप्त होगा, साथ ही धन संपत्ति प्राप्ति के लिए अब से स्थितियाँ अनुकूल रहने वाली हैं। बस इसके लिए आपको अपने आत्मविश्वास को बेहतर बनाने का प्रयत्न करना होगा। इस माह में 1, 2, 10, 11, 20 तथा 21 तारीख आपके लिए प्रतिकूल रहेंगे। इस समय में किसी भी महत्वपूर्ण कार्यों को तथा महत्वपूर्ण बैठक इत्यादि को करने से परहेज करें तथा इस समय में अपने आपको सुरक्षित रखते हुए मानसिक अशांति को दूर करने का प्रयत्न करें।

पारिवारिक जीवन :– इस माह में अनावश्यक परिवार में विवाद पैदा हो सकता है। इसलिए घर परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर हो इसके लिए पूरा प्रयास करें। अपने जीवन में अच्छी कामयाबी प्राप्त करने के लिए घर परिवार में माता–पिता भाई–बंधु इत्यादि सबके साथ संबंध बेहतर होने चाहिए तथा बड़ों का आशीर्वाद होना आपके लिए बहुत आवश्यक है। अन्यथा रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। घरेलू कार्यों को बेहतर दिशा देने के साथ–साथ परिवार में एक दूसरे का ख्याल रखना भी आवश्यक है। संतान से सहयोग प्राप्त होने की संभावना पाई जाती है। आप संतान के प्रति संतुष्ट हो सकते हैं। संतान के क्रियाकलापों तथा संतान के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर सकते हैं और कामकाज के क्षेत्रों में संतान का सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। घर परिवार में कुछ शुभ मांगलिक कार्य भी संपन्न हो सकते हैं। इसलिए घर परिवार में एक दूसरे का सहयोग होना बहुत जरूरी है तभी आपको अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। घर परिवार में उत्सव का माहौल सम्पन्न हो सकता है।

प्रेम व वैवाहिक जीवन :– प्रेम संबंधों में आपको अच्छा

लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रहे हैं। प्रेमी–प्रेमिका से मधुर संबंध होने के साथ–साथ बाहर की यात्रा इत्यादि करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। कहीं घूमने फिरने के उद्देश्य से बाहर जा सकते हैं तथा अपने मन की बात अपने प्रेमी/प्रेमिका से शेयर कर सकते हैं। किसी अच्छे उपहार के साथ अपनी मन की बातें पूरी कर सकते हैं तथा अपने जीवन में उतारने का भी प्रयत्न कर सकते हैं। जीवनसाथी के तौर पर देखने के लिए भी बातें कर सकते हैं। जिससे आपकी प्रेम संबंध और बेहतर स्थिति में हो सके। इस माह में दांपत्य जीवन को लेकर के तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो रही हैं। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होने की संभावना कम पाई जाती है। इसलिए जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाए रखने का प्रयास करें। जिससे घर परिवार के साथ–साथ अन्य तरह के क्षेत्रों में भी उनका सहयोग प्राप्त हो सके। ससुराल पक्ष से भी संबंध बनाए

रखने का प्रयास करें। जिससे पारिवारिक स्थितियों को बेहतर बनाने में उनका सहयोग प्राप्त हो सके तथा आपके कामकाज के क्षेत्र में भी ससुराल पक्ष का सहयोग हो सकता है।

आर्थिक जीवन :– इस माह में आपको आर्थिक लाभ

प्राप्त होने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए आप जिस क्षेत्र से लाभ प्राप्त करते हैं उस क्षेत्र में और तरक्की करने का प्रयास करें। कामकाज के क्षेत्रों को बेहतर दिशा देने का प्रयास करें। किसी नए कार्य को शुभारंभ करने का प्रयत्न कर सकते हैं। क्योंकि इस माह में स्थितियाँ आपके लिए अनुकूल रहने वाली हैं। कार्य व्यवसाय से संबंधित अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं तो नौकरी में भी तरक्की होने की संभावना बन रही हैं तथा आर्थिक निवेश की योजनाओं को सफल बना सकते हैं। आप प्रॉपर्टी इत्यादि के क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं या किसी फ़ाइनेंशियल क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सकती है। आप अपने रिश्तेदारों को अपने कार्य व्यवसाय से जुड़ने का प्रयत्न न करें। अन्यथा आप आर्थिक नुकसान में जा सकते हैं और आपकी मानसिक अशांति भी बढ़ सकती है। अपने आप पर भरोसा करते हुए धन का आदान प्रदान करें तथा धन के आदान–प्रदान में सावधानी रखें। अनावश्यक किसी को धन देने से परहेज करें। सोची समझी रणनीति के तहत कार्य करें, जिससे आपको कामयाबी मिले।

स्वास्थ :– इस माह में स्वास्थ्य को लेकर कोई गंभीर चिंताएं उत्पन्न नहीं होने की संभावना है। परंतु आपको पेट से संबंधित कुछ शिकायतें देखने को मिल सकती हैं या अनावश्यक किसी तरह की कोई बीमारी उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में अपना ख्याल रखना आवश्यक हैं।

उपाय :– गुरुवार के दिन पीली चीजों का दान करें तथा गुरुवार का व्रत एवं पूजन करें। भगवान विष्णु का पूजन करते हुए विष्णु सहस्त्रनाम इत्यादि का पाठ करें। गाय और ब्राह्मण की सेवा करें। गुरुवार के दिन गाय को चने की दाल और गुड़ खिलाना आपके लिए शुभ रहेगा। क्योंकि इससे आपकी स्थितियाँ अच्छी रहेंगी।

ज्योतिष सीखें – भाग 1

पुनीत पाण्डे

ज्योतिष सीखने की इच्छा अधिकतर लोगों में होती है। लेकिन उनके सामने समस्या यह होती है कि ज्योतिष की शुरूआत कहाँ से की जाये?

कुछ जिज्ञासु मेहनत करके किसी ज्यातिषी को पढ़ाने के लिये राज़ी तो कर लेते हैं, लेकिन गुरूजी कुछ इस तरह ज्योतिष पढ़ाते हैं कि जिज्ञासु ज्योतिष सीखने की बजाय भाग खड़े होते हैं। बहुत से पढ़ाने वाले ज्योतिष की शुरूआत कुण्डली–निर्माण से करते हैं। ज़्यादातर जिज्ञासु कुण्डली–निर्माण की गणित से ही घबरा जाते हैं। वहीं बचे–खुचे "भयात/भभोत" जैसे मुश्किल शब्द सुनकर भाग खड़े होते हैं।

अगर कुछ छोटी–छोटी बातों पर ग़ौर किया जाए, तो आसानी से ज्योतिष की गहराइयों में उतरा जा सकता है। ज्योतिष सीखने के इच्छुक नये विद्यार्थियों को कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए–

शुरूआत में थोड़ा–थोड़ा पढ़ें।

जब तक पहला पाठ समझ में न आये, दूसरे पाठ या पुस्तक पर न जायें।
जो कुछ भी पढ़ें, उसे आत्मसात कर लें।
बिना गुरू–आज्ञा या मार्गदर्शक की सलाह के अन्य ज्योतिष पुस्तकें न पढ़ें।
शुरूआती दौर में कुण्डली–निर्माण की ओर ध्यान न लगायें, बल्कि कुण्डली के विश्लेषण पर ध्यान दें।
शुरूआती दौर में अपने मित्रों और रिश्तेदारों से कुण्डलियाँ मांगे, उनका विश्लेषण करें।
जहाँ तक हो सके हिन्दी के साथ–साथ ज्योतिष की अंग्रेज़ी की शब्दावली को भी समझें।

अगर ज्योतिष सीखने के इच्छुक लोग उपर्युक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखेंगे, तो वे जल्दी ही इस विषय पर अच्छी पकड़ बना सकते हैं।

ज्योतिष के मुख्य दो विभाग हैं – गणित और फलित। गणित के अन्दर मुख्य रूप से जन्म कुण्डली बनाना आता है। इसमें समय और स्थान के हिसाब से ग्रहों की स्थिति की गणना की जाती है। दूसरी ओर, फलित विभाग में उन गणनाओं के आधार पर भविष्यफल बताया जाता है। इस श्रृंखला में हम ज्योतिष के गणित वाले हिस्से की चर्चा बाद में करेंगे और पहले फलित ज्योतिष पर ध्यान लगाएंगे। किसी बच्चे के जन्म के समय अन्तरिक्ष में ग्रहों की स्थिति का एक नक्शा बनाकर रख लिया जाता है इस नक्शे को जन्म कुण्डली कहते हैं। आजकल बाज़ार में बहुत–से कम्प्यूटर सॉफ़्टवेयर उपलब्ध हैं और उन्हे जन्म कुण्डली निर्माण और अन्य गणनाओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

पूरी ज्योतिष नौ ग्रहों, बारह राशियों, सत्ताईस नक्षत्रों और बारह भावों पर टिकी हुई है। सारे भविष्यफल का मूल आधार इनका आपस में संयोग है। नौ ग्रह इस प्रकार हैं –

ग्रह	अन्य नाम	अंग्रेजी नाम
सूर्य	रवि	सन
चंद्र	सोम	मून
मंगल	कुज	मार्स
बुध		मरकरी

ग्रह	अन्य नाम	अंग्रेजी नाम
गुरू	बृहस्पति	ज्यूपिटर
शुक्र	भार्गव	वीनस
शनि	मंद	सैटर्न
राहु		नॉर्थ नोड
केतु		साउथ नोड

आधुनिक खगोल विज्ञान (एस्ट्रोनॉमी) के हिसाब से सूर्य तारा और चन्द्रमा उपग्रह है, लेकिन भारतीय ज्योतिष में इन्हें ग्रहों में शामिल किया गया है। राहु और केतु गणितीय बिन्दु मात्र हैं और इन्हें भी भारतीय ज्योतिष में ग्रह का दर्जा हासिल है।

भारतीय ज्योतिष पृथ्वी को केन्द्र में मानकर चलती है। राशिचक्र वह वृत्त है जिसपर नौ ग्रह घूमते हुए मालूम होते हैं। इस राशिचक्र को अगर बारह भागों में बांटा जाये, तो हर एक भाग को एक राशि कहते हैं। इन बारह राशियों के नाम हैं– मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्ध्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन। इसी तरह जब राशिचक्र को सत्ताईस भागों में बांटा जाता है, तब हर एक भाग को नक्षत्र कहते हैं। हम नक्षत्रों की चर्चा आने वाले समय में करेंगे।

एक वृत्त को गणित में 360 कलाओं (डिग्री) में बाँटा जाता है। इसलिए एक राशि, जो राशिचक्र का बारहवाँ भाग है, 30 कलाओं की हुई। फ़िलहाल ज़्यादा गणित में जाने की बजाय बस इतना जानना काफी होगा कि हर राशि 30 कलाओं की होती है।

हर राशि का मालिक एक ग्रह होता है जो इस प्रकार हैं –

राशि	अंग्रेजी नाम	मालिक ग्रह
मेष	एरीज	मंगल
वृषभ	टॉरस	शुक्र
मिथुन	जैमिनी	बुध
कर्क	कैंसर	चन्द्र
सिंह	लियो	सूर्य
कन्या	वरगो	बुध
तुला	लिबरा	शुक्र
वृश्चिक	स्कॉर्पियो	मंगल
धनु	सैजीटेरियस	गुरू
मकर	कैप्रीकॉर्न	शनि
कुम्भ	एक्वेरियस	शनि
मीन	पाइसेज	गुरू

आज का लेख बस यहीं तक। लेख के अगले क्रम में जानेंगे कि राशि व ग्रहों के क्ध्या स्ध्वाभाव हैं और उन्हें भविष्यकथन के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है।

AstroSage
World's No. 1 Astrology Portal & App

ज्योतिषी से प्रश्न पूछें

- के.पी. सिस्टम
- लाल किताब
- नाड़ी ज्योतिष
- ताजिक ज्योतिष

अभी पूछें »

संपर्क करें
+91-7683076700,
0120-4208916
Email:- galaxy@astrosage.com
www.astrosage.com

स्पेशल कीमत:-
₹299/-